सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 295, नई दिल्ली । शुक्रवार, 03 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 दलित सम्मान सम्मेलन में केजरीवाल सरकार को उखाड़ फेंकने का ऐलान

06 परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता कैसे कम करें विजय गर्ग

08 नव वर्ष के आगमन में ट्रस्ट की महिलाओं ने किया वृक्षारोपण

## टिकट से लेकर सुरक्षा जांच, फ्री पार्किंग कहां और कितने समय तक मिलेगी; दिल्ली-मेरठ नमो भारत को लेकर जानें सबकुछ

संजय बाटला

नमो भारत ट्रेन के न्यू अशोक नगर स्टेशन पर 500 वाहनों की पार्किंग बनेगी। 10 मिनट तक पार्किंग शुल्क नहीं लगेगा। स्टेशन पर बैग की स्कैनिंग के लिए लगाई गई मशीनें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित हैं। टिकट वेंडिंग मशीन ज्यादा सुगम हैं। लोग रूट का चयन करके नकद या यूपीआई से भुगतान का विकल्प चुन सकते हैं।

**दिल्ली।** दिल्ली-मेरठ नमो भारत ट्रेन के न्यू अशोक नगर स्टेशन पर वाहन पार्किंग की पर्याप्त सुविधा रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने यहां पर 500 वाहनों की पार्किंग बनाई है। इसमें कार और दोपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग जगह रहेगी।

10 मिनट तक पार्किंग शुल्क नहीं लगेगा। न्यू अशोक नगर स्टेशन नोएडा (Noida News) से सटा हुआ है। यहां से नमो भारत ट्रेन के चलने पर नोएडा के सेक्टर-15, सेक्टर-16, सेक्टर-18, सेक्टर-10 व आसपास के इलाकों के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। लेकिन आनंद विहार स्टेशन पर पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं रहेगी। यात्रियों को आनंद विहार रेलवे स्टेशन के अंदर बनी पार्किंग में वाहन खड़ा करना होगा।

### ऐप पर पता चलेगा पार्किंग स्टेटस

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के तहत नमो भारत ट्रेन का संचालन दिल्ली में जल्द शुरू होने वाला है। इसके लिए बनी आरआरटीएस कनेक्ट एप (RRTS Connect App) के जरिये लोग स्टेशन पर पार्किंग का स्टेटस जान सकते हैं। एक क्लिक पर लोगों को पता चल जाएगा कि स्टेशन पर किस वाहन के लिए पार्किंग की कितनी जगह खाली है।

### एआई आधारित मशीन से होगी बैग की स्कैनिंग

नमो भारत ट्रेन के स्टेशनों पर बैग की स्कैनिंग के लिए लगाई गई मशीनें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित हैं। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि नमो भारत ट्रेन में जिन वस्तुओं को ले जाना प्रतिबंधित किया गया है, स्कैनिंग मशीन यात्री के बैग में उनकी पहचान कर सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट कर देगी।

प्रतिबंधित सामान की पहचान करते ही मशीन की कन्वेयर बेल्ट रुक जाएगी। सुरक्षाकर्मी जब तक उसे जांच के लिए कन्वेयर बेल्ट से उठाएगा, तब तक मशीन दोबारा काम शुरू नहीं करेगी।

इस ट्रेन में विस्फोटक के प्रतिरूप को भी ले जाना प्रतिबंधित है। मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षाकर्मी को स्कैनिंग मशीन की स्क्रीन पर ध्यान रखना होता है, उसकी कन्वेयर बेल्ट रुकती नहीं है।

### वेंडिंग मशीन से टिकट लेना ज्यादा आसान

नमो भारत ट्रेन के स्टेशन पर लगी टिकट वेंडिंग मशीन ज्यादा सुगम हैं। लोग रूट का चयन करके नकद या यूपीआइ से भुगतान का विकल्प चुन सकते हैं।

नकद का विकल्प चुनने पर लोग नोट मशीन में डाल कर टिकट ले सकते हैं। वहीं यूपीआई के विकल्प पर मशीन के एक तरफ क्यूआर कोड आ जाएगा, उसके जरिये किसी भी पेमेंट एप से भुगतान कर सकते हैं।

500 वाहनों की न्यू अशोक नगर स्टेशन पर रहेगी पार्किंग

10 मिनट तक वाहन खड़ा करने पर नहीं देना होगा शुल्क

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

## पंजाबी बाग फ्लाईओवर से दिल्ली वालों के रोजाना बचेंगे 40 हजार घंटे, साढ़े तीन लाख वाहनों को होंगी सहूलियतें

परिवहन विशेष न्यूज

पंजाबी बाग फ्लाईओवर के उद्घाटन से दिल्लीवासियों को रोजाना 40 हजार घंटे की बचत होगी। मुख्यमंत्री आतिशी ने फ्लाईओवर का उद्घाटन करते हुए कहा कि इससे लोगों के समय के साथ ही ईंधन की भी बचत होगी। फ्लाईओवर के शुरू होने से दिल्ली वालों को तीन रेड लाइट के जाम से निजात मिलेगी। इससे तीन लाख 45 हजार वाहनों को सहूलियतें होंगी।

**दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को क्लब रोड स्थित पंजाबी बाग फ्लाईओवर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उनके साथ मोती नगर के विधायक शिवचरण गोयल, दिल्ली विधानसभा उपाध्यक्ष राखी बिड़लान और दिल्ली नगर निगम करोल बाग जोन के चेयरमैन राकेश जोशी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आतिशी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ ही दिन पहले हमने आनंद विहार फ्लाईओवर का उद्घाटन किया था, अब पश्चिमी दिल्ली या पंजाबी बाग ही नहीं सभी दिल्ली वालों के लिए पंजाबी बाग फ्लाईओवर एक तोहफा है। फ्लाईओवर के शुरू होने से दिल्ली वालों के रोजाना 40 हजार घंटे बचेंगे। साथ ही प्रतिदिन 3,45,000 वाहनों को रोजाना फायदा होगा। साथ ही वाहन चालकों का एक साल में 11 लाख लीटर पेट्रोल डीजल की बचत होगी।

इस एक फ्लाईओवर के बनने से तकरीबन 65 हजार पेड़ लगाने के बराबर प्रदूषण रोका है। छह लेन के इस फ्लाइओवर से नजफगढ़, आजादपुर, राजा गार्डन और पश्चिम विहार इलाके में रोज आने वाले 3 लाख लोगों को तीन रेड लाइट के जाम से निजात मिलेगी। पिछले दस सालों में हमने 39 फ्लाईओवर, अंडरपास और एलिवेटेड रोड बनाए हैं, जो कि इतने कम समय में बनकर तैयार हुए हैं।

### दिल्ली के लोगों की प्रति व्यक्ति आय देश के लोगों से ढाई गुना ज्यादा: आतिशी

आतिशी ने आगे कहा कि दस साल में डार्क स्पॉट खत्म करने के लिए आज दिल्ली में चार लाख स्ट्रीट लाइटें लगी हैं। आज दुनिया में सबसे अधिक सीसीटीवी कैमरे कही हैं तो वह दिल्ली में हैं। अब यहां तीन लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। ट्रैफिक जाम के लिए दिल्ली पहले जानी जाती थी जहां दुनिया में चौथे नंबर पर आती थी। अब वह 44वें नंबर पर आ गई है। दस साल में साढ़े सौ किलोमीटर तक दिल्ली मेट्रो का एक्सटेंशन हुआ है। आज दिल्ली के लोगों की प्रति व्यक्ति आय देश के लोगों से ढाई गुना ज्यादा है। अगर हम पूरे देश की बात करें तो एक करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले राज्यों में अगर किसी की प्रति व्यक्ति आय अधिक है तो वह दिल्ली के लोगों की है।

### यह फ्लाईओवर संजीवनी बूटी की तरह करेगा काम: शिवचरण

वहीं मोतीनगर के विधायक शिवचरण गोयल ने कहा कि पश्चिमी दिल्ली के लिए यह फ्लाईओवर संजीवनी बूटी की तरह काम करेगा। इससे लोगों के समय के साथ ही ईंधन की भी बचत होगी। यहां पर अधिक जाम की समस्या रहती थी उससे भी लोगों को निजात मिलेगी। फ्लाईओवर को हमने दो सालों में तैयार किया है। इस फ्लाईओवर को हमने 222 करोड़ में ही तैयार किया है। इसके अलावा विधानसभा उपाध्यक्ष राखी ने कहा कि यह फ्लाईओवर दिल्ली वालों के लिए लाइफलाइन है। इस फ्लाईओवर के निर्माण में 40 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

### इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई है 1.12 किमी

पंजाबी बाग क्लब रोड स्थित छह लेन वाले इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई महज 1.12 किमी है। इसे वेस्ट दिल्ली इंटीग्रेटेड ट्रांजिट कारिडोर डेवलपमेंट द्वारा तैयार किया गया है। इसकी एक तरफ की चौड़ाई 11.50 मीटर है, जबकि दोनों तरफ की चौड़ाई 23 मीटर है। दोनों तरफ से छह कारें आराम से एक साथ गुजर सकती हैं। इस फ्लाईओवर के निर्माण में 222 करोड़ रुपये की लागत आई है।

### दो साल में पूरी हो जाएगी फ्लाईओवर की लागत

फ्लाईओवर के निर्माण कार्य की लागत दो साल में पूरी हो जाएगी, क्योंकि पहले साल 1402 कार्बन क्रेडिट अर्जित होंगे, जो कि 39.73 लाख रुपये की उत्सर्जन बचत के बराबर होंगे। यह हर वर्ष 64,492 पेड़ लगाने के बराबर होंगे। इससे 204.05 करोड़ रुपए की सालाना बचत होगी।

### बिना लाल बत्ती के गुजर पाएंगे 18 किलोमीटर

पंजाबी बाग फ्लाईओवर शुरू होने से वाहन चालकों को एक फ्लाईओवर से दूसरे फ्लाईओवर होकर गुजरते हुए कुल 18 किलोमीटर का रास्ता लाल और हरी बत्ती से मुक्त हो जाएगा। वाहन चालक धौलाकुआं से चलकर नारायणा फ्लाईओवर, फिर मायापुरी, इसके बाद राजा गार्डन, फिर पंजाबी बाग, मोती नगर, चौधरी ब्रह्म सिंह और शालीमार बाग फ्लाईओवर से होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। इससे उन्हें जाम के झंझट से मुक्ति मिलेगी। साथ ही ईंधन के साथ ही समय की भी बचत होगी।

### तीन सवबे भी हो रहे हैं तैयार

फ्लाईओवर के अलावा पैदल गुजरने वाले लोगों के लिए तीन सवबे भी तैयार किए जा रहे हैं। पहला सवबे ईस्ट पंजाबीबाग से वेस्ट पंजाबीबाग, दूसरा सुदर्शन पार्क से पंजाबी बाग और तीसरा ईएसआइ से बसई दारापुर तक का है, जिसका निर्माण तेजी के साथ चल रहा है। जल्द ही यह लोगों के इस्तेमाल के लिए खोला जाएगा।

## 2024 में हर दिन वसूला गया ₹191 करोड़ का टोल

## 2030 तक ₹1.3 लाख करोड़ टोल कलेक्शन का लक्ष्य

परिवहन विशेष न्यूज

वर्ष 2024 में नए टोल प्लाजा जोड़े जाने और लॉजिस्टिक गतिविधियों में तेजी से टोल कलेक्शन में वृद्धि हुई है। 1 जनवरी से 22 दिसंबर 2024 तक इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन ₹68,037.60 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.2% अधिक है।

**नईदिल्ली:** चालू वित्तीय वर्ष में भारत का टोल कलेक्शन ₹70,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नई टोल प्लाजा की बढ़ोतरी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार के चलते औसत दैनिक कलेक्शन में बढ़ोतरी हो रही है। 1 जनवरी से 22 दिसंबर 2024 तक इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन ₹68,037.60 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.2% अधिक है। वहीं, औसत दैनिक कलेक्शन इस वर्ष ₹191.14 करोड़ रहा, जो 2023 में ₹170.66 करोड़ था।

**46,884 किमी सड़कों पर लागू है टोल**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्ष 2024 में नए टोल प्लाजा जोड़े जाने और लॉजिस्टिक गतिविधियों में तेजी से टोल कलेक्शन में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024 में 94 नए टोल प्लाजा जोड़े गए, जिससे 1 अप्रैल 2024 तक टोल प्लाजा की कुल संख्या 933 हो गई। वित्त वर्ष 2025 के शुरुआती आठ महीनों (1 अप्रैल से 30 नवंबर 2024) में 70 नए टोल प्लाजा जोड़े गए। देश में कुल टोल सड़कों की लंबाई 1 अप्रैल 2023 को 42,595 किमी थी, जो 1 अप्रैल 2024 तक 46,884 किमी हो गई। 2024 में 4,289 किमी का विस्तार हुआ, जबकि चालू वित्तवर्ष में अब तक 3,059.6 किमी जोड़ी गई है।

**त्योहारी सीजन में बढ़ा टोल कलेक्शन**

रिपोर्ट्स की मानें तो, त्योहारी सीजन और नए टोल प्लाजा जुड़ने से टोल कलेक्शन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। साल 2024 की दूसरी छमाही में टोल कलेक्शन ने मजबूत रुझान दिखाया है। यह सकारात्मक प्रवृत्ति अगले तिमाही में भी जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 1,040 टोल प्लाजा हैं, जिनमें से 1,003 राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अंतर्गत आते हैं। यह संगठन सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधीन काम करता है।

**1.3 लाख करोड़ के टोल कलेक्शन का लक्ष्य**

टोल कलेक्शन के आंकड़ो को देखें तो इसमें लगातार वृद्धि हुई है। पांच साल में टोल कलेक्शन 3 गुना हो गया है। 2018-19 में टोल कलेक्शन 25154.76 करोड़ रुपये था, जो 2022-23 में बढ़ कर ₹48,028.22 करोड़ रुपये हो गया। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2030 तक 1.3 लाख करोड़ रुपये के टोल कलेक्शन का लक्ष्य रखा है।

## दिल्ली की बसों में लागू होगा विमानों वाला रूल, ड्यूटी से पहले होगी ड्राइवरों की जांच

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उठाया है. अब डीटीसी के सभी ड्राइवरों को ड्यूटी जॉइन करने से पहले अल्कोहल जांच से गुजरना होगा. यह कदम ड्राइवरों की जिम्मेदारी और

**नईदिल्ली।** दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने अपने ड्राइवरों के लिए नई सुरक्षा प्रक्रिया लागू करने का निर्णय लिया है. अब सभी ड्राइवरों को ड्यूटी जॉइन करने से पहले अल्कोहल जांच से गुजरना होगा. यह कदम ड्राइवरों की जिम्मेदारी और यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है.

### ड्राइवरों की होगी अल्कोहल जांच

डीटीसी ने अपने सभी डिपो पर ब्रेथ एनालाइजर लगाने का फैसला किया है. यह सुनिश्चित करेगा कि केवल वे ड्राइवर जो अल्कोहल जांच में पास होते हैं, उन्हें ड्यूटी दी जाएगी. इससे न केवल ड्राइवरों की सुरक्षा

बढ़ेगी, बल्कि यात्रियों की भी. इसके साथ ही, डीटीसी ने सभी डिपो में चेहरे को पहचानने वाली बायोमीट्रिक मशीनें लगाने का निर्णय लिया है. ये मशीनें कर्मचारियों की हाजिरी को ट्रैक करने में मदद करेंगी, जिससे डबल ड्यूटी पर रोक लगाना संभव होगा. डीटीसी ने बायोमीट्रिक मशीनों और ब्रेथ एनालाइजर के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है. जल्द ही इन मशीनों की स्थापना का काम शुरू होगा, जिससे कर्मचारियों की उपस्थिति और सुरक्षा को बेहतर बनाया जा सकेगा.

### 3400 से अधिक बसों का संचालन

डीटीसी वर्तमान में 36 डिपो से 3400 से अधिक बसों का संचालन कर रही है, जिनमें से 1632 बसें इलेक्ट्रिक हैं. इन डिपो में लगभग 30,000 कर्मचारी काम करते हैं. नई प्रक्रियाओं के माध्यम से, डीटीसी अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और प्रभावशीलता को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है.

अधिकारियों का मानना है कि ब्रेथ एनालाइजर की स्थापना से शराब पीकर ड्राइविंग करने की घटनाओं में कमी आएगी. इससे न केवल कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि यात्रियों की भी.

### रियल टाइम डेटा ट्रैकिंग

फेस रिकग्निशन बायोमेट्रिक मशीनों के माध्यम से कर्मचारियों की हाजिरी का रियल टाइम डेटा प्राप्त होगा. इससे न केवल कर्मचारियों की उपस्थिति को ट्रैक करना आसान होगा, बल्कि बाहरी या अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर भी रोक लगेगी।

# इसरो का एक और शानदार मिशन है-'स्पैडेक्स मिशन'।

भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नित सफलता के नये झंडे गाड़ रहा है। इसी क्रम में, हाल ही में इसरो ने अपने स्पैडेक्स मिशन को लेकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में ऐतिहासिक छलांग लगाई है। यदि इसरो का यह मिशन आगे सफल रहता है, तो भारत अमेरिका ,रूस और चीन के बाद स्पेस डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाले विश्व के चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा। गौरतलब है कि इसरो ने इस साल की शुरुआत अंतरिक्ष में एक्सरे किरणों का अध्ययन करने वाले मिशन एक्सपोसेट की लॉन्चिंग के साथ की थी और इसके कुछ ही दिनों बाद इसरो ने अपने पहले सूर्य मिशन 'आदित्य' में कामयाबी हासिल की। इतना ही नहीं, इसरो ने 17 फरवरी 2024 को इन्सैट-3डीएस मिशन को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया था, जो मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने,आपदा से जुड़ी चेतावनी जारी करने में मदद के साथ ही पृथ्वी और महासागरों की सतहों की निगरानी के लिए अति महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, 19 नवंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से फाल्कन-9 रॉकेट के माध्यम से जीसैट एन-2 मिशन लॉन्च किया था, जिसकी मदद से अंडमान और निकोबार व लक्षद्वीप द्वीप के दूर-दराज के क्षेत्रों समेत पूरे देश में बेहतरीन कनेक्टिविटी में फायदा मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि इसरो ने 23 जून 2024 को भी कर्नाटक के चित्रदुर्ग में तीसरी बार रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल का सफल परीक्षण भी किया,इस तकनीक की मदद से भारत दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट तैयार कर सकता है। हाल फिलहाल, यह कहना ग़लत नहीं होगा कि हाल के मिशन की कामयाबी भारतीय अंतरिक्ष केंद्र की स्थापना और चंद्रयान-4 जैसे मानव अंतरिक्ष उड़ानों के लिए अहम साबित होगी। वर्तमान में जो मिशन इसरो द्वारा लांच किया गया है, वह अपने आप में बहुत ही महत्वपूर्ण मिशन इसलिए है, क्योंकि यह भविष्य के मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंतरिक्ष में डाकिंग के लिए यह एक किफायती प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन है। इतना ही नहीं, यह चंद्रमा पर इंसान को भेजने, चांद से नमूने लाने के लिए भी आवश्यक मिशन है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस मिशन से भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण और संचालन में भी आत्मनिर्भर हो सकेगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किसी मिशन के लिए एक से अधिक रॉकेट लांच करने पर भी होगी इस तकनीक( डाकिंग तकनीक )की जरूरत होगी। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2024 के अंत में 30 दिसंबर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ( इसरो ) अपने आखिरी ( वर्ष 2024 का आखिरी मिशन ) नए मिशन 'स्पैडेक्स' को सफलता पूर्वक लॉन्च कर दिया है, और इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र ( एसडीएससी ) से लॉन्च किया गया है, जिसके लिए इसरो के पीएसएलवी-सी60 रॉकेट का इस्तेमाल किया गया है। दरअसल,स्पैडेक्स का अर्थ है स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट। स्पैडेक्स मिशन का मकसद अंतरिक्ष यानों को 'डॉक'( एक अंतरिक्ष यान से दूसरे अंतरिक्ष यान का जुड़ना ) और 'अनडॉक' ( अंतरिक्ष में एक अंतरिक्ष यान को दूसरे से अलग करना ) करने के लिए आवश्यक तकनीक को विकसित करना और प्रदर्शित करना है। दूसरे शब्दों में कहें तो इस मिशन का उद्देश्य सफल डॉकिंग, डॉक किए गए अंतरिक्ष यानों में ऊर्जा का हस्तांतरण करना और अनडॉकिंग के बाद पेलोड का संचालन करना है। पाठकों को बताता चलूं कि इन दोनों अंतरिक्ष यानों में पैलोड लगे हैं। जानकारी के अनुसार एसडीएक्स 01 में हाई रिजॉल्यूशन कैमरा लगा है, जबकि एसडीएक्स 02 में दो पेलोड मिनिएचर मल्टीस्पेक्ट्रल पेलोड और रेडिएशन मॉनिटर पेलोड लगे हैं। ये पेलोड हाई रिजॉल्यूशन तस्वीरें, प्राकृतिक संसाधन निगरानी में मदद करेंगे। ये अंतरिक्षयान दो वर्षों तक पृथ्वी की परिक्रमा करेंगे। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह वास्तव में अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है। निश्चित ही यह मिशन एक ओर जहां अंतरिक्ष के क्षेत्र में रिसर्च( शोध ) और सहयोग के लिए नए रास्ते खोलेगा, वहीं दूसरी ओर इससे ग्लोबल स्पेस कम्युनिटी में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी। वास्तव में, डॉकिंग क्षमता का अंतरिक्ष में प्रदर्शन करना एक बहुत ही महत्वपूर्ण तकनीक है और यह सबसे कठिन और जटिल प्रक्रिया भी है ।यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरिक्ष में डॉकिंग प्रौद्योगिकी की तब जरूरत होती है, जब साझा मिशन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कई रॉकेट प्रक्षेपित करने की जरूरत होती है ।इसरो ने हाल ही में पीएसएलवी रॉकेट से जिस स्पैडेक्स मिशन को लांच किया है, वह वास्तव में अंतरिक्ष में दो अलग-अलग उपग्रहों को जोड़ने और अलग करने का मिशन है ।इसरो के इस मिशन में दो अंतरिक्ष यान चेजर ( एसडीएक्स01 ) और टारगेट ( एसडीएक्स02 ) हैं। इनमें से प्रत्येक का वजन 220 किलोग्राम है। इसमें अंतरिक्ष यान चेजर ( एसडीएक्स01 ) टारगेट( एसडीएक्स02 ) का पीछा करेगा, जबकि दोनों तेज गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हों और तेजी से उसके साथ डॉकिंग करेगा यानी कि जुड़ेगा। बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में स्पैडेक्स मिशन के विकास के दौरान सभी की नजरें आगामी डॉकिंग के कार्य पर होंगी, जिसके बारे में यह उम्मीद जताई जा रही है कि यह वर्ष 2025 के जनवरी माह के पहले सप्ताह में होगी। अंत में ,यही कहूंगा कि साल 2024 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपने मिशनों से दुनियाभर में कीर्ति पताका फहराई है और इसरो के वैज्ञानिकों ने दुनिया को यह बता दिया है कि अंतरिक्ष में भारत का कोई सानी नहीं है। पाठकों को याद होगा कि वर्ष 2023 में भी इसरो ने कामयाबी हासिल करते हुए चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 23 अगस्त को उतारा था, और इसके साथ ही भारत अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन के बाद चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया था। आज भारत एक बार फिर से अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपनी पताका फहराते हुए लगातार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। निश्चित ही अंतरिक्ष के क्षेत्र में आने वाला समय भारत का ही होगा, इसमें कोई संदेह या शक नहीं है।

**सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर,**

# संयुक्त परिवार

विजय गर्ग

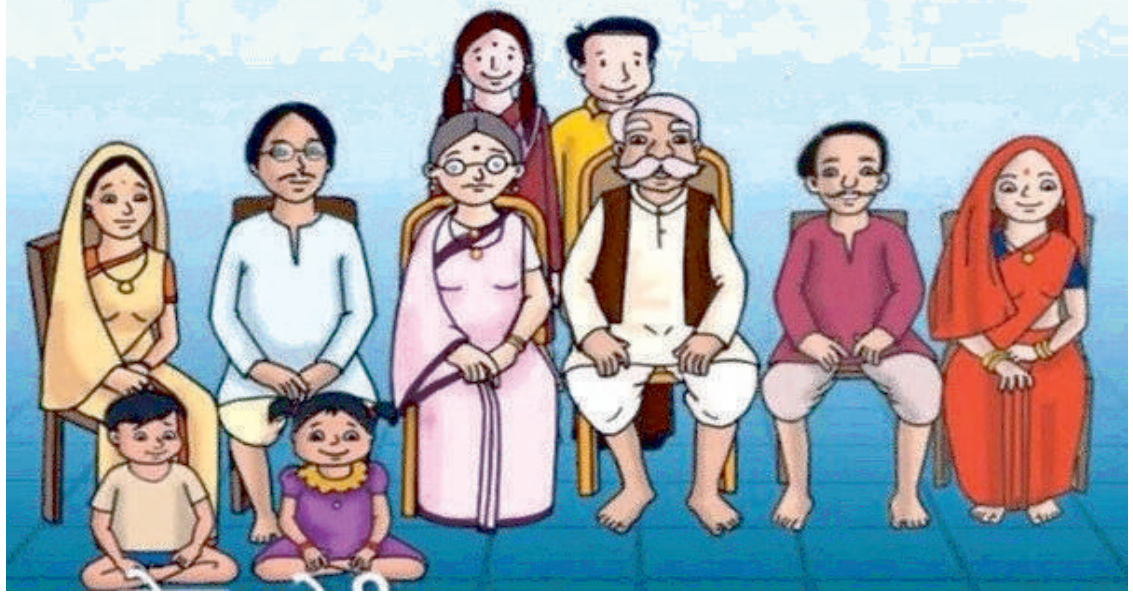

गाँव में हमारा परिवार रहता था। परिवार में मैं, मेरे माता पिता, ताऊ जी ताई जी, उनका बेटा रोहन और दादा जी। मैं पढ़ाई में बहुत तेज था और रोहन औसत था। रोहन मुझसे 1 क्लास आगे था पर मैं उसका भी होमवर्क करता था। हम दोनो भाई से ज्यादा दोस्त थे। दादा जी के गुजर जाने के कुछ साल बाद मेरे पिता जी भी गुजर गए। ताऊजी सारी खेती बाड़ी संभालते थे। ग्यारहवी पास करने के बाद मैंने पढ़ाई छोड़ दी ओर रोहन बी.एस.सी. एग्रीकल्चर करने पास के शहर में चला गया। मेरे पढ़ाई छोड़ने पर मेरी माता जी बहुत ज्यादा नाराज रहने लगी क्योंकि मैं पढ़ाई में रोहन से तेज था परंतु मेरे ताऊ जी के आगे मजबूर थी।

मेरी माँ को इस बात का बहुत मलाल था कि मैं पढ़ नहीं पाया ओर रोहन ग्रेजुएट हो गया।

दादाजी की इच्छा थी कि हम दोनों भाइयों की शादी एक साथ एक ही घर में हो, इससे परिवार बना रहता हैं। ताऊ जी ने काफी प्रयास किया पर ऐसा परिवार मिला नहीं इसलिये दोनों की शादी अलग अलग परिवार में एक साथ कर दी। रोहन शहर से पढ़ कर आया था और उसकी पत्नी भी पढ़ी लिखी थी पर तेज तर्रार थी। इसलिये उसका मन गाँव में नहीं लग रहा था। कुछ समय बाद ताऊ जी की हार्ट अटेक से मौत हो गई। अब रोहन खेत पर कम जाता और शहरके / बाहरके में सारे काम करता। जब भी शहर जाता अपनी पत्नी को भी ले जाता मैं सारा दिन खेतो में रहता ओर मेरी पत्नी घर संभालती।

फिर रोहन ने नोकरी पकड़ ली और शहर में शिफ्ट हो गया। अपने हिस्से की जमीन आधे में खेती पर मुझे दे दी। अब मैं अकेला ही सारी जमीन पर खेती भी करता और जरूरी सामान लेने शहर भी जाता। शहर जाने पर रोहन से भी मिल आता। रोहन भी कभी कभी आ जाता था। एक दिन मैं शहर गया और काम में रात हो गई। मैं रोहन के घर चला गया और माँ को फ़ोन कर दिया कि सवेरे आ जाऊँगा। रोहन के यहाँ ताई जी नहीं दिखी तो मैंने उनके बारे में पूछा। वो बोला मां तीर्थ पर गई है। ये बात मुझे हज़म नहीं हुई। खाना खाने के बाद हम दोनों बाहर टहलने निकले तो मैंने रोहन से पूछा, क्या बात है? रोहन बोला में अपनी पत्नी से परेशान हो गया हूं। रोज रोज की किच किच, रोज रोज का झगडा, कभी बड़ा घर चाहिये, कभी साड़ी चाहिए, मां के साथ नहीं रहन, वगैरह वगैरहा। आखिर मां को किसके पास छोड़कर आऊ, तंग आकर मैं माँ को वृद आश्रम छोड़ आया, फिर भी चैन से जीने नहीं देती, समझ नहीं आता कि क्या करूँ? मैं बोला, मुझे बताया तो होता, तेरा भाई हू, कोई गैर नहीं, कुछ हल निकल लेते। चलो अंदर चलते हैं, कल बात करेंगे।

अगले दिन जब मैं गांव के लिये निकला तो रोहन से बोला, आज शाम को वृद आश्रम आ जाना, ताई जी से मिलकर आते हैं। घर आकर मैंने अपनी पत्नि ओर मां से बात की, दोंनो ने कहा ताई जी को गाँव ले आओ। अपनों के बीच रहेंगी तो दिल लगा रहेगा। शाम को मैं अपनी पत्नी को लेकर वृद आश्रम गया, रोहन इंतजार कर रहा था। मैं बोला, ताई जी हमारे साथ गाँव में रहेगी, सारी फॉर्मेलिटी पूरी कर दो और मैं ताई जी का सामान पैक करने लगा। रोहन ताई जी को लेकर आया ओर हम बाहर आकर बस में बैठ गए। रोहन भी हमारे साथ चल दिया। गांव पहुंच कर ताई जी के चेहरे पर मुस्कान आ गई पर रोहन काफी गंभीर मुद्रा में बैठा रहा। रोहन, आ कर खाना खा लो, चाची ने आवाज लगाई। रोहन ओर मैं दोनों खाने बैठ गए पर रोहन का ध्यान कही ओर था।

अचानक रोहन उठा और फोन करने लगा। फिर फोन पर बोला, मैं माँ को लेकर गाँव आ गया हूँ ओर अब यही रहूँगा। तुम यहाँ आना चाहो तो आ जाना, ओर फ़ोन काट दिया। हम सब रोहन को देख रहे थे, वो बोला, मुझ से बहुत बडी गलती हो गई, मैंने अपनों को छोड़ कर गैरो पर भरोसा किया। मॉ जी, चाची जी मुझे माफ़ कर दो, अब हम सब साथ ही रहेंगे।

अगले दिन मैं फिर काम से शहर गया और शाम को भाभी को लेकर वापस आया। भाभी की आंखों में पशचाताप के आँसू थे।

बेटा पत्नी के दबाव में आकर मां बाप को अलग कर देता है और भूल जाता हैं कि एक दिन वो दोनों भी मॉ बाप बनेंगे ओर बूढ़े भी होंगे, तब??

# महीने भर रोजाना खाली पेट पिएं एक चम्मच नारियल

सर्दियों में नारियल तेल का इस्तेमाल तो आप भी किसी न किसी रूप में करते ही होंगे लेकिन क्या आपको मालूम है कि रोजाना एक महीने तक खाली पेट एक चम्मच नारियल का तेल पीना ( Coconut Oil On Empty Stomach) आपकी सेहत के लिए कितना अच्छा सौदा साबित हो सकता है? यकीन मानिए यह आर्टिकल पढ़ने के बाद आप भी इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना लें।

**नई दिल्ली।** नारियल का तेल सदियों से त्वचा, बालों और सेहत के लिए एक घरेलू उपचार रहा है। इसमें मौजूद विटामिन, हेल्दी फैट्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स इसे एक पौष्टिक तेल बनाते हैं। खासकर सुबह खाली पेट नारियल का तेल पीने से इम्युनिटी बढ़ती है, वजन कम करने में मदद मिलती है और कई मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। इतना ही नहीं, यह पाचन तंत्र को भी हेल्दी रखता है और शरीर में एनर्जी की कमी भी नहीं होने देता है। आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि रोजाना एक महीने तक नारियल तेल पीने से शरीर को क्या कुछ फायदे ( Coconut Oil Health Benefits ) मिल सकते हैं।

**क्यों खाली पेट पीना चाहिए नारियल का तेल?**

**एनर्जी रहेगी बूस्ट**

सर्दी के मौसम में हम अक्सर थकान महसूस करते हैं। ऐसे में सुबह खाली पेट एक चम्मच नारियल का तेल पीना एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। नारियल के तेल में पाए जाने वाले मीडियम चेन ट्राइग्लिसराइड्स ( एमसीटी ) शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करते हैं, जिससे आप दिनभर एनर्जेटिक महसूस करते हैं और अपनी डेली लाइफस्टाइल को आसानी से पूरा कर पाते हैं।

**वेट लॉस में मदद**

रोजाना सुबह खाली पेट एक चम्मच नारियल तेल पीने से न सिर्फ आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, बल्कि शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट भी तेजी से बर्न होने लगता है। नारियल तेल में मौजूद फैटी एसिड आसानी से पच जाते हैं और शरीर को एनर्जी देते हैं, जिससे आप पूरे दिन एनर्जेटिक महसूस करते हैं। इसके अलावा, यह भूख को कंट्रोल करके आपको ओवरईटिंग से रोकता है, जिससे वेट लॉस करना आसान हो जाता है।

**बेहतर होगा डाइजेशन**

रोजाना नारियल तेल पीना पाचन तंत्र को हेल्दी रखने का एक शक्तिशाली तरीका हो सकता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण हानिकारक बैक्टीरिया से लड़कर आपके आंतों को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। नारियल तेल पाचन क्रिया को एक्टिव करके गैस, कब्ज, सूजन और एसिडिटी जैसी आम पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने में प्रभावी साबित हो सकता है। इसके अलावा, यह शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में भी मदद करता है, जो हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद है।

**हेल्दी रहेगा हार्ट**

सुबह खाली पेट नियमित रूप से नारियल तेल का सेवन करने से हार्ट हेल्थ में सुधार हो सकता है। यह शरीर में हानिकारक कोलेस्ट्रॉल ( LDL ) के स्तर को कम करके और गुड कोलेस्ट्रॉल ( HDL ) के स्तर को बढ़ाकर दिल से जुड़ी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

**इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार**

एक महीने तक खाली पेट नारियल तेल पिएंगे तो आपकी इम्युनिटी मजबूत हो सकती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण आपके शरीर को हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं। नियमित रूप से नारियल तेल का सेवन करने से आप सर्दी-जुकाम और अन्य मौसमी बीमारियों से खुद को बचा सकते हैं और हेल्दी रह सकते हैं।

**खाली पेट कैसे पिएं नारियल का तेल?**

सुबह खाली पेट नारियल तेल का पीने के लिए हमेशा वर्जिन या कोल्ड प्रेस्ड कोकोनट ऑयल चुनें। आप रोजाना सुबह खाली एक चम्मच नारियल तेल पी सकते हैं। अगर आपको नारियल तेल को सीधे तौर पर पीने में दिक्कत हो रही है, तो आप इसे एक गिलास गुनगुने पानी में मिलाकर भी पी सकते हैं।

# बज़ट 2025 में नारी शक्ति को चिन्हित कर कार्यबल में भागीदारी की योजनाएं,स्कीम लाना समय की मांग

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर भारतीय नारी की गाथा बहुत ही सम्मानजनक रूप से गाई जाती है, क्योंकि आदि अनादि काल से ही भारतीय नारी शक्ति की अनेक मान्यता प्राप्त कहानियों कथाओं से भी हमें पता चलता है कि नारी शक्ति की शक्ति तो देवी-देवताओं को भी करनी पड़ी थी, हम तो इस कलयुग में इंसान मात्र हैं। इसलिए हमें चाहिए कि नारी शक्ति का सम्मान कर उनको कार्यबल प्रदान करें जिसको भारत के विकास में प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित कर एक फ़रवरी 2025 को आने वाले बजट में ऐसी योजनाओं स्कीमों को लाया जाना चाहिए ताकि नारी शक्ति को कार्य बल में उचित भागीदारी मिले और भारत के तेज़ी से विकसित हो रहे पथ को अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

साथियों बात अगर हाल ही में आई एक रिपोर्ट की करें तो सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। द नज इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस लक्ष्य को हासिल करने और भारतीय अर्थव्यवस्था में 14 लाख करोड़ रुपये का योगदान देने के लिए श्रमबल में 40 करोड़ अतिरिक्त महिलाएं जोड़नी होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2047 तक वर्तमान महिला श्रम बल भागीदारी दर ( एलएफपीआर ) 37 प्रतिशत को लगभग दोगुना बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने की जरूरत होगी। पिछले कुछ वर्षों के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण ( पीएलएफएस ) पर आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने 2047 तक 30 लाख करोड़ रुपये की इकोनॉमी बनने का लक्ष्य रखा है।

साथियों बात अगर हम नारी शक्ति को कार्यबल के रूप में चिन्हित करने की करें तो, हमने कई क्षेत्रों में देखे हैं कि नारी कार्यबल अपेक्षाकृत रूप से अधिक सशक्त व प्रभावी रिजल्ट देता है। हम अगर नर नारी के कार्यबल की गुणवत्ता का विश्लेषण करें तो, मेरा मानना है कि नारी बल गुणवत्ता में अधिक कुशल दिखेगा। जिसका मैंने खुद ने ग्राउंड रिपोर्टिंग कर सत्यता परखी है। मैंने अनेक शोरूम ऑफिसेस दवाखाना वकील सीए अनेक प्रोफेशनल जगह कंपनियों में वहां के प्रमुख संचालकों, मैनेजरों अधिकृत व्यवस्थापकों से बात की तो उन्होंने भी नारी कार्यबल को अपेक्षाकृत अधिक सशक्त इमानदार रेगुलर जिम्मेदार ज़वाबदेही में अवल बताया और नारी कार्यबल को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की, क्योंकि नकारात्मक आदतें नारी कार्यबल में नहीं देखने को मिलती जितनी नर कार्यबल में देखने को मिलती है। उसी तरह नेतृत्व शक्ति में भी नारी कार्यबल अधिक उच्च गुणवत्ता में अग्रणी ही है इसका उदाहरण हमें वैश्विक स्तरपर मूल भारतीय महिलाओं कल्पना चावला कमला हैरिस सहित अनेकों का नाम लिया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम 1 फ़रवरी 2025 को आने वाले बजट में नारी शक्ति कार्यबल के एंगल से देखें तो आज इसकी कार्य शक्ति बढ़ाने के लिए अधिक बजट एलोकेशन की आवश्यकता है। कुछ ऐसी योजनाएं, इंसेंटिव, छूट दी जानी चाहिए ताकि नारी कार्यबल को प्राथमिकता दिए जाने पर प्रोत्साहन मिले। वैसे भी हम अभी अनेकों निजी कंपनियों में देखते हैं कि वहां नारी कार्यबल को प्राथमिकता दी जाती है जो वर्तमान समय की जरूरत भी है अब वक्त आ गया है कि नारी शक्ति के कार्य बल को बढ़ाने आरक्षण का बंधन भी तोड़ने की ज़रूरत है और उच्च कौशल्या के आधार पर नारी कार्यबल की सेवा राजनीतिक, औद्योगिक शैक्षणिक सहित हर क्षेत्र में ली जानी चाहिए। भारतीय कौशल नारी सबपर भारी की थींम को आगे बढ़ाया जाए।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा अनेक स्थानों पर अनेक संबोधनों में उन्होंने भी,नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित किया और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को और सक्षम बनाने के साथ-साथ उसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास जारी रखने का आग्रह किया, एक मीटिंग में विचार-विमर्श वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भारत का विकास और दृढ़ता विषय पर आधारित था। अपनी टिप्पणी में कहा कि, जहां जोखिम थे, वहीं उभरता हुआ वैश्विक वातावरण डिजिटलीकरण, ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल और कृषि जैसे क्षेत्रों में नए और विविध अवसर प्रदान करता है। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को तालमेल का लाभ उठाने और लीक से हटकर सोचने की जरूरत है। उन्होंने भारत डिजिटल की सफलता की गाथा और देश भर में फिनटेक को तेजी से अपनाने, और समावेशी विकास और इसके दृढ़ संकल्प की क्षमता की सराहना की। बैठक में प्रतिभागियों ने उन तरीकों पर व्यावहारिक उपायों की पेशकश की, जिनसे भारत अपने विकास की गति को विवेकपूर्ण ढंग से बनाए रख सकता है। कृषि से लेकर विनिर्माण तक विविध विषयों पर प्रधानमंत्री के साथ विचार और सुझाव साझा किए गए। यह स्वीकार करते हुए कि अंतर्निहित वैश्विक प्रतिकूलताएं जारी रहने की संभावना है, भारत की दृढ़ता को और मजबूत करने के लिए रणनीतिक सिफारिशें भी साझा की गईं। इस बात पर सहमति कायम हुई कि अपने लचीलेपन के कारण, भारत अशांत वैश्विक मंच पर एक उज्ज्वल स्थान बनाकर उभरा है। यह सुझाव दिया गया था कि सभी क्षेत्रों में समग्र विकास के माध्यम से इस नींव पर नए सिरे से विकास पर जोर देने की आवश्यकता होगी। हर नारी अपनी प्रतिभा के साथ न्याय कर पाये , अपने अरमानो को पंख लगाने का जज्बा रखे और उन्हें पूरा करने का होंसला रखे । किसी से कोई खैरात नहीं, कोई पक्षपात नहीं,अपने बलबूते पर मंज़लि हांसिल करने माद्दा रखे।

साथियों बात अगर हम बड़ी संख्या में अभी भी महिलाओं की वर्तमान स्थिति की करें तो, वर्तमान युग में महिलाओं को मात्र भोग विलास की वस्तु बना कर रख दिया गया है। जिसका मूल काम घर में रहकर चूल्हा चौका करना तथा परिवार की देखभाल करना रह गया है। आज के समय जहां विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है वहीं दूसरी तरफ महिलाओं का कुछ ऐसा वर्ग भी है जिन्हें उनके मूल अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। इस कुप्रथा को दूर करने के लिए हर किसी को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। जब तक हम अपनी मानसिकता को नहीं बदलकर स्त्रियों को साथ नहीं लेंगे तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास मुमकिन नहीं हो पाएगा।भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था क्योंकि उसके विकास में पुरुष तथा स्त्रियों का समान प्रयास हुआ करता था। लेकिन जैसे-जैसे स्त्रियों के विकास का अनुपात कम होता गया वैसे वैसे भारत का गौरव भी धूमिल पड़ता गया।भारतीय महिलाओं का इतिहास में योगदान अप्रतिम रहा है। सिर्फ स्वाधीनता संग्राम के समय को देखा जाए तो भारतीय महिलाओं का योगदान अगणनीय ही प्राप्त होगा। स्वाधीनता संग्राम के दौरान महारानी लक्ष्मीबाई, विजयालक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, सरोजिनी नायडू, कमला नेहरु, सुचेता कृपलानी, मणीबेन पटेल अमृत कौर जैसी स्त्रियों ने आगे आकर अपना अप्रतिम योगदान दिया।

साथियों बात अगर हम महिलाओं में गॉड गिफ्टेड विशेषज्ञता की करें तो, भारतीय महिलाएँ ऊर्जावान, दूरदर्शी और सभी बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद अपने जीवन में सफलता की नई ऊँचाइयों को छूने के लिए हमेशा जोश और प्रतिबद्धता से भरी रहती हैं! भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में,हमारे लिए, महिलाएँ न केवल घर की अग्नि की देवी हैं, बल्कि आत्मा की ज्वाला भी हैं। महिलाएँ कभी हार न मानने वाली भावना का एक बेहतरीन उदाहरण हैं और अनादि काल से मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत रही हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने समाज के लिए बड़े और बेहतर उदाहरण स्थापित करने के लिए इस अवसर पर आगे बढ़ने में अकथनीय दृढ़ संकल्प और भावना दिखाई है। हम 2030 तक पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने के लिए सतत विकास लक्ष्यों ( एसडीजी ) को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई के दशक में प्रवेश कर चुके हैं। लैंगिक समानता और सभी महिलाओं और लड़कियों का सशक्तीकरण भी प्रमुख एसडीजी में से एक है। सतत भविष्य के लिए जलवायु संकट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा, और समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत मायने रखती है, जिसमें समाज के कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर विशेष जोर दिया जाता है।जो बात उन्हें हमारे लिए असली रोल मॉडल बनाती है, वह यह है कि वे उत्कृष्टता, मान्यता और सम्मान प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों में सभी बाधाओं को पार कर जाती हैं। उनके जन्मजात नेतृत्व गुण उन्हें किसी भी समाज के लिए एक संपत्ति बनाते हैं। प्रसिद्ध अमेरिकी धार्मिक नेता ब्रिघम यंग ने सही कहा कि जब आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं, तो आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं। जब आप एक महिला को शिक्षित करते हैं, तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। इसलिए, यह उचित है कि इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का विषय एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बज़ट 2025 में नारी शक्ति को चिन्हित कर कार्यबल में भागीदारी की योजनाएं,स्कीम लाना समय की मांग।भारतीय कौशल नारी सब पर भारी-आओ नारी शक्ति को भारत की सफ़लता की गाथा बनाएं।नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित करने की योजनाएं बनाना ज़रूरी है।

## कलेंडर बदलिए अपनी संस्कृति नहीं।

अपनी संस्कृति की झलक को अवश्य पढ़ें और साझा करें।

*१ जनवरी को क्या नया हो रहा है?????

* न ऋतु बदली.. न मौसम
* न कक्षा बदली... न सत्र
* न फसल बदली...न खेती
* न पेड़ पौधों की रंगत बदली
* न सूर्य चाँद सितारों की दिशा
* ना ही नक्षत्र।

१ जनवरी आने से पहले ही सब नववर्ष की बधाई देने लगते हैं। मानो कितना बड़ा पर्व हो।

नया केवल एक दिन ही नहीं कुछ दिन तो नई अनुभूति होनी ही चाहिए। आखिर हमारा देश त्योहारों का देश है।

अंग्रेजी वर्ष का नया साल १ जनवरी को और भारतीय नववर्ष (विक्रमी संवत) चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है। आईये देखते हैं दोनों का तुलनात्मक अंतरः

1. प्रकृति- एक जनवरी को कोई अंतर नहीं जैसा दिसम्बर वैसी जनवरी। वही चैत्र मास में चारों तरफ फूल खिल जाते हैं, पेड़ों पर नए पत्ते आ जाते हैं। चारों तरफ हरियाली मानो प्रकृति नया साल मना रही हो।

2. मौसम, वस्त्र दिसम्बर और जनवरी में वही वस्त्र, कंबल, रजाई, ठिठुरते हाथ पैर। लेकिन चैत्र मास में सर्दी जा रही होती है, गर्मी का आगमन होने जा रहा होता है।

3. विद्यालयों का नया सत्र- दिसंबर जनवरी मे वही कक्षा कुछ नया नहीं। जबकि मार्च अप्रैल में स्कूलों का रिजल्ट आता है नई कक्षा नया सत्र यानि विद्यालयों में नया साल।

4. नया वित्तीय वर्ष- दिसम्बर-जनवरी में कोई खातों की क्लोजिंग नहीं होती.. जबकि १ मार्च को बैंकों की (audit) क्लोजिंग होती है नए बही खाते खोले जाते हैं। सरकार का भी नया सत्र शुरू होता है।

5. कलैण्डर- जनवरी में नया कलैण्डर आता है। चैत्र में नया पंचांग आता है। उसी से सभी भारतीय पर्व, विवाह और अन्य महूर्त देखे जाते हैं। इसके बिना हिन्दू समाज जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता इतना महत्वपूर्ण है ये कैलेंडर यानि पंचांग।

6. किसानों का नया साल - दिसंबर-जनवरी में खेतों में वही फसल होती है। जबकि मार्च-अप्रैल में फसल कटती है नया अनाज घर में आता है तो किसानों का नया वर्ष और उत्साह।

7. पर्व मनाने की विधि- १ दिसम्बर की रात नए साल के स्वागत के लिए लोग जमकर शराब पीते हैं, हंगामा करते हैं, रात को पीकर गाड़ी चलने से दुर्घटना की सम्भावना, रेप जैसी वारदात, पुलिस प्रशासन बेहाल और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का विनाश। जबकि भारतीय नववर्ष व्रत से शुरू होता है पहला नवरात्र होता है। घर घर में माता रानी की पूजा होती है। शुद्ध सात्विक वातावरण बनता है।

8. ऐतिहासिक महत्त्व - १ जनवरी का कोई ऐतिहासिक महत्व नही है। जबकि चैत्र प्रतिपदा के दिन महाराज विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी संवत की शुरुआत, भगवान झूलेलाल का जन्म, नवरात्रे प्रारम्भ, ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना इत्यादि का संबंध इस दिन से है।

एक जनवरी को अंग्रेजी कलेंडर की तारीख और अंग्रेज मानसिकता के लोगों के अलावा कुछ नहीं बदला। अपना नव संवत ही नया साल है। जब ब्रह्माण्ड से लेकर सूर्य चाँद की दिशा, मौसम, फसल, कक्षा, नक्षत्र, पौधों की नई पत्तियां, किसान की नई फसल, विद्यार्थियों की नई कक्षा, मनुष्य में नया रक्त संचरण आदि परिवर्तन होते हैं, जो विज्ञान आधारित है। अपनी मानसिकता को बदलें। विज्ञान आधारित भारतीय काल गणना को पहचानें। स्वयं सोचें कि क्यों मनायें हम १ जनवरी को नया वर्ष..??? ₹एक जनवरी को कैलेंडर बदलें, अपनी संस्कृति नहीं₹

हमारा नव वर्ष 1 जनवरी को नहीं चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को है।

# 'आप की झूठी राजनीति', दिल्ली में धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किए जाने के बयान पर LG सक्सेना का जवाब

**दिल्ली में धार्मिक स्थलों को तोड़ने के आरोपों पर एलजी वीके सक्सेना ने आप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आप सांप्रदायिकता भड़काने वाली झूठी और गंदी राजनीति कर रही है। एलजी सचिवालय ने कुछ दस्तावेज भी जारी किए हैं जिनमें दिखाया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्रियों ने कई मंदिरों को तोड़ने की मंजूरी दी थी।**

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा दिल्ली में मंदिर, मस्जिद और अन्य धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किए जाने के बयानों पर एलजी वीके सक्सेना ने निशाना साधते हुए इसे सांप्रदायिकता भड़काने वाली झूठी और गंदी राजनीति करार दिया है। खबर लिखे जाने तक इस संदर्भ में आप या दिल्ली सरकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।

एलजी सचिवालय ने आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कुछ दस्तावेज भी उजागर किए। एलजी सचिवालय के अधिकारियों ने कहा कि इन दस्तावेजों में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुद आठ फरवरी 2023 को दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में नौ मंदिरों को ध्वस्त करने की सिफारिश की थी।

**'सिसोदिया ने 9 मंदिरों को तोड़ने की मंजूरी दी थी'**

दस्तावेजों में बताया गया है कि केजरीवाल और दिल्ली सरकार के तत्कालीन गृह विभाग के मंत्री मनीष सिसोदिया ने इन 9 मंदिरों को तोड़ने की धार्मिक कमेटी की सिफारिशों को मंजूरी दी थी। केजरीवाल ने जिन नौ मंदिरों को तोड़ने की मंजूरी दी, उनमें से सात मंदिर करावल नगर इलाके में स्थित थे, जबकि अन्य दो मंदिर न्यू उस्मानपुर इलाके में स्थित थे।

**'सत्येंद्र जैन ने भी आठ मंदिरों को तोड़ने की मंजूरी दी'**

इससे पहले 23 जून 2016 को दिल्ली सरकार के तत्कालीन गृह विभाग के मंत्री

सत्येन्द्र जैन ने भी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में आठ मंदिरों को तोड़ने की मंजूरी दी थी। दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि वर्ष 2016 से 2023 तक केजरीवाल और उनके मंत्रियों द्वारा कुल 24 धार्मिक ढांचों को तोड़ने की मंजूरी दी गई थी, जिनमें 22 मंदिर और केवल एक दरगाह शामिल थी।

**'धार्मिक मजारों को तोड़ने की सिफारिश को किया खारिज'**

दिलचस्प बात यह है कि सत्येन्द्र जैन ने 17 जुलाई 2017 को दो अज्ञात मजारों को तोड़ने के लिए दी गई धार्मिक कमेटी की सिफारिशों को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इनसे धार्मिक भावनाएं और संवेदनाएं आहत हो सकती हैं। हालांकि धार्मिक कमेटी ने माना था कि इन ढाचों का कोई भी ऐतिहासिक महत्व नहीं था और यहां हर सप्ताह केवल 5-10 लोग ही आते थे। फिल्मिस्तान सिनेमा से डीसीएम चौक तक ग्रेड सेपरेटर के निर्माण के लिए इन दो मजारों को हटाना महत्वपूर्ण था, जिसके लिए भूमि उत्तरी रेलवे द्वारा एमसीडी को हस्तांतरित कर दी गई थी। एलजी सचिवालय के अधिकारियों ने कहा कि प्रस्तुत तथ्यों को देखते हुए एलजी के खिलाफ आरोप लगाने वालों को अपने बयान वापस लेने चाहिए और गंदी राजनीति में शामिल होने से बचना चाहिए।

# 1993 में आखिरी बार दिल्ली की ये सीट जीती थी भाजपा, AAP को हैट्रिक लगाने का मौका






परिवहन विशेष न्यूज

**चांदनी चौक विधानसभा सीट पर कांग्रेस और आप ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने मुदित अग्रवाल को टिकट दिया है जबकि आप ने प्रहलाद सिंह साहनी के बेटे पुरनदीप साहनी को मैदान में उतारा है। भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। 2020 के विधानसभा चुनाव में आप के प्रह्लाद सिंह साहनी ने जीत हासिल की थी।**

**नई दिल्ली।** देश-विदेश में प्रसिद्ध चांदनी चौक के चुनाव परिणामों पर देशभर की निगाह रहती है, क्योंकि दिल्ली के साथ ही देश के प्रमुख कारोबारी हब के रूप में पहचान जाने वाले चांदनी चौक के चुनावी नतीजे को व्यापारियों के संदेश से जोड़ा जाता है।

हालांकि, भाजपा द्वारा अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं करने से चांदनी चौक की राजनीतिक तस्वीर धुंधली है, लेकिन कांग्रेस पार्टी व आप ने जो दांव चला हैं, उसमें दोनों ने स्पष्ट किया है कि वे पार्टी नीतियों व कार्यों के साथ कद्दावर नेताओं के विरासत की तिकड़ी के साथ चुनावी जंग लड़ेंगे।

**आप ने इन्हें दिया टिकट**

कांग्रेस पार्टी ने अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद व चांदनी चौक की राजनीति में गहरी पकड़ रखने वाले जय प्रकाश अग्रवाल के पुत्र मुदित अग्रवाल को जहां टिकट थमाया है, वहीं, आप ने पांच बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे मौजूदा विधायक प्रहलाद सिंह साहनी के पुत्र व चांदनी चौक के पार्षद पुरनदीप साहनी को चुनावी रण में उतारा है।

जहां तक इसके पहले वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों की बात करें तो उस विधानसभा चुनाव में आप ने प्रह्लाद सिंह साहनी को, कांग्रेस पार्टी ने अलका लांबा तथा भाजपा ने सुमन गुप्ता को मैदान में उतारा था, जिसमें 65.92 प्रतिशत मत लेकर प्रह्लाद सिंह साहनी विजयी रहे थे जबकि भाजपा के प्रत्याशी को उनसे आधे से भी कम 21,307 यानि कुल पड़े मत का केवल 27.6 प्रतिशत मत मिला था।

**इस सीट से जीत चुकी है अलका लांबा**

जबकि, निर्वतमान विधायक अलका लांबा को महज 3,881 मत, जो कुल पड़े मत का मात्र 5.03 प्रतिशत हिस्सा मिला था। जबकि, उसके पूर्व वर्ष 2015 में जब अलका लांबा आप की टिकट से चुनाव लड़ी थीं तब वह कुल पड़े मत का 49.35 प्रतिशत तथा कुल 36,756 मत लेकर विजयी हुई थी तथा कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़े प्रह्लाद सिंह साहनी तब तीसरे नबंर पर आए थे। वर्ष 2015 के चुनाव में भी भाजपा उम्मीदवार सुमन गुप्ता दूसरे नंबर पर रहे थे।

जो यह बताता है कि चांदनी चौक बराबर सत्ता के साथ चलती रही है। आम आदमी पार्टी (AAP candidate) के राजनीतिक प्रार्दुभाव से पहले जब दिल्ली में शीला की सरकार थी तब 1998 के चुनाव से लगातार तीन बार प्रह्लाद सिंह साहनी ने कांग्रेस पार्टी से जीत दर्ज की थी।

वर्ष 2013 के भी चुनाव में वह जीते थे, लेकिन तब कांग्रेस पार्टी कमजोर होकर सत्ता से बाहर हुई और आम आदमी पार्टी दिल्ली की राजनीति में कांग्रेस पार्टी के सहयोग से ही सत्ता में काबिज हुई। वहीं, यहां से आखिरी बार वर्ष 1993 में राम मंदिर आंदोलन की लहर में भाजपा से वासदेव कप्तान ने चुनाव जीता था। उसके बाद से 31 साल से भाजपा चांदनी चौक से बाहर है।

**विधानसभा क्षेत्र में 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता मुस्लिम**

वैसे, इस बार के चुनाव में आप के उम्मीदवार पुरनदीप साहनी के लिए राह आसान नहीं होगी, क्योंकि पिता -पुत्र की जोड़ी के विधायक-पार्षद होने के चलते सत्ता विरोधी रूझान का डर है, दूसरे इस बार मुस्लिम मतदाताओं में अपेक्षाकृत मजबूत प्रत्याशी के साथ कांग्रेस पार्टी की घुसपैठ का प्रयास तेज है।

इमामों और मुअज्जिन के 18 माह से बकाया वेतन की मांग को दिल्ली सरकार द्वारा गंभीरता से न लेने के साथ ही आप द्वारा पुजारियों तथा ग्रंथियों को सम्मान राशि देने की चुनावी घोषणा को मुस्लिम इलाकों में अच्छे रूप में नहीं लिया जा रहा है।

जबकि, इस विधानसभा क्षेत्र में 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता मुस्लिम हैं। इस बार उनका झुकाव कांग्रेस पार्टी की ओर अधिक हो सकता है। वैसे, आप और कांग्रेस पार्टी की जोरदार टक्कर में फायदा भाजपा का भी हो सकता है। फिलहाल उसके पत्ते नहीं खुले हैं।

# भाजपा पूर्वांचलियों को बांग्लादेशी-रोहिंग्या कहकर अपमानित करना बंद करे, हम इनका वोट काटने नहीं देंगे- संजय सिंह

सुषमा रानी

**नई दिल्ली,** दिल्ली में वर्षों से रह रहे पूर्वांचल समाज के लोगों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या बताकर उनका वोट कटवाने की कोशिश कर रही भाजपा को आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर सख्त चेतावनी दी है। ₹आप₹ के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा पूर्वांचल समाज के लोगों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या कहकर अपमानित करना बंद करे। हम किसी भी हाल में पूर्वांचल के लोगों का वोट काटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूर्वांचलियों को रोहिंग्या बताकर शाहदरा में 11 हजार, जनकपुरी में 4,874, तुगलकाबाद में 2,435, पालम में 1,641, करवाल नगर में 3,260 समेत कई विधानसभाओं में हजारों वोट कटवाने की एप्लिकेशन दी है। साथ ही, नई दिल्ली विधानसभा में रह रही मेरी धर्मपत्नी का वोट भी कटवाने की एप्लिकेशन दी है और कह रही है कि उनका सुल्तानपुर में भी वोट है। डिजिटल इंडिया की बात करने वाली भाजपा से कहना चाहता हूं कि वह सुल्तानपुर की वोटर लिस्ट को चेक कर ले। वहां मेरे माता-पिता के अलावा किसी का वोट नहीं है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि पूरी दुनिया में झूठ फैलाने में माहिर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और उनके केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुबह से कुछ झूठ फैलाने की कोशिश की है। आम आदमी पार्टी के तौर पर हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम भारतीय जनता पार्टी के हर एक झूठ का जवाब दें। भाजपा के राष्ट्रीय नेता से लेकर प्रदेश नेता तक कान खोलकर सुन लें, हम दिल्ली में किसी पूर्वांचली का वोट नहीं कटने देंगे। दिल्ली में 30-40 साल से जो हमारे यूपी, बिहार और पूर्वांचल के लोग रह रहे हैं, जिन्होंने अपने श्रम और परिश्रम से दिल्ली को बनाने का काम किया, अगर भाजपा सोचती है कि उनका वोट कटवा लेगी, तो आम आदमी पार्टी ऐसा कतई नहीं होने देगी। जब हमने भाजपा को एक्सपोज कर दिया, तो आज ये लोग हास्यास्पद आरोप लगा रहे हैं कि आम आदमी पार्टी वाले वोट बढ़वा और कटवा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आज फिर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने हास्यास्पद बात की। और पता नहीं क्यों वह योगी जी से नाराज हैं? आज अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ बोल रहे हैं। भाजपाइयों का पढ़ाई-लिखाई से कोई वास्ता नहीं है। इन्हें कोई जानकारी नहीं। भाजपा वालों को सुबह उठकर केवल एक ही चीज सिखाई जाती है कि झूठ बोलने का काम कैसे करना है। मैंने बताया था कि मेरी पत्नी अनीता सिंह ने अपना वोट कटवाने के लिए 4 जनवरी 2024 को सुल्तानपुर के जिला निर्वाचन आयोग के कार्यालय में दिया।

संजय सिंह ने सुल्तानपुर की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि यह लिस्ट मैं वीरेंद्र सचदेवा, उनकी पार्टी और मोदी को भेंट कर रहा हूं जो डिजिटल इंडिया की बात करते हैं। ये लोग जाकर खुद सुल्तानपुर की वोटर लिस्ट भी चेक करें। इसमें मेरी माता जी राधिका सिंह और पिता जी दिनेश सिंह का नाम है। इसके अलावा इस लिस्ट में न मेरा नाम है और न मेरी पत्नी का नाम है। मैंने सुल्तानपुर के उस पूरे बूथ की वोटर लिस्ट मंगा ली है। भाजपा के लोग इस वोटर लिस्ट में मेरा और मेरी पत्नी का नाम ढूंढ कर दिखाएं। जब हमने लिखकर आवेदन दे दिया। मेरी पत्नी ने 4 जनवरी 2024 को आवेदन दिया है और मैंने 2013 में सुल्तानपुर के जिला निर्वाचन आयोग के कार्यालय में आवेदन दिया कि हमारा वोट काट दिया जाए। नगर पालिका का चुनाव राज्य निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में होता है। ये लोग कह रहे हैं कि 2018 के नगर पालिका चुनाव में मेरा नाम था। लेकिन नगर पालिका की सूची तो योगी के कर्मचारी तैयार करते हैं। जाकर देखो, उनसे बात करो। जब मैंने सूचना दे दी कि आप मेरा नाम यहां से काट दीजिए। मैंने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी। इसके बाद अगर नगर पालिका की वोटर लिस्ट में मेरा नाम था, तो इसे देखना और इसकी जिम्मेदारी उस कर्मचारी की है, जो वोटर लिस्ट तैयार करता है। भाजपा के नेताओं में इतनी सामान्य समझ तो होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों का वोट काटने नहीं देंगे। भाजपा वाले इन्हें बांग्लादेशी और रोहिंग्या कहकर अपमानित करना बंद करें। भाजपाइयों को हम पूरी दुनिया और देश के सामने एक्सपोज कर चुके हैं। हमने इनका चुनावी घोटाला पकड़ा है। भाजपा के लोग दिल्ली में वोट कटवाकर चुनाव जीतना चाहते थे, लेकिन उन मनसूबों पर पानी फिर गया है। इसलिए अब विचलित होकर ये लोग कुछ भी बोल रहे हैं। लेकिन इन सबसे कोई फायदा नहीं होने वाला है।

# केजरीवाल के बाद अब आतिशी को घेरने की तैयारी, इस तेजतर्रार नेता को टिकट देगी कांग्रेस; आलाकमान से भी हो गया फैसला

परिवहन विशेष न्यूज

कांग्रेस ने दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को कड़ी टक्कर देने की तैयारी कर ली है। पार्टी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतारने के बाद अब मुख्यमंत्री आतिशी को उनके गढ़ में ही घेरने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से आतिशी का मुकाबला करने के लिए अलका लांबा को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है।





**नई दिल्ली।** नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के सामने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतारने के बाद कांग्रेस ने अब मुख्यमंत्री आतिशी को भी उनके गढ़ में ही घेरने की तैयारी कर ली है। बता दें, कांग्रेस ने दिल्ली चुनाव को लेकर दो सूची जारी कर चुकी है।

कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से आतिशी का मुकाबला करने के लिए पार्टी अपनी दिग्गज और तेज तर्रार नेत्री अलका लांबा को उम्मीदवार बनाने जा रही है। अलका इस वक्त अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष हैं तो पूर्व में चांदनी चौक से विधायक भी रह चुकी हैं।

**अलका को टिकट देने का निर्णय उच्च स्तर**

विश्वस्त पार्टी सूत्रों के मुताबिक कालकाजी से अलका को टिकट देने का निर्णय उच्च स्तर पर हो चुका है। अब सिर्फ औपचारिक घोषणा होना शेष है। बहुत जल्द पार्टी के शेष बचे 23 उम्मीदवारों के साथ ही उनके नाम की भी घोषणा कर दी जाएगी। याद रहे कि 70 में से 47 उम्मीदवारों की घोषणा पार्टी पहले ही कर चुकी है। जंगपुरा विधानसभा से से पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के सामने कांग्रेस पहले ही पूर्व महापौर फरहाद सूरी को मैदान में उतार चुकी है।

**विरोध के चलते दूसरी सूची में नाम शामिल नहीं**

सूत्रों की मानें तो अलका लांबा के नाम की घोषणा दूसरी सूची में ही हो जाती, लेकिन स्थानीय स्तर पर इस निर्णय के प्रति हुए कुछ विरोध के चलते इसे रोक दिया गया था। बाद में पार्टी के निर्णय के आगे इस विरोध को दरकिनार और खारिज कर दिया गया।

पार्टी चाहती है कि कालकाजी से अलका लांबा को मैदान में उतारा जाए। ऐसे में किसी भी तरह के विरोध की कहीं कोई गुंजाइश ही नहीं रह जाती। जल्द ही उनका नाम घोषित कर दिया जाएगा। -देवेंद्र यादव, अध्यक्ष, दिल्ली कांग्रेस

यह सही है कि मुझे कालकाजी से चुनाव लड़ने को कहा गया है। स्वयं राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुझे यह नई जिम्मेदारी सौंपी है। मेरे लिए पार्टी का निर्णय सर्वोपरि है। नववर्ष पर कालका जी मंदिर में माता रानी के दर्शन कर मैंने अपनी इस नई जिम्मेदारी का निर्वहन करना भी शुरू कर दिया है। -अलका लांबा,

# भाजपा का दलित सम्मान सम्मेलन में केजरीवाल सरकार को उखाड़ फेंकने का ऐलान : अर्जुन राम मेघवाल

सुषमा रानी




**नई दिल्ली** / शादीपुर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से दलित सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें एक विशाल जनसभा में मुख्य अतिथि - केंद्रीय कानून मंत्री भारत सरकार अर्जुन राम मेघवाल जी, ने बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही दलितों पिछड़ों को उपेक्षित रखा और उनका तिरस्कार किया है भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा ही दलितों का सम्मान किया है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सम्मान किया है भगवान वाल्मीकि का सम्मान किया है और हमारे गुरु रविदास जी का सम्मान किया है परंतु कांग्रेस ने हमेशा ही दलित ऑन को उपेक्षित रखा है अब समय आ गया है कि दिल्ली से केजरीवाल सरकार को उखाड़ फेकने का इस केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की जनता को दोनों हाथों से लूट है और बर्बाद किया है दिल्ली की भोली-भारी जनता को हर चीज मुफ्त की जुमले बाजी कर गुमराह किया है दिल्ली में कुछ भी फ्री नहीं मिल रहा है ना ही बिजली न ही पानी आज केजरीवाल सरकार भ्रष्टाचार में पूरी तरह लिप्त हो चुकी है उनके मंत्री विधायक सब जेल में है यह सरकार टिकाऊ नहीं है जेल में बैठकर यह लोग सरकार चला रहे हैं जमानत पर बाहर हैं इनका कभी भरोसा नहीं कभी यह लोग अंदर जेल में चले जाएं*

इस मौके पर दिल्ली प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा ने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने जो झाड़ू वाल्मीकि समाज की सफाई करने के काम आती है उसको अपना चुनावी निशाना बनाकर वाल्मीकि समाज को गुमराह किया परंतु आज वाल्मीकि समाज जाग उठा है इस बार दिल्ली विधानसभा के चुनाव में केजरीवाल सरकार से वाल्मीकि समाज अपनी झाड़ू छीन लेगा और उसको सत्ता से बाहर निकल फेंकेगा आज दिल्ली में सर्वाधिक जनसंख्या दलित भाइयों की और वाल्मीकि समाज की है परंतु दलित समाज इस धोखे में रहा कि शायद केजरीवाल हमारा मसीहा होगा परंतु केजरीवाल वह उसके मंत्रियों ने दोनों हाथों से दलितों को लूटा है दिल्ली में दलित सफाई कर्मचारियों को समय से ना तो तनख्वाह रही हैं और ना ही उनको समय पर पक्का किया जा रहा है दलालों द्वारा पक्के किए जाने सफाई कर्मचारियों दलितों को केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचारी रिश्वतखोर नेता ठगा जा रहा है आज दिल्ली में सफाई कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जा रहा है उनका शोषण किया जा रहा है*

इस मौके पर अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मीनाक्षी सूद ने बोलते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में वाल्मीकि समाज और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नाम पर एक भी स्मारक नहीं बनाया हमारे भाजपा सरकार ने हमारे दलित समाज के धार्मिक स्थलों को बनाए हैं और उनका सम्मान किया है केजरीवाल सरकार हमेशा ही झूठ बोलते आई है केजरीवाल सरकार ने हमेशा ही तूष्टि कारण आपस मे भेद भाव की राजनीति की है जबकि भाजपा ने सभी को लेकर चलने और दलितों पिछड़ों के विकास के लिए कार्य किया है*

इस मौके पर अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहनलाल गिहारा, प्रदेश महामंत्री लाजपत राय पूर्व अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष रमेश कुमार* *राम कुमार वर्मा पूर्व राज्यसभा सांसद पटेल नगर नगर प्रभारी तथा राजू चंदेल मीडिया सह प्रमुख कार्यक्रम जिला करोल बाग के जिला मीनाक्षी सूद के सौजन्य से किया गया*

*हरीश गिल संजू संगत किशोर कुमार मीना कुमार सरोज वोहित* *राम कुमार वर्मा प्रवासी प्रभारी* *सोमनाथ वाल्मीकि शैलेंद्र सिंह अंजू जाटव रीना रानी एवम बूथ प्रबंधन संयोजक करोल बाग शादीपुर पटेल नगर मण्डल जिला करोल बाग दिल्ली प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा की तमाम टीम आदि ने बढ़-चढ़कर के हिस्सा लिया।

# फिक्की ने गरीब व जरूरतमंद 400 से अधिक रोगियों का किया निःशुल्क इलाज

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** फेंस इस्लामिक कल्चरल कम्यूनिटी इंटीग्रेशन (फिक्की) द्वारा फ्री मेगा हैल्थ चैकअप कैम्प एवं दवाईयां वितरण कार्यक्रम का आयोजन आराम पार्क इलाके में किया गया। इस अवसर पर फिक्की द्वारा संचालित हार्मनी चैरिटेबल हैल्थ सेंटर का उद्घाटन गाजीपुर मुर्गा मछली मंडी दिल्ली सरकार के चेयरमैन भाई मेहरबान कुरैशी के हाथों किया गया। फिक्की के संस्थापक चेयरमैन डॉक्टर मुश्ताक अंसारी के नेतृत्व में आयोजित इस समाज सेवा के कार्यक्रम में क्षेत्रीय निगम पार्षद राजू सचदेवा, सफ़दर जंग हॉस्पिटल यूनानी विभाग के फार्मर डायरेक्टर डॉक्टर सैयद अहमद खान, कृष्णा नगर विधानसभा से आप प्रत्याशी विकास बग्गा ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। इसके अलावा फिक्की के पदाधिकारी साजिद अहमद, हाजी शाहनवाज़, हाफिज सलीम अहमद, ऑल इंडिया एजूकेशन मुमेंट के सचिव मौहम्मद इलयास, शेर खान मलिक, सलीम मलिक, सैय्यद फरहत अली, नदीम सैफ़ी, आराम पार्क आर-डब्लू-ए-अध्यक्ष जावेद अनवर समानी, महासचिव मौहम्मद जावेद, सोनम बेकर्स के डायरेक्टर हाजी रियाजुद्दीन अंसारी, सीनियर जर्नलिस्ट मारूफ रज़ा, मुस्तकीम खान, जावेद रहमानी, समाज सेवी शकील अंजुम, आराम पार्क जनहित विकास समिति के अध्यक्ष ऐजाज़ हाशमी, दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सुखविंदर सिंह बब्बर, पुलिस पब्लिक डिस्पेंसरी के इंचार्ज करन सिंह मेहरा, मॉडल एक्ट्रेस अतिका खान, डॉक्टर डब्लू आर- सूरी, डॉक्टर सलमा सैफी, डॉक्टर इरा रिज़वी, हकीम आफ़ताब आलम आदि गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

इस मौक़े पर फिककी के संरक्षक भाई मेहरबान कुरैशी ने कहा कि हम लोग लम्बे अर्से से स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। अब हमने हैल्थ सेवाओं का विस्तार करते हुए हार्मनी चैरिटेबल हैल्थ सेंटर गरीब व जरूरतमंदों के लिए शुरू किया गया है। इस हैल्थ सेंटर से क्षेत्रवासियों को निःसंदेह लाभ मिलेगा। फिक्की के चेयरमैन डॉ0 मुश्ताक अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस हैल्थ कैम्प में मेट्रो अस्पताल और कैंसर संस्थान प्रीत विहार तथा डॉ0 श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल दरियागंज के चिकित्सकों ने निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं इसके अलावा डॉक्टर खालदा हनीफ, डॉक्टर कमरूल हक़, डॉक्टर विजय जायसवाल, डॉक्टर अंजारूल हक, डॉक्टर अफशां तबस्सुम, डॉक्टर रेहाना आदि ने भी रोगियों के स्वास्थ्य की जांच की। फिक्की के उपाध्यक्ष साजिद अहमद ने बताया कि इस मैगा हैल्थ कैम्प में 400 से अधिक रोगियों की स्वास्थ्य जांच की गई और दवाईंया भी निःशुल्क मुहैया कराई गई। इस आयोजन की सफलता में फिक्की की फाइनेंस डायरेक्टर शबाना अजीम, डॉक्टर बिलाल अंसारी, जैनब अंसारी, उज़मा अंसारी, नरेंद्र सिंह, शहाना अंसारी, शहनाज़ अख़्तर, हुमा खान, चौधरी मुमताज अली चिश्ती, राजा भार्गव व मौ० आसिफ की कड़ी मेहनत रही।

# 30 गांव के चारों ओर बनेगी पेरीफेरल रोड, सर्वे कर रहा है प्राधिकरण

नोएडा में आबादी निस्तारण के साथ 30 गांवों की सीमा का निर्धारण होगा। इसके लिए हर गांव के चारों और एक पेरीफेरल रोड बनेगी। इस पेरीफेरल रोड के बाहर सेक्टर होंगे। आबादी का निस्तारण वर्ष 2011 आबादी विनियमावली के तहत ली सेटेलाइट इमेज से होगा। आगे इस रिपोर्ट में विस्तार से पढ़िए आखिर नोएडा के लोगों को और क्या-क्या फायदा होगा।

**नोएडा।** नोएडा में आबादी निस्तारण के साथ 30 गांवों की सीमा का निर्धारण होगा। इसके लिए हर गांव के चारों ओर एक पेरीफेरल रोड बनेगी। इस पेरीफेरल रोड के बाहर सेक्टर होंगे।

**पांच-पांच गांवों का सर्वे करा रहा प्राधिकरण**

आबादी का निस्तारण वर्ष 2011 आबादी विनियमावली के तहत ली सेटेलाइट इमेज से होगा। हालांकि, वर्ष 2011 व 2024 के गांवों में सीमा डेढ़ से दो गुना तक बढ़ गई है। इसके लिए प्राधिकरण पांच-पांच गांवों का सर्वे करा रहा है।

**शासन स्तर पर विचाराधीन है प्रस्ताव**

बताया गया कि सर्वे पूरा होने के साथ पेरीफेरल बनाने का काम होगा। नोएडा में सर्वाधिक समस्या आबादी निस्तारण की है। आबादी निस्तारण के लिए प्रति व्यस्क का दायरा 450 मीटर था, जिसे बढ़ाकर हाइपावर कमेटी ने अब 1,000 वर्ग मीटर प्रति व्यस्क कर दिया है। प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है।

इसी अनुसार, प्राधिकरण गांवों का सर्वे कर रहा है। अब तक 30 गांव चिह्नित हैं, जिनके चारों ओर पेरीफेरल बनेगी। इन गांवों का सर्वे सर्किल ने कर इसकी रिपोर्ट भूलेख विभाग को दी है।

**इससे गांवों की आबादी होगी निस्तारित**

नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि नोएडा के पुराने गांवों के चारों ओर पहले ही सेक्टर विकसित है। वहां पेरीफेरल बनाने की कोई जरूरत नहीं है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे व विकसित हो रहे नए सेक्टर के पास मौजूद गांवों में पेरीफेरल की जरूरत है, जो बनेगा। इससे गांवों की आबादी निस्तारित होगी।

वहीं, किसानों की मांग के अनुरुप गांवों का विकास भी होगा। नोएडा में 81 गांवों का सर्वे हो रहा है। इसके तहत भूलेख विभाग अधिकारी व कर्मचारी रोजाना एक्सप्रेसवे से जुड़े गांव जा रहे है। हाल ही में शाहपुर गोवर्धन व झट्टा गांव का सर्वे हुआ। नोएडा प्राधिकरण ने इसी तरह पांच गांव चिह्नित किए हैं।

**विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी**

बता दें कि किसान संगठनों की मांग पर शासन ने 21 फरवरी को उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद चेयरमैन की अध्यक्षता में मंडलायुक्त मेरठ व जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर की समिति गठित की थी। इस समिति की ओर से 27 अगस्त को अपनी विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी। समिति की आख्या/अनुशंसाओं के क्रियान्वयन को शासन ने एक दिसंबर को समिति गठित की है।

समिति ने किसानों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में मुख्य कार्यपालक अधिकारी की ओर से भूलेख विभाग, वर्क सर्किल व नियोजन विभाग को गांवों का सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आबादी व पेरीफेरल के संबंध में सर्वे हो रहा है।

# कोहरे का कहर, क्लास 1 से आठ तक के स्कूल रहेंगे बंद; डीएम ने दिया आदेश

नोएडा में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के चलते कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूलों में 3 जनवरी से छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। स्कूलों में अवकाश के निर्देश जिलाधिकारी के अगले निर्देश तक लागू रहेंगे। नियम के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

**ग्रेटर नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर के कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों में शुक्रवार से अवकाश रहेगा। कड़ाके की सर्दी और कोहरे के कारण स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने इस संबंध में सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य को पत्र भेज कर निर्देश दिए हैं।

बीएसए के मुताबिक, स्कूलों में अवकाश घोषित करने के संबंध में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने निर्देश दिए हैं। बताया कि पिछले कुछ दिनों से लगातार सर्दी बढ़ रही है। इसके साथ ही सुबह के समय में घना कोहरा भी पड़ रहा है। ऐसे में सुबह स्कूल आने वाले बच्चों को परेशानी होगी।

**कड़ी कार्रवाई की चेतावनी**

इसमें बताया गया यह निर्देश यूपी बोर्ड, सीबीएसई, आइसीएसई और आइबी आदि बोर्ड के अंतर्गत संचालित स्कूलों पर लागू हैं। इसमें बताया गया कि निर्देशों को नजरअंदाज कर यदि कोई अवकाश के दिन स्कूल खोल कर कक्षाओं का संचालन करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इसमें बताया गया कि जिलाधिकारी के अगले निर्देश तक स्कूलों में अवकाश के निर्देश दिए गए हैं।

**नोएडा में बढ़ा शीतलहर का प्रभाव**

बता दें, नोएडा में लगातार काम होते तापमान के बीच हवा की गति ने शीतलहर का प्रभाव बढ़ा दिया है। बृहस्पतिवार को जहां 12 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली तो वायुमंडल में फैले प्रदूषण के कारण भी तेजी से नीचे गिरने लगे। शीतलहर के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और डॉक्टर अलर्ट हो गए हैं।

जिला पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. अमित कुमार ने सभी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों को समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी के साथ बैठक कर नियमों की जानकारी भी दी है। उधर, शहर का प्रदूषण स्तर औसत श्रेणी में 140 के आसपास बना है, जबकि ग्रेटर नोएडा की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में है।

## बने बनाए मकान पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर, जांच में हुआ बड़ा खुलासा

सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बनाए गए मकान को नगरपालिका की टीम ने बृहस्पतिवार को ध्वस्त कर दिया। यह निर्माण मंदिर के सामने था। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कराने के लिए अधिकारियों से शिकायत की थी। जिसपर कार्रवाई करते हुए नगरपालिका ने बृहस्पतिवार को जमीन कब्जामुक्त करा ली।

**मोदीनगर (गाजियाबाद)।** सुचेतापुरी कॉलोनी में सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बनाए गए मकान को नगरपालिका की टीम ने बृहस्पतिवार को ध्वस्त करा दिया। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। यह निर्माण मंदिर के सामने था। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कराने के लिए अधिकारियों से शिकायत की थी। जिसपर कार्रवाई करते हुए नगरपालिका ने बृहस्पतिवार को जमीन कब्जामुक्त करा ली।

**सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाया था मकान**

सुचेतापुरी कॉलोनी में मंदिर के सामने दूसरे समुदाय के व्यक्ति ने सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके मकान बना रखा था। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने इस संबंध में एसडीएम मोदीनगर व नगरपालिका ईओ से शिकायत की थी।

जिसपर जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि यह जमीन सरकारी है। इसपर अवैध तरीके से कब्जा किया गया है। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों का आरोप था कि व्यक्ति नानवेज के अवशेष खुले में फेंक देता था।

**अवैध निर्माण को किया ध्वस्त**

जिससे लोगों की आस्था को ठेस पहुंच रही थी। मामले में स्पष्ट हुआ कि यह जमीन नगरपालिका की है।

# पास/फेल की बजाय समग्र विकास/जीवन कौशल की नीतियां बनाएं

नो डिटेंशन पॉलिसी के तहत कक्षा 1 से 8 तक के किसी भी छात्र को फेल नहीं किया जा सकता था। हालांकि अब इन छात्रों को फेल किया जा सकेगा। साथ ही फेल छात्रों को 2 महीने के भीतर फिर से परीक्षा का अवसर मिलेगा। अगर इसमें भी फेल होते हैं तो उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। शिक्षा के अधिकार अधिनियम की नो-डिटेंशन पॉलिसी के अनुसार, किसी भी छात्र को तब तक फेल या स्कूल से निकाला नहीं जा सकता, जब तक वह कक्षा 1 से 8 तक की प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर लेता। लेवल 8 तक के सभी विद्यार्थियों को स्वचालित रूप से अगली कक्षा में पदोन्नत कर दिया जाएगा। नीति का मुख्य बिंदु यह है कि कक्षा 8 तक, पारंपरिक अर्थों में कोई ₹परीक्षा₹ नहीं होती है। समय की मांग है कि सभी पक्षों को अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए, और अब समय आ गया है कि शेष मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रयास किए जाएं।

**-प्रियंका सौरभ**

कक्षा 5 और 8 में छात्रों के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को ख़त्म करना भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत शुरू की गई इस नीति का उद्देश्य छात्रों की असफलता को रोककर शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना था। हालाँकि, सीखने के परिणामों में गिरावट की चिंताओं के साथ, संशोधन अकादमिक सुधार पर ज़ोर देकर पहुँच और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। नो-डिटेंशन पॉलिसी को ख़त्म करने से यह सुनिश्चित होता है कि छात्र शिक्षा प्राप्त करना जारी रखें, भले ही वे अकादमिक रूप से संघर्ष करते हों, जिससे सार्वभौमिक पहुँच के सिद्धांत को बल मिलता है। जिन छात्रों को असफलता के कारण निष्कासित कर दिया जाता था, उन्हें अब परीक्षा फिर से देने और सुधारात्मक सहायता प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

असफल छात्रों को रोककर, नीति सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही को प्रोत्साहित करती है, जबकि अभी भी शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच को प्राथमिकता देती है। कक्षा 5 में असफल होने वाले छात्रों को अब अगली कक्षा में जाने से पहले सुधार करने का मौका मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे पीछे न छूट जाएँ। नीति में सुधारात्मक निर्देश के प्रावधान शामिल हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी छात्र शैक्षणिक संघर्ष के कारण शिक्षा से वंचित न रहे, न्यायसंगत पहुँच को बढ़ावा दिया जाता है। उदाहरण के लिए: कक्षा 5 में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों को विशेष सहायता और पुनः परीक्षा के अवसर मिलते हैं, जिससे उन्हें शिक्षा प्रणाली में बने रहने में मदद मिलती है। माता-पिता संघर्षरत छात्रों की पहचान करने और प्रगति की निगरानी करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी बच्चों को, चाहे उनका प्रदर्शन कैसा भी हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो।

माता-पिता शिक्षकों के साथ नियमित संचार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि शैक्षणिक विफलता के कारण कोई भी बच्चा अनदेखा न हो। नीति का उद्देश्य छात्रों को सफल होने के कई अवसर देकर उन्हें शिक्षा प्रणाली में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करके उन्हें स्कूल छोड़ने से रोकना है। नीति परिवर्तन के बाद, कक्षा 8 में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों को परीक्षा में बैठने का एक और मौका दिया जाता है, जिससे स्कूल छोड़ने की दर कम हो जाती है। नीति परिवर्तन स्कूलों को उन छात्रों की पहचान करने के लिए प्रेरित करता है जिन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है, सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए अधिक अनुकूलित दृष्टिकोण पर ज़ोर देता है। केंद्रीय विद्यालयों में, संघर्षरत छात्रों को अब सीखने के अंतराल को दूर करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग प्रदान की जाती है, जिससे बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन सुनिश्चित होता है।

पुनः परीक्षा प्रणाली रटने के बजाय योग्यता-आधारित परीक्षणों पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों के सीखने के परिणाम अधिक सार्थक और प्रभावशाली हों। सैनिक स्कूलों में, हाल ही में लागू की गई योग्यता-आधारित परीक्षाएँ व्यावहारिक ज्ञान का आकलन करती हैं, जिससे छात्र तथ्यों को याद करने के बजाय मूल अवधारणाओं को समझने में सक्षम होते हैं। नीति यह सुनिश्चित करके समग्र विकास को बढ़ावा देती है कि असफल छात्रों को शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत ध्यान मिले। दिल्ली सरकार के स्कूलों में, संघर्षरत छात्रों को समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक सुधार के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक समर्थन भी मिलता है। शिक्षक अब सीखने के अंतराल की पहचान करने और उसे दूर करने के लिए ज़िम्मेदार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे प्रत्येक छात्र की प्रगति में अधिक निवेश करें।

कक्षा शिक्षक अब प्रगति रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और विषयों में संघर्ष करने वाले छात्रों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करते हैं, जिससे लक्षित हस्तक्षेप रणनीतियाँ बनती हैं। पास होने के लिए कई मौके देकर, नीति विफलता के कलंक को कम करती है, छात्रों को लगे रहने और सुधार करने के लिए प्रेरित करती है। जो छात्र पहले असफल हुए थे, वे कलंक के जोखिम में थे, लेकिन अब उन्हें दूसरा मौका दिया गया है, जिससे ड्रॉपआउट दर कम हुई है और दृढ़ता की सुविधा मिली है। नो-डिटेंशन पॉलिसी को ख़त्म करने से बेहतर सीखने के परिणामों के साथ सार्वभौमिक पहुँच का संतुलन बना रहता है। जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ज़ोर देकर, यह शिक्षण और मूल्यांकन में सुधार ला सकता है। हालाँकि, इस बदलाव को सफल बनाने के लिए शिक्षकों के बेहतर प्रशिक्षण, सुधारात्मक सहायता और छात्रों के आधारभूत कौशल को मज़बूत करने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

देश में शिक्षा की निम्न गुणवत्ता के मूल कारणों को संबोधित करने के बजाय, पूरा ध्यान पास/फेल प्रणाली को फिर से लागू करने पर है। समय की मांग है कि सभी पक्षों को अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए, और अब समय आ गया है कि शेष मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रयास किए जाएं। परिणामस्वरूप, नीति में नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए उपयुक्त समायोजन के साथ संशोधन किया जाना चाहिए, या इसे एक नए, अधिक संतुलित दृष्टिकोण से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। मुख्य लक्ष्य बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना और उन्हें जीवन कौशल प्रदान करना होना चाहिए।

# दो पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, रिश्वत लेते वीडियो वायरल होने पर किए गए सस्पेंड

सोशल मीडिया पर गाजियाबाद के दो पुलिसकर्मियों का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो लोनी एसीपी कोर्ट का बताया जा रहा है। वीडियो के आधार पर जांच के आदेश दिए गए। जांच के बाद मामला सही पाया गया और दोनों पुलिसकर्मियों को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण ने निलंबित कर दिया। आगे भी इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

**लोनी।** सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को दो पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ। वीडियो लोनी एसीपी कोर्ट का बताया जा रहा है। वीडियो के आधार पर दोनों पुलिसकर्मियों को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण ने निलंबित कर दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

इंटरनेट मीडिया के प्रसारित वीडियो बृहस्पतिवार को वीडियो प्रसारित हुआ। वीडियो में दिख रहे दो पुलिसकर्मी एक व्यक्ति से कुछ लेकर दराज में डालते हुए दिख रहे हैं। दावा किया गया कि यह रिश्वत ले रहे हैं। वीडियो सहायक पुलिस आयुक्त लोनी की कोर्ट का बताया गया। प्रसारित वीडियो 13 नवंबर और 16 नवंबर 2024 की बताया जा रहा है।

**मामला संज्ञान में आते ही जांच की गई**

मामला पुलिस के अधिकारियों तक पहुंचा तो सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार ने जांच कर रिपोर्ट आलाधिकारियों को भेजी। मामले में हेड कांस्टेबल विपिन और दिनेश यादव निलंबित कर दिया गया ।इसी जांच कराई जा रही है। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। दोनों पुलिस हेड कांस्टेबल को वीडियो की जांच की जा रही है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

**दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर के घर चोरी**

बार्डर थाना क्षेत्र की लक्ष्मी गार्डन कॉलोनी के एक युवक ने लाखों की ज्वेलरी चोरी का आरोप लगाते हुए कालोनी के एक युवक के खिलाफ तहरीर देकर पुलिस से शिकायत की है। लक्ष्मी गार्डन कालोनी निवासी सूरज अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके पिता प्रताप सिंह दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर है। परिवार में मां अनीता व भाभी हैं। वह बाबा गारमेंट के नाम से रेडीमेड गारमेंट की दुकान चलाते हैं। पीड़ित ने बताया कि 30 दिसंबर की देर शाम घर में मां व भाभी थी। भाभी किसी काम से पड़ोस में गई हुई थी।

**लाखों की ज्वेलरी गायब मिली**

मां मंदिर में पूजा के लिए गई थी। इसी दौरान सूना घर देख पड़ोस का लड़का घर में घुसा और आलमारी में रखे सोने के दो हार, चार सोने की चूड़ी, चार अंगूठी, एक मंगलसूत्र, एक जोड़ी पाजेब, दो चेन, एक सांई बाबा का पेंडल, कानों के कुंडल चोरी कर फरार हो गया। स्वजन ने जब आलमारी को देखा तो सामान इधर उधर पड़ा देख स्वजन के होश उड़ गये। आलमारी के अंदर देखा तो लाखों की ज्वैलरी गायब मिली।

# संघर्ष जीवन का मूल मंत्र है : संघर्ष ही जीवन है - आओ चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी की प्रेरणा लेकर अपना जीवन सवारें

**एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी**

- मानव जीवन में संघर्ष, मेंहनत, कौशलता यह तीन अस्त्र ऐसे हैं जो जीवन की सफ़लता के मूल मंत्र हैं इन तीन मंत्रों के बलपर हर मानव अपने जीवन रूपी गाड़ी को मंजिल तक पहुंचाने में कामयाब रहता है ! क्योंकि आज के युग में सफ़लता प्राप्त करने के लिए संघर्ष की सीढ़ी पर चढ़ना होता है, हालांकि हो सकता है इस सीढ़ी से हम कई बार फिस्लें भी, परंतु यदि सफ़लता पाने का ज़ज्बा और जांबाज़ी है तो हमें, फिसलकर फिर उठ खड़ा होकर सफलता की सीढ़ी पर चढ़ना होगा। इसे ही संघर्ष का नाम दिया गया है इससे हम ज़रूर सफ़लता की इस सीढ़ी के अंतिम पहिए तक पहुंचकर अपना, अपने कुल का और भारत का नाम रोशन करने में कामयाब होंगे।

साथियों बात अगर हम चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो, नन्हीं सी चींटी महीने भर मेहनत करती है और और साल भर आराम और निश्चिंतता से अपना जीवन जीती है। बिना मेहनत के जीवन खुशहाल और निश्चिंत नहीं बन सकता ये उस नन्हीं सी चींटी के जीवन की सीख है। वैसे तो बगुले को उसके ढोंग के लिए ही जाना जाता है मगर बगुले का वह ढोंग भी मनुष्य को एक बहुत बड़ी सीख दे जाता है। रास्ते बदलो पर लक्ष्य नहीं बदलो। कभी-कभी बहुत मेहनत के बाद भी कार्य सिद्ध नहीं हो पाता मगर वही कार्य कम मेहनत में भी सिद्ध हो सकता है, बस आपके पास उसकी तरकीब अथवा तरीका होना चाहिए। संसार में हर जीव अपने आवास और भोजन की व्यवस्था अपने ही तरीके से करता है लेकिन मकड़ियों द्वारा उनका जाल बनाना काफी रोचक और बेहद कठिन है उनसे इन इस कठिन परिस्थितियों में सफलता पाने का गुण सीखना है।

साथियों बात अगर हम संघर्ष ने मेहनत की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों ने हमें बार-बार समझाया है कि देखो, यह चीटी कितनी बार दीवार पर चढ़ते हुए बार-बार गिरती है परंतु फिर उठ खड़ी होकर चढ़ती है, इससे सीखो !वाह ! क्या बात है, इतनी बड़ी विशाल मानव काया के सामने चींटी का उदाहरण, संघर्ष और मेहनत के रूप में मानव के सामने सदियों से आता रहा है, जिससे हमें यह सीख मिलत है कि मानव से हजारों गुना छोटे जीव को भी निग्लेक्ट नहीं कर उससे सीखने, प्रेरणा लेने की सोच का भाव हृदय में रखना है, यही भाव आगे चलकर मानव को महामानव के रूप में परिवर्तित करता है।

साथियों बात अगर हम अपने जीवन में संघर्ष की करें तो, नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है। मन का विश्वास रगों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है। आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। जीवन संघर्ष का दूसरा नाम हैं ।एक बात हमेशा याद रखिए, अपनी मंजिल का आधा रास्ता तय करने के बाद पीछे ना देखे बल्कि पूरे जुनून और विश्वास के साथ बाकी की आधी दूरी तय करे, बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लौटने पर आपको उतनी ही दूरी तय करनी पड़ेगी जितनी दूरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुँच सकते है।

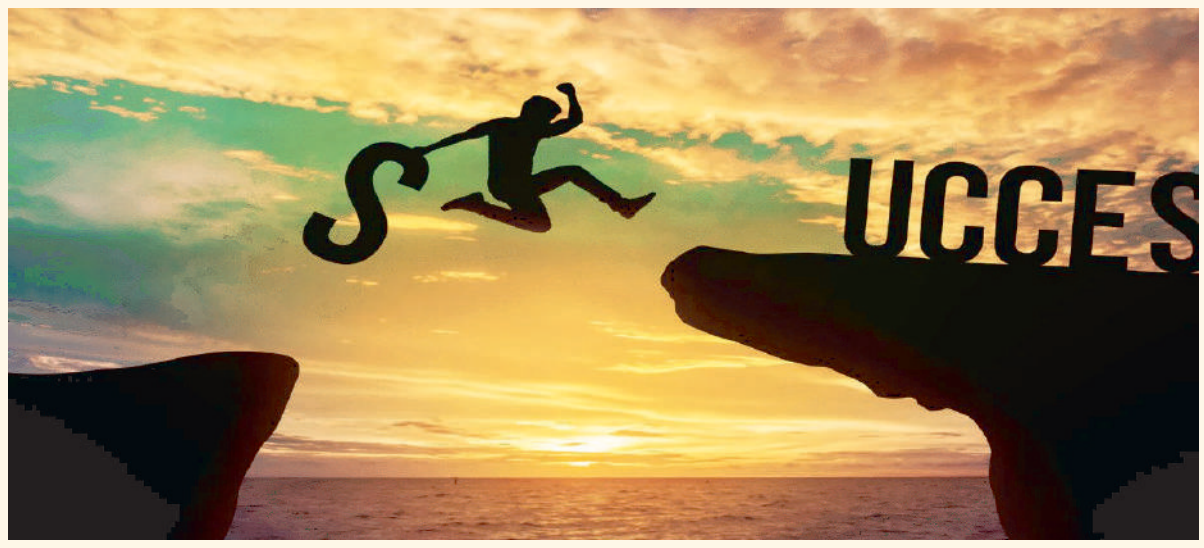




साथियों संघर्ष जीवन के उतार-चढ़ाव का अनुभव कराता है, अच्छे-बुरे का ज्ञान करवाता हैं, सतत सक्रिय रहना सिखाता है, समय की कीमत सिखाता है जिससे प्रेरित होकर हम सशक्तिकरण के साथ फिर से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होते है और जीवन जीने के सही तरीके को सीखते हैं। आगे बढ़कर भी अगर सफलता ना मिल पाई तो भी कोई बात नहीं कम से कम अनुभव तो नया होगा। बार-बार हार के भी हिम्मत के साथ अपने टारगेट की तरफ कदम बढ़ाना ही संघर्ष है। अपनी हर असफलता से कुछ सीखिए और निडरता के साथ संघर्ष का दामन थाम के मंजिल की ओर आगे बढ़िए ।वसंघर्ष हमारे जीवन का सबसे बड़ा वरदान है और वो हमें सहनशील, संवेदनशील और देवतुल्य बनाता हैं ।जब तक जीवन में संघर्ष नहीं होता तब तक जीवन जीने के अंदाज को, सच्ची ख़ुशी को, आनंद को, सफलता को अनुभव भी नहीं कर सकते। जिस तरह बिना चोट के पत्थर भी भगवान नहीं होता। ठीक उसी तरह मनुष्य का जीवन भी संघर्ष की तपिश के बिना ना तो निखर सकता है, ना शिखर तक पहुँच सकता है और ना ही मनोवांछित सफलता पा सकता है।

साथियों बात अगर हम मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो यह उदाहरण भी हमें हमसे बड़े बुजुर्गों द्वारा पीढ़ियों से, दशकों से दिया जाता है कि देखो वह मकड़ी नें कैसा सुंदर आकार का जाल बनाया है, उसकी कलाकारी को देखो बस हमें आज उस मकड़ी की कला की कारीगरी को आज कौशलता का नाम देकर उसकी कारीगरी को अपने मानवीय मस्तिष्क में यह बात उतारनी है कि जब हम से हजारों गुणा छोटा जीव इतनीं सुंदर कारीगरी कर सकता है तो हम क्यों नहीं, बस ! यह मानवीय सोच, मानवीय बौद्धिक क्षमता के कुछ स्तरपर बंद दरवाजों को खोलने का काम करती है और यह द्वार एक बार खुला तो फिर हुनर की लंबी उपलब्धियां हमारे पास होंगी और हम अपने कुल के साथ भारत माता का नाम वैश्विक स्तरपर ऊंचा करने में कामयाब कर सकेंगे।

साथियों बात अगर हम कौशलता की करें तो, वर्तमान समय में कौशलता या कारीगरी या हुनर का नाम हम बहुत अधिक सुन रहे हैं ।कौशलता विकास का नाम भारत सरकार के करीब-करीब हर मंत्रालय के कार्यक्रम की सूची में है और एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय भी बनाया गया है कुछ हफ्तों से देशभर में हुनर हाटों का आयोजन कर, हर मानव निर्मित कलाओं, वस्तुओं और सेवाओं का प्रदर्शन कर उनका वैश्विक विस्तार करने की रणनीतिक तैयारी की जा रही है जिसका परिणाम हम विज़न 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर भारतीय अर्थव्यवस्था, नए भारत की गाथा, नया भारत सहित अनेक विज़न हमने तैयार करके उसपर तीव्रता से आगे बढ़ रहे हैं जिसका दूरगामी परिणाम हम आने वाले वर्षों में जरूर देखेंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संघर्ष जीवन का मूलमंत्र है। संघर्ष ही जीवन है। आओ चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी की प्रेरणा से सीखकर अपना जीवन सवारें तथा संघर्ष सफ़ल जीवन की कुंजी है, कल तभी अच्छा होगा जब हम उसके लिए आज़ से मेहनत करेंगे।

# टीवीएस, सुजुकी, रॉयल इनफील्ड के लिए कैसा रहा दिसंबर 2024, कितनी यूनिट्स की हुई बिक्री, कितनी हुईं एक्सपोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में कई दो पहिया वाहन निर्माताओं की ओर से बेहतरीन बाइक स स्कूटर्स की बिक्री की जाती है। TVS Suzuki Royal Enfield के लिए December 2024 बिक्री के मामले में कैसा रहा है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर इन कंपनियों ने कैसा प्रदर्शन (December 2024 sales performance Two Wheeler) किया है। कितनी यूनिट्स की घरेलू बाजार बिक्री की है और कितनी यूनिट्स का एक सपोर्ट किया है। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में कई दो पहिया वाहन निर्माताओं की ओर से लाखों बाइक्स, स्कूटर की बिक्री हर महीने की जाती है। Suzuki, Royal Enfield और TVS के लिए बिक्री के मामले में December 2024 कैसा रहा है। इन कंपनियों ने घरेलू बाजार में कितनी यूनिट्स की बिक्री की है और कितनी यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर प्रदर्शन कैसा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**Royal Enfield ने किया कैसा प्रदर्शन**

रॉयल एनफील्ड की ओर से भारतीय बाजार में कई बाइक्स को ऑफर किया जाता है। कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक December 2024 के दौरान रॉयल एनफील्ड की 79466 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि December 2023 के दौरान यह संख्या 63387 यूनिट्स रही थी। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर आंकड़ों के मुताबिक कंपनी ने 25 फीसदी की बढ़ोतरी हासिल की है। इनमें से 67891 यूनिट्स की 2024 के आखिरी महीने में घरेलू बाजार में बिक्री की गई है और 11575 यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया गया है।

**Suzuki ने कैसा किया प्रदर्शन**

जापानी दो पहिया निर्माता Suzuki से मिली जानकारी के मुताबिक कंपनी ने December 2024 के दौरान 22 फीसदी की ईयर ऑन ईयर बेसिस पर ग्रोथ हासिल करते हुए 96804 यूनिट्स की बिक्री की है। वहीं December 2023 के दौरान यह संख्या 79483 यूनिट्स की थी। घरेलू बाजार में कंपनी ने 78834 यूनिट्स की बिक्री की है जबकि इसके पहले यह संख्या 69025 यूनिट्स थी। एक्सपोर्ट के मामले में कंपनी को 72 फीसदी की बढ़त मिली है। जानकारी के मुताबिक December 2024 में सुजुकी ने 17970 यूनिट्स की बिक्री की है और 2023 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 10458 यूनिट्स थी।

**TVS के लिए कैसा रहा December 2024**

टीवीएस के लिए भी दिसंबर 2024 का महीना बेहतर रहा। कंपनी ने इस दौरान 321687 यूनिट्स की बिक्री की है। जबकि 2023 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 301898 यूनिट्स की थी। टीवीएस के मुताबिक घरेलू बाजार के साथ ही एक्सपोर्ट में भी 22 फीसदी की बढ़त मिली है। December 2024 में कंपनी ने 104393 यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया है, जबकि 2023 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 85391 यूनिट्स की रही थी। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में 20171 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि December 2023 में यह संख्या 11288 यूनिट्स थी।

# भारत में जल्द लॉन्च होगी Aprilia Tuono 457, पावरफुल इंजन समेत एडवांस फीचर्स से है लैस

परिवहन विशेष न्यूज

Aprilia Tuono 457 bike हाल ही में अप्रिलिया इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर Aprilia Tuono 457 के लिए अलग से वेबपेज दिया गया है। जिसे देखते हुए उम्मीद लगाई जा रही है कि Aprilia अपनी इस नेकेड बाइक को भारत में जल्दी ही लॉन्च करने वाली है। वहीं उम्मीद यह भी है कि इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश भी किया जा सकता है।

**नई दिल्ली।** Aprilia Tuono 457 को इटली में आयोजित की गई EICMA 2024 में पेश किया गया था। अब यह जल्द ही भारतीय बाजार में लॉन्च होने वाली है। इसकी भारत में लॉन्च होने की संभावना इससे भी बढ़ जाती है क्योंकि अप्रिलिया इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर 457cc नेकेड बाइक के लिए अलग से वेबपेज दिया गया है। वहीं, अंदाजा लगाया जा रहा है कि Aprilia Tuono 457 को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया जा सकता है।

**Aprilia Tuono 457: इंजन**

आगामी अप्रिलिया टुओनो 457 को अप्रिलिया RS 457 के प्लेटफॉर्म पर ही डेवलप किया गया है। इसमें 457 cc, लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें लगा हुआ इंजन 9,400 rpm पर 47.6 PS की पावर और 6,700 rpm पर 43.5 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच और बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

**Aprilia Tuono 457: फीचर्स**

इसमें कई बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे बेहतरीन बाइक बनाते हैं। इसमें ब्लूटूथ के जरिए स्मार्टफोन कनेक्ट किया जा सकता है। इसके लिए इसमें 5-इंच TFT इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है। टुओनो में राइड-बाय-वायर थ्रॉटल और तीन राइड मोड दिया गया है, जो इको, स्पोर्ट और रेन है। यह ट्रैक्शन कंट्रोल के तीन लेवल के साथ भी आती है, जिसे आप मैनुअली बंद भी कर सकते हैं।

**Aprilia Tuono 457: ब्रेकिंग सिस्टम**

अप्रिलिया टुओनो 457 में एक नेकेड बाइक है, इसमें अंडरपिनिंग में ट्विन-स्पर एल्यूमीनियम फ्रेम, 120 मिमी व्हील ट्रैवल के साथ 41 मिमी इनवर्टेड फोर्क और 130 मिमी व्हील ट्रैवल के साथ प्री-लोड एडजस्टेबल रियर मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है। इसमें ब्रेकिंग के लिए 320 मिमी फ्रंट और 220 मिमी रियर डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। इन दोनों पर ही रेडियल रूप से माउंटेड बायब्रे कैलिपर्स हैं, इसमें डुअल-चैनल ABS दिए गए हैं। बाइक में 17 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं, जिन पर 110 सेक्शन के फ्रंट और 150 सेक्शन के रियर टायर का इस्तेमाल किया गया है।

**Aprilia Tuono 457 कब होगी लॉन्च**

हमें उम्मीद है कि अप्रिलिया टुओनो 457 को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया जा सकता है। वहीं, इसके लॉन्च होने की बात करें तो इसे जल्दी ही भारत में लॉन्च किया जा सकता है। इस बाइक की भारत में कीमत करीब 4 लाख रुपये के आसपास होने की संभावना है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला KTM 390 Duke और Yamaha MT-03 सहित अन्य पावरफुल सब-450cc नेकेड बाइक से देखने के लिए मिलेगा।

# खरीदने जा रहे हैं सेकंड हैंड इलेक्ट्रिक कार, इन 4 बातों का रखें ध्यान

परिवहन विशेष न्यूज

ऑटोमोटिव सेक्टर में दिखने लगा PLI स्कीम का असर, महिंद्रा और टाटा मोटर्स को मिला 246 करोड़ इंसेंटिव

PLI स्कीम के तहत ऑटोमोटिव सेक्टर में 20715 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। इस अवधि तक 10472 करोड़ रुपए के उत्पादों की बिक्री भी हो चुकी है। इस स्कीम के तहत कंपनी इंसेंटिव का दावा घरेलू स्तर पर उत्पादों में कम से कम 50 प्रतिशत का वैल्यू एडीशन और घरेलू व निर्यात दोनों ही स्तर पर बिक्री में बढ़ोतरी करने पर ही कर सकती है।

By Jagran News

Edited By: Mrityunjay Chaudhary

Updated: Thu, 02 Jan 2025 07:45 PM (IST)

Hero Image

महिंद्रा एंड महिंद्रा व टाटा मोटर्स को 246 करोड़ के इंसेंटिव मिला।

HighLights

पहली बार महिंद्रा एंड महिंद्रा व टाटा मोटर्स ने किया 246 करोड़ के इंसेंटिव का दावा किया।

ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए वर्ष 2021 के सितंबर माह में PLI स्कीम की घोषणा की गई थी।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स व फार्मा के बाद अब ऑटोमोटिव सेक्टर में प्रोडक्शन लिंक्ड इसेंटिव (पीएलआई) स्कीम का असर दिखने लगा है। पीएलआई स्कीम के तहत पहली बार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इंसेंटिव का दावा किया है और उनका यह दावा मंजूर कर लिया गया है। ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए वर्ष 2021 के सितंबर माह में पीएलआई स्कीम की घोषणा की गई थी। देश में एडवांस ऑटोमोटिव टेक्नोलाजी (एएटी) वाले उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाने के साथ ऑटोमोटिव सेक्टर में मजबूत सप्लाई चेन की स्थापना के उद्देश्य से इस स्कीम की शुरुआत की गई थी। इस स्कीम के तहत कंपनी इंसेंटिव का दावा घरेलू स्तर पर उत्पादों में कम से कम 50 प्रतिशत का वैल्यू एडीशन और घरेलू व निर्यात दोनों ही स्तर पर बिक्री में बढ़ोतरी करने पर ही कर सकती है।

**ऑटोमोटिव सेक्टर में 20,715 करोड़ का निवेश**

भारी उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2024 के सितंबर माह तक पीएलआई स्कीम के तहत ऑटोमोटिव सेक्टर में 20,715 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। इस अवधि तक 10,472 करोड़ रुपए के उत्पादों की बिक्री भी हो चुकी है। मंत्रालय के मुताबिक पहली बार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में पीएलआई स्कीम का लाभ कंपनियों को मिलने जा रहा है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक श्री व्हीलर्स व एएटी उत्पादों के उत्पादन व बिक्री में बढ़ोतरी के नाम पर 104.08 करोड़ के इंसेंटिव का दावा किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा अब तक 978.30 करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी है और कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 800 करोड़ से अधिक की बिक्री की है।

**टाटा मोटर्स ने 1380 करोड़ रुपए की बिक्री की**

टाटा मोटर्स ने टियागो ईवी, स्टारबस ईवी और एसे ईवी के उत्पादन व बिक्री में बढ़ोतरी के लिए 142.13 करोड़ रुपए के इंसेंटिव का दावा किया है। टाटा मोटर्स ने गत वित्त वर्ष में इन वाहनों व एएटी उत्पादों की 1380 करोड़ रुपए की बिक्री की है। भारी मंत्रालय के मुताबिक दोनों कंपनियों 246 करोड़ रुपए के इंसेंटिव का दावा किया है और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एजेंसी की तरफ से इन दावों की जांच के बाद मंत्रालय ने इसकी मंजूरी दे दी है। मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने वर्ष 2020-22 के बीच 14 सेक्टर में पीएलआई स्कीम की घोषणा की। इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर में पीएलआई स्कीम का बड़ा लाभ मिला है।

# ऑटोमोटिव सेक्टर में दिखने लगा PLI स्कीम का असर, महिंद्रा और टाटा मोटर्स को मिला 246 करोड़ इंसेंटिव

परिवहन विशेष न्यूज

PLI स्कीम के तहत ऑटोमोटिव सेक्टर में 20715 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। इस अवधि तक 10472 करोड़ रुपए के उत्पादों की बिक्री भी हो चुकी है। इस स्कीम के तहत कंपनी इंसेंटिव का दावा घरेलू स्तर पर उत्पादों में कम से कम 50 प्रतिशत का वैल्यू एडीशन और घरेलू व निर्यात दोनों ही स्तर पर बिक्री में बढ़ोतरी करने पर ही कर सकती है।

**नई दिल्ली।** इलेक्ट्रॉनिक्स व फार्मा के बाद अब ऑटोमोटिव सेक्टर में प्रोडक्शन लिंक्ड इसेंटिव (पीएलआई) स्कीम का असर दिखने लगा है। पीएलआई स्कीम के तहत पहली बार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इंसेंटिव का दावा किया है और उनका यह दावा मंजूर कर लिया गया है। ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए वर्ष 2021 के सितंबर माह में पीएलआई स्कीम की घोषणा की गई थी। देश में एडवांस ऑटोमोटिव टेक्नोलाजी (एएटी) वाले उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाने के साथ ऑटोमोटिव सेक्टर में मजबूत सप्लाई चेन की स्थापना के उद्देश्य से इस स्कीम की शुरुआत की गई थी। इस स्कीम के तहत कंपनी इंसेंटिव का दावा घरेलू स्तर पर उत्पादों में कम से कम 50 प्रतिशत का वैल्यू एडीशन और घरेलू व निर्यात दोनों ही स्तर पर बिक्री में बढ़ोतरी करने पर ही कर सकती है।

**ऑटोमोटिव सेक्टर में 20,715 करोड़ का निवेश**

भारी उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2024 के सितंबर माह तक पीएलआई स्कीम के तहत ऑटोमोटिव सेक्टर में 20,715 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। इस अवधि तक 10,472 करोड़ रुपए के उत्पादों की बिक्री भी हो चुकी है। मंत्रालय के मुताबिक पहली बार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में पीएलआई स्कीम का लाभ कंपनियों को मिलने जा रहा है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक श्री व्हीलर्स व एएटी उत्पादों के उत्पादन व बिक्री में बढ़ोतरी के नाम पर 104.08 करोड़ के इंसेंटिव का दावा किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा अब तक 978.30 करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी है और कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 800 करोड़ से अधिक की बिक्री की है।

**टाटा मोटर्स ने 1380 करोड़ रुपए की बिक्री की**

टाटा मोटर्स ने टियागो ईवी, स्टारबस ईवी और एसे ईवी के उत्पादन व बिक्री में बढ़ोतरी के लिए 142.13 करोड़ रुपए के इंसेंटिव का दावा किया है। टाटा मोटर्स ने गत वित्त वर्ष में इन वाहनों व एएटी उत्पादों की 1380 करोड़ रुपए की बिक्री की है। भारी मंत्रालय के मुताबिक दोनों कंपनियों 246 करोड़ रुपए के इंसेंटिव का दावा किया है और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एजेंसी की तरफ से इन दावों की जांच के बाद मंत्रालय ने इसकी मंजूरी दे दी है। मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने वर्ष 2020-22 के बीच 14 सेक्टर में पीएलआई स्कीम की घोषणा की। इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर में पीएलआई स्कीम का बड़ा लाभ मिला है।

# किआ साइरोस SUV के लिए रात 12 बजे से शुरू होगी बुकिंग, 25 हजार रुपये में इस तरह करवाएं बुक, फरवरी में मिलेगी गाड़ी

परिवहन विशेष न्यूज

Kia Syros SUV Booking साउथ कोरियाई वाहन निर्माता किआ की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से 19 December 2024 को ही Syros को पेश किया गया था। अब रात 12 बजे से इसके लिए बुकिंग शुरू हो जाएगी। किस तरह बुकिंग करवाई जा सकती है। डिलीवरी कब से मिलेगी। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से भारत में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से दिसंबर 2024 में पेश की गई नई एसयूवी Kia Syros के लिए रात 12 बजे से बुकिंग को शुरू कर दिया जाएगा। किस तरह से एसयूवी को बुक करवाया जा सकता है। कितने रुपये देकर बुकिंग होगी। कब इसकी कीमतों की घोषणा होगी और कब से डिलीवरी मिलेगी। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**Kia Syros SUV के लिए शुरू होगी बुकिंग**

किआ की ओर से पेश की गई सबसे नई एसयूवी Kia Syros के लिए रात 12 बजे से बुकिंग को शुरू कर दिया जाएगा। इस एसयूवी को 19 December 2024 को एक कार्यक्रम के दौरान पेश किया गया था।

**कितने रुपये में होगी बुकिंग**

कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक एसयूवी को ऑनलाइन या ऑफलाइन शोरूम से बुक करवाया जा सकता है। इसके लिए 25 हजार रुपये का एडवांस पेमेंट देना होगा। जिसके बाद गाड़ी को बुक कर दिया जाएगा।

**कब होगी कीमतों की घोषणा**

किआ की ओर से दिसंबर में ही इसे पेश करते समय जानकारी दी गई थी कि एसयूवी की कीमतों की घोषणा एक फरवरी 2025 को की जाएगी। फरवरी में इसके सभी वेरिएंट्स की कीमतों को सार्वजनिक करने के साथ ही इसे मध्य फरवरी में ग्राहकों को देना शुरू किया जाएगा।

**कैसे हैं फीचर्स**

किआ की ओर से Syros SUV में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया गया है। इसमें 30 इंच का ट्रिनिटी पेनोरमिक डिस्प्ले पैनल दिया गया है। जिसमें कनेक्टिड कार नेविगेशन सिस्टम, ड्यूल पेन सनरूफ, 64 रंगों की एंबिएंट लाइट्स, रियर सीट रिक्लाइन, स्लाइड और वेंटिलेटिड जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

**कितनी है सुरक्षित**

एसयूवी में 15 ऑटोनॉमस सेफ्टी फीचर्स के साथ Level-2 ADAS को दिया जाता है। इसके अलावा इसमें ओटीए अपडेट, स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, हिल असिस्ट, पार्किंग सेंसर, पार्किंग कैमरा, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकरेज जैसे कई सेफ्टी फीचर्स दिए जाते हैं।

**कितना दमदार इंजन**

किआ सिरोस एसयूवी में कंपनी की ओर से पेट्रोल और डीजल के साथ मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प दिए जाते हैं। इसमें एक लीटर की क्षमता का टर्बो पेट्रोल इंजन दिया जाता है जिससे 120 पीएस की पावर और 172 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसके अलावा इसमें 1.5 लीटर की क्षमता का डीजल इंजन भी दिया गया है जिससे इसे 116 पीएस की पावर और 250 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। दोनों में ही मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प मिलते हैं।

**किनसे है मुकाबला**

किआ की ओर से सिरोस एसयूवी को कॉम्पैक्ट एसयूवी के तौर पर सब फोर मीटर सेगमेंट में लाया गया है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला अपनी ही कंपनी की Kia Sonet के अलावा Hyundai Venua, Maruti Breeza, Tata Nexon, Mahindra XUV 3XO जैसी एसयूवी के साथ होगा।

# परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता कैसे कम करें



विजय गर्ग

सावधानीपूर्वक तैयारी और व्यवस्थित अध्ययन कार्यक्रम से लेकर शारीरिक गतिविधियों और विश्राम तकनीकों तक, यहां रणनीतियों की एक श्रृंखला दी गई है जो आपको शांत और आत्मविश्वास की अधिक भावना के साथ चुनौतीपूर्ण परीक्षा अवधियों को पार करने में मदद कर सकती है। परीक्षा की चिंता को दूर करने के तरीके - पारंपरिक तरीके 1. योजना बनाएं और व्यवस्थित रहें अपने अध्ययन सत्र में जाने से पहले, सुनिश्चित करें कि आपके पास सभी आवश्यक सामग्री और संसाधन उपलब्ध हैं। अपनी अध्ययन सामग्री को छोटे, प्रबंधनीय खंडों में विभाजित करें और प्रत्येक को निपटाने के लिए समर्पित समय स्लॉट निर्दिष्ट करें। एक संरचित योजना होने से अध्ययन अधिक प्रबंधनीय हो सकता है और अंतिम समय में रटने की समस्या कम हो सकती है। वैकल्पिक रूप से, आप अपने अध्ययन सत्र को अधिक उत्पादक बनाने के लिए समय प्रबंधन विधियों का भी प्रयोग कर सकते हैं। अध्ययन कार्यक्रम की योजना बनाने और व्यवस्थित करने से परीक्षा के तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है अतिरिक्त युक्तिः अध्ययन उपकरण का उपयोग करें बेहतर संगठन के लिए डिजिटल टूल या ऐप्स का उपयोग करने पर विचार करें। उदाहरण के लिए, ट्रेलो या नोशन जैसे ऐप्स आपको विस्तृत अध्ययन कार्यक्रम बनाने और आपकी प्रगति को ट्रैक करने में मदद कर सकते हैं। ये उपकरण आपकी तैयारी की दक्षता को बढ़ाते हुए, ट्यूटर्स या अध्ययन समूहों के साथ सहयोग की सुविधा भी प्रदान कर सकते हैं। 2. विश्राम तकनीकों का प्रयास करें अपनी दैनिक दिनचर्या को बेहतर बनाने के लिए गहरी साँस लेना, ध्यान, या प्रगतिशील मांसपेशी छूट जैसे जागरूकता अभ्यासों को एकीकृत करें। ये तरीके प्रभावी रूप से आपके दिमाग को शांत करेंगे, परीक्षण की चिंता को कम करेंगे और आपके समग्र फोकस में सुधार करेंगे। उदाहरण के लिए, आपकी ऐप्पल वॉच पर माइंडफुलनेस ऐप आपको गहरी सांस लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दिन में कुछ मिनट निकालने में मदद कर सकता है, जिससे रक्तचाप और तनाव का स्तर काफी कम हो सकता है। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नींद लेने को प्राथमिकता दें कि अध्ययन सत्र और परीक्षा दोनों के दौरान आपका मस्तिष्क बेहतर ढंग से काम करे। विश्राम तकनीकों को आज़माने से परीक्षा की चिंता को कम करने में मदद मिल सकती है अतिरिक्त युक्तिः एक विश्राम दिनचर्या बनाएं अपने मस्तिष्क को यह संकेत देने के लिए कि यह ध्यान केंद्रित करने का समय है, अध्ययन-पूर्व विश्राम की एक दिनचर्या स्थापित करें। इसमें एक छोटा ध्यान सत्र, स्ट्रेचिंग व्यायाम, या कुछ मिनट की सचेतनता शामिल हो सकती है। एक सुसंगत दिनचर्या आपके दिमाग को आसानी से अध्ययन मोड में बदलने के लिए प्रशिक्षित करने में मदद करती है। 3. संतुलित आहार बनाए रखें जैसा कि इस कहावत में सही कहा गया है, ₹आप वही हैं जो आप खाते हैं,₹ एक संतुलित आहार परीक्षा के तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नट्स, बीज और पत्तेदार साग जैसे दिमाग बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों से खुद को पोषण दें। जबकि कैफीन निस्संदेह सतर्कता और एकाग्रता को बढ़ाता है, वैज्ञानिक प्रमाणों ने नींद के पैटर्न को बाधित करने और चिड़चिड़ापन पैदा करने की इसकी क्षमता को साबित किया है। सेहत को बेहतर बनाने के लिए हर्बल चाय और फलों जैसे अधिक पौष्टिक खाद्य पदार्थों का चयन करें। संतुलित आहार बनाए रखने से परीक्षा के तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है अतिरिक्त युक्तिः स्वस्थ नाश्ते की योजना बनाएं स्वस्थ नाश्ते की एक सूची तैयार करें और अपने अध्ययन सत्र के दौरान उन्हें अपने पास रखें। जामुन, दही और साबुत अनाज क्रैकर जैसे खाद्य पदार्थ निरंतर ऊर्जा और फोकस प्रदान करते हैं। भारी या मीठे स्नैक्स से बचें जो ऊर्जा की हानि का कारण बन सकते हैं और आपका ध्यान पढ़ाई से भटका सकते हैं। 4. नियमित व्यायाम करें एक स्वस्थ शरीर स्वस्थ दिमाग की नींव रखता है। दैनिक शारीरिक गतिविधि में शामिल होने से परीक्षा का तनाव स्वाभाविक रूप से कम हो जाता है। नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, चाहे जॉगिंग के माध्यम से, योग के माध्यम से, या त्वरित कसरत योजना का पालन करके। व्यायाम एंडोर्फिन के स्राव को उत्तेजित करता है, जो अपने मूड को बेहतर बनाने और तनाव कम करने वाले गुणों के लिए जाना जाता है। व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने से परीक्षा संबंधी परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती हैतनाव अतिरिक्त युक्तिः छोटे वर्कआउट शामिल करें अपने अध्ययन कार्यक्रम में छोटे व्यायाम अवकाशों को शामिल करें। यहां तक कि 5-10 मिनट की तेज सैर या एक त्वरित योग सत्र भी आपके मन और शरीर को तरोताजा कर सकता है, जिससे आपको नई ऊर्जा और फोकस के साथ अपनी पढ़ाई पर लौटने में मदद मिलेगी। 5. विकर्षणों को सीमित करें जबकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और स्मार्टफोन मनोरंजन के बेहतरीन स्रोत हैं, वे ध्यान भटकाने के सबसे बड़े स्रोतों में से एक भी साबित होते हैं, खासकर परीक्षा जैसे तनावपूर्ण समय के दौरान। इसके अलावा, शोध से पता चलता है कि अत्यधिक फोन का उपयोग और सोशल मीडिया के साथ व्यापक जुड़ाव आपके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। एक स्वस्थ तकनीकी संबंध और बेहतर मानसिक कल्याण बनाए रखने के लिए, अपने स्क्रीन समय की सीमा निर्धारित करें, सोशल मीडिया से ब्रेक लें और अन्य तनाव-राहत गतिविधियों में भाग लें, खासकर परीक्षा अवधि के दौरान। परीक्षा के दौरान सोशल मीडिया को सीमित करने से तनाव से निपटने में मदद मिल सकती है अतिरिक्त युक्तिः अध्ययन का माहौल बनाएं अध्ययन के लिए एक विशिष्ट क्षेत्र निर्दिष्ट करें जो विकर्षणों से मुक्त हो। यदि संभव हो तो अपने अध्ययन स्थान को व्यवस्थित और प्रौद्योगिकी-मुक्त रखें। इससे आपके मस्तिष्क को उस स्थान को फोकस और उत्पादकता के साथ जोड़ने में मदद मिलेगी, जिससे आपके अध्ययन की प्रभावशीलता बढ़ेगी। 6. साथियों के साथ चर्चा करने से बचें जबकि चर्चा में शामिल होना कठिन अवधारणाओं को समझने और अपने साथियों के साथ जानकारी को संशोधित करने के लिए एक प्रभावी विधि के रूप में कार्य कर सकता है, कभी-कभी इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आपके मित्र ने जिस सामग्री या संसाधनों को कवर किया है वह अभी भी आपके लिए अपरिचित हो सकता है। यह स्थिति संभावित रूप से आपके द्वारा अभी तक खोजे जाने वाले विषयों के बैकलॉग के तनाव में योगदान कर सकती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक व्यक्ति एक गति से और उस शैली में सीखता है जो उनके लिए सबसे उपयुक्त है, और अपनी सीखने की गति और शैली के प्रति सच्चे रहने से आपको बेहतर परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलेगी। परीक्षा के तनाव के दौरान दोस्तों के साथ चर्चा से बचना फायदेमंद हो सकता है अतिरिक्त युक्तिः अध्ययन समूहों का बुद्धिमानी से उपयोग करें अध्ययन समूहों में रणनीतिक रूप से भाग लें। ऐसे समूह चुनें जहां आप प्रगति की तुलना करने के बजाय समीक्षा कर सकें और अपनी समझ को सुदृढ़ कर सकें। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि समूह अध्ययन सत्र तनाव उत्पन्न करने के बजाय सहायक बने रहें। 7. विभिन्न शिक्षण रणनीतियाँ आज़माएँ प्रभावी शिक्षण रणनीतियाँ परीक्षा से जुड़े तनाव को काफी कम कर सकती हैं, आपकी तैयारी बढ़ा सकती हैं और आपका आत्मविश्वास बढ़ा सकती हैं। ब्लरटिंग तकनीक, फेनमैन दृष्टिकोण, लीटनर प्रणाली और अधिक जैसी विधियां उदाहरण के रूप में खड़ी हैं। हमेशा याद रखें कि निरंतरता ही कुंजी है; अपनी शक्तियों के अनुरूप रणनीतियों का सही मिश्रण ढूंढना निश्चित रूप से सफल परिणाम प्राप्त करने में योगदान देगा। विभिन्न शिक्षण रणनीतियों का उपयोग करने से आत्मविश्वास बढ़ाने और परीक्षा की चिंता को कम करने में मदद मिल सकती है अतिरिक्त युक्तिः शिक्षण उपकरणों के साथ प्रयोग करें फ़्लैशकार्ड, शैक्षिक ऐप्स या इंटरैक्टिव सिमुलेशन जैसे विभिन्न शिक्षण उपकरण शामिल करें। ये उपकरण विभिन्न शिक्षण शैलियों को पूरा कर सकते हैं और प्रमुख अवधारणाओं को अधिक आकर्षक और प्रभावी तरीके से सुदृढ़ करने में मदद कर सकते हैं। परीक्षा के तनाव को कम करने के टिप्स - अपरंपरागत तरीके ऊपर उल्लिखित बिंदु काफी मुख्यधारा और परिचित हैं; वास्तव में, मुझे यकीन है कि आपने उनमें से अधिकांश को आज़माया है, लेकिन परीक्षा के तनाव या तनाव को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के कुछ अन्य दिलचस्प तरीके भी हैं। वे सभी एक समान कारक साझा करते हैं, जिसमें विडंबना यह है कि कम से कम कुछ समय के लिए परीक्षा के बढ़ते दबाव के बारे में नहीं सोचना शामिल है। यहां कुछ रचनात्मक सुझाव दिए गए हैं जो आपको परीक्षा प्रबंधन में मदद कर सकते हैंएम तनावः डार्क चॉकलेट खाना, शौक और वीआर जैसे वैकल्पिक तरीके परीक्षा के तनाव से निपटने में मदद कर सकते हैं 1. डार्क चॉकलेट जिस तरह डिमेंटर (परीक्षा उतनी ही डरावनी हो सकती है!) का सामना करने के बाद प्रोफेसर ल्यूपिन हैरी पॉटर को चॉकलेट देते हैं, चॉकलेट खाने से, खासकर गहरे रंग की, परीक्षा के तनाव से राहत मिल सकती है। डिमेंटर का सामना करने के बाद प्रोफेसर ल्यूपिन हैरी पॉटर चॉकलेट पेश करते हुए शोध से पता चलता है कि डार्क चॉकलेट खाने से तनाव हार्मोन कम होते हैं और याददाश्त काफी बढ़ती है। डार्क चॉकलेट कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन पर प्रभाव डाल सकती है, जिससे संभावित रूप से तनाव के स्तर में अस्थायी कमी आ सकती है। हालाँकि, डार्क चॉकलेट के लाभ आमतौर पर सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं जब संतुलित आहार के हिस्से के रूप में इसका सेवन कम मात्रा में किया जाता है। अतिरिक्त युक्तिः उच्च गुणवत्ता वाली डार्क चॉकलेट चुनें अधिकतम लाभ के लिए कम से कम 70% कोको सामग्री वाली डार्क चॉकलेट चुनें। इस प्रकार की चॉकलेट में उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और यौगिक होते हैं जो तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसे नियमित भोग के बजाय एक छोटे उपचार के रूप में आनंद लें। 2. कला के माध्यम से व्यक्त करें अपने आप को उन गतिविधियों में डुबो दें जो आपको सांत्वना देती हैं, जैसे कि अपने विचारों को लिखना, जर्नलिंग करना, सुखदायक संगीत वाद्ययंत्र बजाना, गाना या शायद पेंटिंग करना। जिन चीज़ों में आप आनंद लेते हैं और जिनके बारे में आप भावुक हैं, उनमें शामिल होने से आपके मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जिससे इस प्रक्रिया में परीक्षा के तनाव को प्रबंधित करने और कम करने में मदद मिलती है। अतिरिक्त युक्तिः रचनात्मक समय अलग रखें प्रत्येक दिन रचनात्मक गतिविधियों के लिए एक विशिष्ट समय समर्पित करें। चाहे वह ड्राइंग, लेखन, या संगीत बजाना हो, इन गतिविधियों में नियमित रूप से शामिल होना तनाव के लिए एक उत्पादक आउटलेट और शैक्षणिक दबाव से मुक्ति के रूप में काम कर सकता है। 3. आभासी वास्तविकता से पलायन वीआर अनुभव आपको विचलित करने और वास्तविक दुनिया से भागने का एक तरीका प्रदान कर सकते हैं। अपने आप को एक मनोरम वीआर वातावरण में डुबोने से आपका ध्यान तनाव और नकारात्मक विचारों से हट सकता है, जिससे आप किसी मनोरंजक और नवीन चीज़ पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। संगीत सुनना, जानवरों के साथ खेलना और निर्देशित कल्पना परीक्षा के तनाव से निपटने में मदद कर सकती है अतिरिक्त युक्तिः शांतिदायक वीआर अनुभव चुनें विश्राम और सचेतनता के लिए डिज़ाइन किए गए वीआर अनुभवों का चयन करें। कुछ वीआर एप्लिकेशन शांत वातावरण या निर्देशित ध्यान सत्र प्रदान करते हैं जो तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं और परीक्षा से संबंधित चिंताओं से मानसिक आराम प्रदान कर सकते हैं। 4. एक तनाव-राहत प्लेलिस्ट बनाएं यह सिद्ध हो चुका है कि संगीत में विभिन्न मनोवैज्ञानिक और शारीरिक प्रभाव होते हैं, जिसमें मनोदशा, भावनाओं और तनाव के स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता भी शामिल है। शोध से पता चला है कि एकल पियानो के टुकड़े, मोजार्ट सोनाटा, शांत रचनाएं और इसी तरह के सौम्य संगीत जैसे शास्त्रीय संगीत सुनने से फोकस, एकाग्रता और मनोदशा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। तो, अपने पसंदीदा सुखदायक संगीत की एक प्लेलिस्ट डालें जो आपके उत्साह को बढ़ा दे! इसके अतिरिक्त, आप भूरे शोर का भी पता लगा सकते हैं। भूरे रंग की आवाजें मूल रूप से गहरी गड़गड़ाहट की आवाजें हैं जो झरने या गड़गड़ाहट की कम आवृत्ति वाली आवाजों से मिलती जुलती हैं। अध्ययनों से पता चला है कि भूरे शोर सहित विशिष्ट प्रकार के शोर को सुनने से तनाव कम करने और विश्राम को बढ़ावा देने में संभावित लाभ हो सकते हैं। अतिरिक्त युक्तिः अपनी प्लेलिस्ट को नियमित रूप से अपडेट करें अपनी तनाव-मुक्ति प्लेलिस्ट को आकर्षक और प्रभावी बनाए रखने के लिए उसे नियमित रूप से ताज़ा करें। आपके मूड से मेल खाने वाले नए ट्रैक जोड़ने से प्लेलिस्ट का प्रभाव बढ़ सकता है, जिससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि यह तनाव प्रबंधन के लिए एक सहायक उपकरण बना रहेगा। 5. खर्च करनाजानवरों के साथ समय क्या आपने कभी किसी प्यारे पिल्ले के साथ समय बिताया है? तब आप जानते हैं कि फ़्लफ़बॉल आपकी सभी समस्याओं को कुछ समय के लिए गायब कर सकता है! जानवरों के साथ समय बिताने से अक्सर तनाव कम हो सकता है और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जानवरों के साथ बातचीत करने से ऑक्सीटोसिन का स्राव शुरू हो सकता है, जिसे अक्सर ₹बॉन्डिंग हार्मोन₹ कहा जाता है। ऑक्सीटोसिन खुशी, विश्वास और सामाजिक जुड़ाव जैसी भावनाओं से जुड़ा है, जो तनाव और चिंता को कम कर सकता है, चाहे वह अपने पालतू जानवरों के साथ समय बिताना हो या किसी पशु आश्रय में जाना हो, जानवर खुशी और आराम लाने का एक तरीका है। अतिरिक्त युक्तिः पालतू पशु चिकित्सा पर विचार करें यदि आपके पास अपने पालतू जानवर नहीं हैं तो पालतू पशु चिकित्सा सत्र का अन्वेषण करें। कई समुदाय पालतू पशु चिकित्सा कार्यक्रम पेश करते हैं जहां आप प्रशिक्षित चिकित्सा पशुओं के साथ समय बिता सकते हैं। यह अनुभव महत्वपूर्ण भावनात्मक राहत प्रदान कर सकता है और तनाव को कम कर सकता है। 6. निर्देशित कल्पना निर्देशित कल्पना में शांत और सुखदायक मानसिक परिदृश्य बनाने के लिए आपकी कल्पना का उपयोग करना शामिल है, जैसे शांतिपूर्ण दृश्यों, घटनाओं या वस्तुओं की कल्पना करना। निर्देशित कल्पना में संलग्न होने से आपकी भावनात्मक स्थिति को और अधिक सकारात्मक स्थिति में स्थानांतरित करके आपके शरीर की विश्राम प्रतिक्रिया को प्रोत्साहित किया जाता है। अतिरिक्त युक्तिः निर्देशित इमेजरी ऐप्स का उपयोग करें निर्देशित इमेजरी ऐप्स का लाभ उठाएं जो संरचित सत्र और शांत परिदृश्य प्रदान करते हैं। ये ऐप्स आपको विश्राम अभ्यासों के माध्यम से मार्गदर्शन कर सकते हैं और तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए एक दिनचर्या विकसित करने में आपकी सहायता कर सकते हैं। 7. अपने मस्तिष्क का अलग ढंग से व्यायाम करें पहेलियाँ और खेल में व्यस्त रहने से आपका ध्यान तनाव के स्रोतों से हट सकता है। वे एक मानसिक विराम प्रदान करते हैं और आपको किसी आनंददायक और चुनौतीपूर्ण चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देते हैं, जैसे पहेलियाँ सुलझाना, मस्तिष्क टीज़र से निपटना, या रणनीति गेम खेलना। अपना ध्यान एक अलग प्रकार की मानसिक चुनौती पर लगाने से परीक्षा संबंधी तनाव का चक्र टूट सकता है। अतिरिक्त युक्तिः दैनिक मस्तिष्क चुनौतियाँ निर्धारित करें अपने दिमाग को तेज़ और व्यस्त रखने के लिए दैनिक मस्तिष्क चुनौतियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। सुडोकू ऑनलाइन खेलना, क्रॉसवर्ड पहेलियाँ या रणनीति गेम जैसी गतिविधियाँ उत्पादक व्याकुलता प्रदान कर सकती हैं और तनाव को कम करने में मदद कर सकती हैं। डेस्क पर एक लैपटॉप ट्यूशन अकादमियों के लिए, क्लास कार्ड जैसे टूल का उपयोग सीखने के अनुभव को और बढ़ा सकता है। क्लास कार्ड का व्यापक क्लास प्रबंधन सॉफ्टवेयर कुशल शेड्यूलिंग, छात्र ट्रैकिंग और संसाधन प्रबंधन की अनुमति देता है, जो एक संरचित और सहायक शिक्षण वातावरण बनाने में मदद कर सकता है। प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करके, शिक्षक छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। यह शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए परीक्षा की तैयारी से जुड़े तनाव को काफी कम कर सकता है। परीक्षाएं चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, लेकिन इन रणनीतियों को लागू करके, आप प्रभावी ढंग से परीक्षा की चिंता को कम कर सकते हैं और अपने समग्र प्रदर्शन में काफी हद तक सुधार कर सकते हैं। याद रखें कि परीक्षा से पहले कुछ हद तक तनाव का अनुभव होना सामान्य है, लेकिन उचित योजना, आत्म-देखभाल और सकारात्मक मानसिकता के साथ, आप आत्मविश्वास और सफलता के साथ परीक्षा से निपट सकते हैं।



# एकता का महाकुंभ

विजय गर्ग

प्रयागराज में होने जा रहा महाकुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक समागम है। आध्यात्मिक जुड़ाव के साथ ही आस्था की अभिव्यक्ति का यह सामूहिक आयोजन वैश्विक स्तर पर भी चर्चित है। इस वर्ष महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। अत्याधुनिक डिजिटल सुविधाओं के साथ आध्यात्मिक दिव्यता और भारत की सांस्कृतिक भव्यता की सुंदर झांकी के रूप में यह विशाल मेला सांस्कृतिक विरासत को एक सूत्र में बांधे रखने का उद्देश्य लिए है।

बीत दिनों मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ को देश की एकता के भाव से जोड़कर अपनी बात कही। पीएम ने कहा कि 'इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं भेदभाव नहीं दिखता, कोई बड़ा छोटा नहीं होता। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है। मैं आप सबसे कहूंगा जब हम कुंभ में शामिल हों तो एकता के इस संकल्प को अपने साथ लेकर वापस आएं। समाज में विभाजन और विद्वेष के भाव को नष्ट करने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार 'कम शब्दों में कहूं तो महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश और अगर दूसरे तरीके से कहना है तो मैं कहूंगा, गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा।'

वस्तुतः आध्यात्मिक भाव संग एकता का यह संदेश हर नागरिक के लिए विचारणीय है। हमारे देश की विविधता का सम्मान करने की सीख लिए है। प्रकृति से मनुष्य को जोड़ता यह पावन समागम भी हर ऊंच-नीच से दूर जुड़ाव और आपसी सामंजस्य के भाव को ही पोसता है। श्रद्धालुओं की भीड़ में संत समाज ही आमजन और विदेशी मेहमान तक शामिल होते हैं। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेले की मान्यता पाने वाले इस आयोजन से जुड़ी तैयारियां तक लोगों को चकित करती हैं। इस बार भी तकनीक की मदद से डिजिटल महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सहजता और सुरक्षा के लिए की गई तैयारियां रेखांकित करने योग्य हैं। ग्यारह भारतीय भाषाओं में मेले से जुड़ी हर तरह की सूचना उपलब्ध होगी। एआइ चैटबोट, डिजिटल नेविगेशन और एआइ पावर्ड कैमरों से इस अद्वितीय आयोजन में सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। भीड़ के प्रबंधन से लेकर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने तक श्रद्धालुओं का यह जमावड़ा सचमुच संसार का अनोखा आयोजन है। यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में भी महाकुंभ मेले को स्थान दिया गया है। समझना कठिन नहीं कि दुनिया के हर कोने तक भारत की सांस्कृतिक विविधता के रंग पहुंचाने वाला महाकुंभ मेला एकता और सद्भाव का सार्थक अनुष्ठान ही है।

# मां का 'गर्भ' है सबसे बड़ी पाठशाला

विजय गर्ग

हाल ही में अमरीका में गर्भ में पल रहे 140 भ्रूणों का अध्ययन किया गया था। इसके निष्कर्षों के रूप में बताया गया था कि बच्चे के मस्तिष्क के विकास के साथ-साथ बच्चा बाहरी दुनिया को समझने की कोशिश करने लगता है। यह सब बच्चे के मस्तिष्क में विकसित हो रहे न्यूरोन्स के कारण होता है। गर्भ में पल रहा बच्चा जब जन्म लेता है, तो वह बाहरी दुनिया को पहचानने लगता है। उसके सोचने, समझने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी विकसित होती जाती है। इसलिए कह सकते हैं कि मां का गर्भ बच्चे की पहली पाठशाला होता है।



ऐसे शोध भी हो चुके हैं जिनमें बताया गया कि मां के मूड का बच्चे पर बहुत प्रभाव पड़ता है। मां उदास होती है, तो गर्भ का बच्चा भी उदास हो जाता है। मां रोती है, तो बच्चा भी सिसकता है। मां हंसती है, तो बच्चा भी खिलखिलाता है। यही नहीं, गर्भ में 5 महीने के बाद, बच्चा अपने घर वालों की आवाज पहचानने लगता है। प्रतिक्रिया देने लगता है। यहां तक कि अगर माता-पिता अपने गर्भस्थ शिशु से बातें करें, प्यार जताएं, तो वह कभी पांव चलाकर ,कभी हाथ चलाकर उसका उत्तर देता है और अपनी खुशी जाहिर करता है। बहुत पहले एक वीडियो में देखा गया था कि एक पिता गर्भ में पल रही अपनी बच्ची से लगातार बातें करता था। जब उस बच्ची का जन्म हुआ, तो पिता उसे देखने गया। वह बच्ची से उसी तरह से बातें करने लगा। बच्ची पिता की आवाज सुनकर गर्दन उठाकर इतनी जोर से मुस्कुराई कि वहां उपस्थित डाक्टर और नर्सें हैरान रह गए। क्योंकि इतने छोटे बच्चे अक्सर अपनी गर्दन नहीं उठा पाते। उन्हें सहारा देना पड़ता है।

यदि गर्भ के बच्चे को लगातार यह बताया जाए कि उसके आने से माता-पिता कितने खुश हैं, तो बच्चा इसे महसूस करता है और मानसिक, शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है। यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य जीवन भर रहता है। ये सब बातें जब तमाम शोधों के आधार पर बता रही हूं, तो यह बताना और याद दिलाना जरूरी है कि हमारी पुरातन पीढ़ी को इनमें से अधिकांश बातें मालूम थीं। वे कहती थीं कि मां का जो चीजें खाने का मन करे, उसे वे जरूर खिलानी चाहिएं, क्योंकि बच्चे के स्वास्थ्य के लिए ये चीजें जरूरी हैं। मां को अगर भोजन सुस्वादु लगता है, तो यह भावना बच्चे तक भी पहुंचती है। यही नहीं इन दिनों स्टैम सैल रिसर्च की बातें भी बहुत जोर-शोर से होती हैं। इन पर सारी दुनिया में शोध चल रहे हैं। शोध बताते हैं कि बच्चे के जन्म के वक्त जो गर्भनाल होती है, उसके खून को अगर प्रिजर्व कर लिया जाए, तो कहा जाता है कि आगे चलकर अगर बच्चे को कोई गंभीर बीमारी हो तो उसे ठीक किया जा सकता है।

अपने यहां और बहुत से देशों में इस खून को प्रिजर्व करने के लिए अनेक अस्पतालों में स्टैम सैल बैंकिंग का प्रावधान है। बड़ी संख्या में माता-पिता बच्चे के भविष्य को ध्यान में रखकर, इस खून को बैंक में जमा करा रहे हैं। भारत में भी यह चलन बढ़ रहा है। हां, इसकी फीस देनी पड़ती है। इसी बात को देखते हुए याद आता है कि गांव में दादी बच्चे के जन्म के बाद उसकी नाल के एक हिस्से को सुखाकर रख लेती थी। मान लीजिए कि बच्चे की आंख दुखी या उसका पेट खराब हुआ, तो इसी नाल को घिसकर आंख में डाला जाता था या उसे चटाया जाता था और आश्चर्यजनक रूप से वह ठीक हो जाता था। कोरिया में तो इसे इतना पवित्र माना जाता है कि लोग फ्रेम करवा कर अपने-अपने घरों में टांग देते हैं।

कोई पूछ सकता है कि आखिर हमारी नानी-दादियों को ये सब बातें कैसे पता थीं, जिन्हें विज्ञान आज अरबों-खरबों रुपए खर्च करके साबित कर रहा है। तो यही कहा जा सकता है कि हजारों सालों के अनुभव की प्रयोगशाला और ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने की मौखिक परम्परा से यह सब सम्भव हुआ होगा। जाहिर है कि इन अनुभवों का भी वैज्ञानिक आधार ही था। जिसे अनुभव से सिद्ध किया गया था। आज की भाषा में इसे ही तो क्लीनिकल ट्रायल कहते हैं। इस संदर्भ में अभिमन्यु की कहानी का उल्लेख भी जरूरी है जो घर-घर में कही जाती है। अभिमन्यु जब गर्भ में थे, तो उनके पिता अर्जुन उनकी मां को युद्ध में चक्रव्यूह में प्रवेश कैसे किया जाता था, इस बारे में बता रहे थे।

लेकिन जब तक वह चक्रव्यूह से बाहर निकलने की बात बताते , उनकी पत्नी को नींद आ गई। गर्भ में पल रहे शिशु अभिमन्यु ने यह सब सुना था, लेकिन मां के सोने के बाद शायद वह भी सो गए और नहीं जान सके कि चक्रव्यूह से बाहर कैसे निकलें। इसीलिए कौरवों से युद्ध करते वक्त मारे गए। यानी कि गर्भ में बच्चा सब कुछ जान सकता है , यह हमारे यहां पीढियों से सर्वमान्य है। वैज्ञानिक तो आज इस बात का पता लगा रहे हैं।

# प्रथम प्रदर्शन का प्रभाव

विजय गर्ग

हमारे जीवन में ऐसी अनेक कहावतें, लोकोक्तियां, महापुरुषों के वचन, उपदेश इस तरह से रच-बस गए हैं, जिन्हें हम अक्सर वक्त आने पर बोलते-सुनते रहते हैं। इन सबके भीतर कई बार गहन विचार, दर्शन और संदेश छिपा होता है । इन सूक्तियों के भीतर उतरने के बजाय इनके चलताऊ उपयोग से अपने काम को सिद्ध कर लेने की प्रवृत्ति हमारी प्राथमिकता में रहती है । इनके भीतर उतरना सबके लिए उतना संभव नहीं हो पाता ।

कुछ कथनों को आधार बनाकर विचार करें तो 'बेहतरीन शुरुआत आधा काम सफल कर देता है' जैसे मुहावरे दर्शाते हैं। कि हरेक काम में हमारा पहला प्रभाव बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार जब हम किसी व्यक्ति से पहली बार मिलते हैं तब भी हमारा आचरण, व्यक्तित्व सामने वाले के मन में अमिट छाप छोड़ जाता है। इसका आशय यह भी है कि हमारी सफलता और लोकप्रियता की चाबी दूसरों को प्रभावित करने में छिपी हुई है । इस विचार को समझते हुए हम अपने पहले प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ बना देने के लिए उत्साह से जुट जाते हैं। विद्यालय, कालेज और व्यावसायिक संस्थानों और घर में भी अलग-अलग स्तर पर हमें प्रशिक्षण दिया जाता रहता है कि प्रभावी प्रदर्शन के लिए किस तरह प्रयास करने चाहिए। हमारे हाव-भाव, बोलचाल, हमारी वेशभूषा और जूतों तक के बारे में समझाइश दी जाती रहती है, ताकि हमारा पहला प्रभाव सामने वाले पर बेहतरीन रहे। कई बार हम इस विचार पर इतने अधिक केंद्रित हो जाते हैं कि हमें कुछ समय के लिए स्वांग रचने में भी कुछ गलत महसूस नहीं होता। हम सामने वाले की रुचि के हिसाब से उसे प्रभावित करने की जद्दोजहद कर सफल भी हो जाते हैं। प्रश्न अब यह उठता है कि बेहतरीन पहले प्रदर्शन के बावजूद आगे अपेक्षित सफलता क्यों प्राप्त नहीं हो पाती। ऐसे कई उदाहरण हैं कि जिन्होंने शानदार शुरुआत की थी, आगे चलकर गुमनामी के अंधेरों में लुप्त हो गए ।

यह गौर करने वाली बात है कि किसी भी काम की नई शुरुआत तब तक सफल नहीं कही जा सकती, जब तक कि वह हमारे जीवन के सभी आयामों को न छू लेती हो । दूसरे के मन में अमिट छाप छोड़ने से पहले उसका गहरा प्रभाव हमारे भीतर होना आवश्यक है। वही हमारे जीवन की सफलता को सुनिश्चित करता है। हमारे आत्मबल को मजबूत करता है । हम वास्तव में जैसे हैं, बिल्कुल वैसा ही हमें खुद को प्रस्तुत करना चाहिए। अगर बात या कार्य को शुरू करना है तो पहले उसके लिए अपने आपको दीर्घकालिक रूप से योग्य और समर्थ बनाना बहुत जरूरी है। किसी और के सामने सर्वश्रेष्ठ नजर आने के लिए किसी तरह के छल का उपयोग कर भले ही अपने पहले प्रभाव को सिद्ध कर लें, पर उसके बाद का हमारा रास्ता हम खुद ही बेहद जटिल बना लेते हैं। इससे कई गुना प्रभावशाली है वह पहला प्रदर्शन, जिसमें हमारी ईमानदार कोशिशें, संभावनाएं और हमारी कमियां भी नजर आती हों, सीखने-समझने और मेहनत करते रहने का जुझारूपन और ईमानदारी जैसे बुनियादी गुण - मूल्य व्यक्तित्व के वे जरूरी पहलू हैं जो सुनिश्चित करते हैं कि भविष्य में हमारे लिए जो सर्वश्रेष्ठ होगा, वह हमें जरूर प्राप्त होगा ।

कोई भी प्रदर्शन मात्र एक क्षण न होते हुए असल में एक लंबी प्रक्रिया होती है जो दो बिंदुओं से जुड़ी हुई महसूस होती है । अगर पहला प्रदर्शन हमारी शुरुआत है तो हमें उसे बनाए रख कर अपने आप को लगातार परिष्कृत करते हुए हमारे जीवन के आखिरी पड़ाव तक ले कर जाना रहता है। यह एक जिम्मेदारी और मेहनत का काम है । जो चीजें प्रभावित करती हैं, जरा-सी चूक से उतनी ही जल्दी अपना प्रभाव खोने लगती हैं । हमारी छवि किसी के मन में अंकित है, वह दूसरे के मन में उसकी अपेक्षा के रूप में ही विद्यमान रहती है। अब हम अपने आप को उस अपेक्षा से नीचे नहीं ले जा सकते। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमारी पूरी मेहनत बर्बाद हो जाती है और सामने वाले का हम पर से विश्वास खत्म हो जाता है। तब बड़ी दुखद स्थिति बन जाती है।

हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा जीवन परिवर्तनशील और अनिश्चित है। हमारा आज हमारे बीते हुए कल तक हमारा भविष्य था और आने वाले कल में यह हमारा अतीत बन जाएगा। समय लगातार आगे बढ़ रहा है । किसी भी तरह की मुलाकात आखिरी मुलाकात का रूप ले सकती है। हमारा कोई भी शब्द किसी के लिए या हमारे द्वारा कहा गया आखिरी शब्द भी हो सकता है । हम पहले प्रदर्शन को लेकर चिंतित हो सकते हैं, जबकि हमारा हर प्रदर्शन हर बार अपनी छाप किसी न किसी रूप में इस दुनिया में और हमारे अपनों के जीवन पर छोड़ रहा होता है। हम एक बिंदु से दूसरे बिंदु की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं, यह हम पर निर्भर है कि हम कितनी मेहनत कर सकते हैं, कितना सीख सकते हैं, कितना प्यार बांट सकते हैं और अपने जीवन को सार्थकता से जी पाते हैं। जब हम जीवन को उसके संपूर्ण अर्थ में समझ पाते हैं, तब हमारे मन से पहले प्रदर्शन का दबाव समाप्त हो जाता है । हमारे लिए हर दिन एक नया अवसर लेकर आता है जिसमें हम अपनी मेहनत और ईमानदारी से अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर सकते हैं। जीवन की किताब का पृष्ठ पलटने पर हम उसे दुबारा नहीं खोल सकते, नया पन्ना नई संभावना लेकर हमारे सामने आता है। किसी भी समय की गई हमारी ईमानदार कोशिशें हमारे जीवन पर और दूसरों पर गहरी छाप छोड़ जाती हैं।

# सोने का बढ़ा दाम, चांदी भी चमकी; चेक करें लेटेस्ट प्राइस

परिवहन विशेष न्यूज

सोने और चांदी कीमतों में तेजी आई है। इसकी वजह जौहरियों और खुदरा विक्रेताओं की खरीदारी है। गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपये बढ़कर 79720 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी भी 130 रुपये बढ़कर 90630 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। एक्सपर्ट का मानना है कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता के चलते सोने और चांदी की डिमांड बरकरार रहने की उम्मीद है।

**नई दिल्ली।** सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को उछाल देखने को मिला। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की लगातार खरीदारी के कारण गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपये बढ़कर 79,720 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को कीमती धातु 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

गुरुवार को चांदी भी 130 रुपये बढ़कर 90,630 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में सफेद धातु 90,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 24 कैरेट गोल्ड की कीमत बुधवार को 78,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद से 330 रुपये बढ़कर 79,170 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

**अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिला सपोर्ट**

व्यापारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी ने सर्राफा कीमतों को बढ़ावा दिया। इस बीच, एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 205 रुपये या 0.27 प्रतिशत बढ़कर 77,098 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट- कमोडिटी एंड करेंसी, जतिन त्रिवेदी ने कहा,₹घरेलू बाजार में सोने को लेकर सकारात्मक माहौल है। इसे कॉमेक्स गोल्ड के 2,640 डॉलर से ऊपर बने रहने से समर्थन मिला। रुपये की कमजोरी से इस तेजी को और बढ़ावा दिया।'

कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी वायदा 859 रुपये या 0.98 प्रतिशत बढ़कर 88,437 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 8.50 डॉलर प्रति औंस या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 2,649.50 डॉलर प्रति औंस हो गया।

**गिरावट पर खरीद रणनीति अपना सकते हैं निवेशक**

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक - कमोडिटीज सौमिल गांधी ने कहा, ₹नए साल की छुट्टियों के बाद पिछले साल की तेजी के रुझान को जारी रखते हुए, हाजिर सोने ने 2025 के पहले दिन सकारात्मक कारोबार करना शुरू कर दिया।₹ गांधी ने कहा कि व्यापारी अब अमेरिका से प्रमुख मैक्रोइकॉनोमिक डेटा पर ध्यान केंद्रित करेंगे, बेरोजगारी के दावे और गुरुवार और शुक्रवार को जारी होने वाले मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई शामिल हैं।

2025 के परिदृश्य पर टिप्पणी करते हुए ऑगमोंट - गोल्ड फॉर ऑल में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा, "भू-राजनीतिक, राजनीतिक अनिश्चितता के चलते, मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव के रूप में सोने और चांदी की डिमांड बरकरार रहने की उम्मीद है।"

चैनानी ने कहा, "निवेशक 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति अपना सकते हैं, क्योंकि धातु में समय-समय पर उतार-चढ़ाव का अनुमान है, लेकिन अगले 5-6 महीनों के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण अनुकूल बना हुआ है और सोने के लिए कीमतें 3,000 डॉलर (85,000 रुपये) और चांदी के लिए 38 डॉलर (1,15,000 रुपये) तक पहुंचने की उम्मीद है।"

# जल्द जमा करें टैक्स सेविंग इंवेस्टमेंट का प्रूफ, नहीं तो सैलरी से कट जाएगा पैसा

कई लोग टैक्स कटौती का फायदा उठाने के लिए अलग-अलग योजनाओं में निवेश करते हैं। उस पर टैक्स डिडक्शन का लाभ लेते हैं। अगर आपने भी टैक्स-सेविंग इन्वेस्टमेंट किया है तो उसका प्रूफ डेडलाइन से पहले अपनी कंपनी के फाइनेंस डिपार्टमेंट के पास जमा कर दें। ऐसा न करने की स्थिति में आने वाले महीनों में आपकी सैलरी से अतिरिक्त पैसे काटे जा सकते हैं।

**नई दिल्ली।** अगर आपने टैक्स बचाने के लिए निवेश किया है और उस पर टैक्स कटौती का लाभ लिया है, तो उसका प्रूफ जल्द अपने ऑफिस के फाइनेंस डिपार्टमेंट में जमा कर दें। अधिकतर कंपनियों ने टैक्स-सेविंग इन्वेस्टमेंट का प्रूफ सबमिट करने के लिए 15 जनवरी तक की डेडलाइन तय की है। आइए जानते हैं कि टैक्स-सेविंग इन्वेस्टमेंट का प्रूफ सबमिट करना क्यों जरूरी है और अगर आपने प्रूफ सबमिट नहीं किया, तो क्या होगा।

**टैक्स-सेविंग इन्वेस्टमेंट क्या है?**

इनकम टैक्स की पुरानी कर व्यवस्था (Old tax regime) में आपको कई तरह की टैक्स कटौती का लाभ मिलता है। इसमें आप सेक्शन 80सी के तहत एक दर्जन से अधिक योजनाओं में निवेश करके टैक्स बचा सकते हैं। इनमें पीपीएफ, ELSS और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी जैसी स्कीमें शामिल हैं। आप दो बच्चों की ट्यूशन फीस पर डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। वहीं, सेक्शन 80डी के तहत हेल्थ पॉलिसी के प्रीमियम पर डिडक्शन क्लेन करने की इजाजत है।

**टैक्स-सेविंग प्रूफ जमा करना क्यों जरूरी है?**

दरअसल, कंपनियां कर्मचारियों की सैलरी से हर महीने TDS काटती हैं। कर्मचारी हर वित्त वर्ष की शुरुआत में अपनी कंपनी को बताते हैं कि वे टैक्स बचाने के लिए किन योजनाओं में निवेश कर रहे हैं या करने वाले हैं। कंपनियां उसी हिसाब उनकी सैलरी से टैक्स काटती हैं।

फिर जनवरी में वे कर्मचारियों से टैक्स-सेविंग स्कीम में निवेश का प्रूफ मांगती हैं। इसके आधार पर कर्मचारी के पूरे वित्त वर्ष के टैक्स का कैलकुलेशन होता है। फिर कंपनियां उसी हिसाब से सैलरी से पैसा काटकर वित्त वर्ष खत्म होने से पहले यानी 31 दिसंबर तक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पास जमा करती हैं।

**टैक्स-सेविंग प्रूफ सबमिट नहीं किया तो क्या होगा?**

अगर आपने 15 जनवरी या कंपनी की तय डेडलाइन से पहले टैक्स-सेविंग का इन्वेस्टमेंट का प्रूफ नहीं जमा किया, तो आपको आपकी सैलरी से पैसे कट सकते हैं। दरअसल, कंपनी का फाइनेंस डिपार्टमेंट आपकी निवेश योजना के हिसाब से टीडीएस काटता है।

अगर आपने टैक्स बचाने वाले योजना में निवेश नहीं किया है, तो आपकी सैलरी से कंपनी ज्यादा टैक्स काटेगी। ये पैसे जनवरी, फरवरी और मार्च की सैलरी से काटे जाएंगे। इसलिए अगर आप सैलरी से ज्यादा नहीं कटाना चाहते, तो डेडलाइन से पहले टैक्स-सेविंग इन्वेस्टमेंट का प्रूफ जमा कर दें।

# दमदार बिक्री से शेयरों में तगड़ा उछाल, ब्रोकरेज ने भी दी खरीदने की सलाह

मारुति सुजुकी ने दिसंबर 2024 के दौरान कुल 178248 गाड़ियां बेची हैं। अगर कैलेंडर ईयर 2024 की बात करें तो कंपनी ने कुल 1790870 गाड़ियां बेची हैं। इस दौरान स्विफ्ट BALENO का काफी अच्छा प्रदर्शन रहा। इसका असर मारुति सुजुकी के शेयरों पर भी नजर आ रहा है। आज मारुति के शेयर 4 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी के प्रोडक्शन और सेल्स में दिसंबर के दौरान शानदार ग्रोथ देखने को मिली। उसका प्रोडक्शन 30 फीसदी बढ़कर 1 लाख 60 हजार यूनिट पहुंच गया। बिक्री में भी करीब 30 फीसदी बढ़ोतरी दिखी है। इसका असर मारुति सुजुकी के शेयरों में भी दिख रहा है। आज मारुति सुजुकी के 4 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

**दिसंबर में मारुति सुजुकी की बिक्री कैसी रही?**

Maruti Suzuki ने December 2024 के दौरान कुल 1,78,248 गाड़ियां बेचीं। इसमें घरेलू बाजार में 1,40,829 गाड़ियों की बिक्री हुई। वहीं, 37,419 गाड़ियों का कंपनी ने निर्यात किया है। यह मारुति सुजुकी का किसी एक महीने में सबसे अधिक निर्यात का रिकॉर्ड है।

अगर कैलेंडर ईयर 2024 की बात करें, तो कंपनी ने कुल 17,90,870 गाड़ियां बेची हैं। इस दौरान स्विफ्ट, BALENO और WAGON R का काफी अच्छा प्रदर्शन रहा। मारुति सुजुकी 17 जनवरी को पहली इलेक्ट्रिक व्हीकल लॉन्च करने वाली है। यह गाड़ी दिल्ली में होने वाले भारत मोबिलिटी शो में EV होगी। मारुति सुजुकी का कहना है कि अब वह एक्सपोर्ट पर फोकस बढ़ा रही है।

**मारुति सुजुकी के शेयरों का क्या हाल है?**

मारुति सुजुकी के शेयर आज दोपहर 12.30 बजे तक 4.63 फीसदी तेजी के साथ 11,727.45 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। हालांकि, पिछले 6 महीनों से मारुति के शेयरों की रफ्तार काफी सुस्त रही। इस दौरान निवेशकों को करीब 3 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न मिला है। वहीं, 1 साल में मारुति के शेयरों से निवेशकों की 15 फीसदी तक कमाई हुई है। मारुति सुजुकी का मार्केट कैपिटल 3.68 लाख करोड़ रुपये का है।

**मारुति सुजुकी पर क्या है ब्रोकरेज की राय**

ब्रोकरेज फर्मों का रुख मारुति सुजुकी पर काफी बुलिश है। ब्रोकरेज फर्म सिटी ने 13,500 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ इसे खरीदने की सलाह दी है। सिटी का कहना है कि त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री से पता चलता है कि मारुति के पास इन्वेट्री का कोई बड़ा भंडार जमा नहीं हुआ है।

वहीं, एक अन्य ब्रोकरेज हाउस आनंद राठी ने मारुति सुजुकी के शेयर को 13,800 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। सेंट्रम ब्रोकिंग ने BUY रेटिंग के साथ 16,060 रुपये का टारगेट दिया है। यह मारुति सुजुकी के लिए सबसे अधिक टारगेट प्राइस है।

# विदेशी निवेशकों की बिकवाली पर लगाम लगाने की तैयारी, वित्त मंत्री बजट में कर सकती हैं तगड़ा इंतजाम

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट से पहले शेयर बाजार के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की। इसमें विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली पर रोक लगाने के उपायों की चर्चा हुई। बैठक में शामिल कुछ प्रतिनिधियों ने अनिश्चित वैश्विक हालात खास तौर पर अमेरिका में होने वाले सत्ता परिवर्तन के बाद उसकी आर्थिक नीतियों में बदलाव का उदाहरण देते हुए भारत के स्तर पर भी तैयार रहने की बात कही।

**नई दिल्ली।** अगर वित्तीय बाजार के विश्लेषकों व विशेषज्ञों की राय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मान ली तो आगामी बजट में भारत के शेयर बाजार से पैसा निकालते विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाये जा सकते हैं।

वैसे तो इसकी मांग घरेलू बाजार विश्लेषकों की तरफ से काफी लंबे समय से हो रही है लेकिन गुरुवार को वित्त मंत्री और वित्त मंत्रालय के दूसरे उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में शेयर बाजार की स्थिति और भारतीय पूंजी बाजार को ज्यादा आकर्षक बनाये जाने के विषय पर हुई चर्चा में FII की स्थिति काफी प्रमुखता से उठा।

**अमेरिका में होने वाले सत्ता परिवर्तन पर भी हुई चर्चा**

यह वित्त मंत्रालय की तरफ से आयोजित सातवीं बजट पूर्व बैठक थी। इसमें वित्तीय सेक्टर के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है। बैठक में शामिल कुछ प्रतिनिधियों ने अनिश्चित वैश्विक हालात, खास तौर पर अमेरिका में होने वाले सत्ता परिवर्तन के बाद उसकी आर्थिक नीतियों में बदलाव का उदाहरण देते हुए भारत के स्तर पर भी तैयार रहने की बात कही।

एक प्रतिनिधि ने भारतीय शेयर बाजार के आधारभूत तत्वों को मजबूत बताया लेकिन देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की बात कही और इस संदर्भ में एक बेहद प्रभावशाली तरीके से निगमित पूंजी बाजार को बनाये रखने की जरूरत बताई। ताकि कॉरपोरेट सेक्टर को आसानी से पूंजी जुटाने का यह माध्यम बना रहे।

**2024 में शेयर बाजार से कंपनियों ने जुटाए 1.59 लाख करोड़**

पिछले साल भारतीय शेयर बाजार से 91 कंपनियों ने कुल 1.59 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। इसमें से कई कंपनियां अपनी प्रारंभिक दौर में है। इसमें से कई आइपीओ ने आम निवेशकों को कम अवधि में बढ़िया रिटर्न दिया है।

यह सिलसिला चालू साल 2025 में भी जारी रहने की संभावना है। बैठक में शामिल कुछ विशेषज्ञों ने FII की तरफ से निवेश निकालने की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करवाया है और बजट से प्रोत्साहन की मांग की है। यह वित्तीय प्रोत्साहन प्रत्यक्ष या परोक्ष दोनों तौर पर हो सकता है।

**विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में क्यों कर रहे हैं बिकवाली**

सनद रहे कि सरकार की तरफ से महंगाई को रोकने, बजटीय घाटा कम करने या आम जनता को कर छूट देने जैसे तमाम घोषणाओं से भी शेयर बाजार पर सीधा असर होता है। भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ महीनों से अस्थिरता का माहौल है और इसके लिए मुख्य तौर पर FII की तरफ से भारत से निवेश को निकाले जाने का कारण बताया जाता है। FII की तरफ से इस बात की चिंता जताई गई है कि भारत के लिए अगले दो वर्षों के दौरान मांग को बनाये रखना मुश्किल होगा। साथ ही ब्याज दरों के उच्च स्तर पर रखा जाना भी एक कारण विशेषज्ञ मानते हैं।

वर्ष 2024 में 27 दिसंबर, 2024 तक FII ने भारतीय बाजार से 1,19,277 करोड़ रुपये का निवेश बाहर निकाला है। 01 जनवरी, 2025 को जब शेयर बाजार ने 368 अंकों की छलांग लगाई तब भी FII ने 1782.71 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। बिकवाली का यह दौर पिछले कई वर्षों का सबसे ज्यादा है। यह स्थिति तब है जब भारतीय शेयर बाजार ने कई दूसरे विकासशील देशों के शेयर बाजार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है।

# एटीएम से निकलेगा PF का पैसा, ऐप की भी मिलेगी सुविधा; जानिए कैसा होगा EPFO 3.0

परिवहन विशेष न्यूज

PF ATM Withdrawal अभी EPFO अकाउंट का इस्तेमाल का काफी मुश्किल है। यह बिल्कुल भी यूजर-फ्रेंडली नहीं लगता है। इस बात से श्रम मंत्रालय भी वाकिफ है। इसलिए EPFO 3.0 लाने की तैयारी कर रहे है। इससे पीएफ खाते का उपयोग मोबाइल बैंकिंग जितना आसान हो जाएगा। पीएफ खाताधारक एटीएम का इस्तेमाल करके भी पैसे निकाल पाएंगे। आइए इसके सभी फीचर के बारे में विस्तार से जानते हैं।

**नई दिल्ली।** नए साल 2025 में निजी क्षेत्र के कर्मियों के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा कवच कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के खातों को बैंक खातों की तरह संचालन करने को हकीकत में बदला जाएगा। कर्मचारी भविष्य निधि खातों को बैंकिंग ट्रांजैक्शन जैसा सुविधाजनक बनाने के तीसरे चरण के सुधार ईपीएफओ 3.0 लागू किए जाएंगे। मोबाइल बैंकिंग की तरह ईपीएफओ खाता धारकों को मोबाइल ऐप से अपने खाते का संचालन करने का विकल्प भी मिलेगा।

**इस साल बदल जाएगी ईपीएफओ की सूरत**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के माध्यम से इसके आधुनिकीकरण और सुधारों में जुटे श्रम मंत्रालय को उम्मीद है कि इस साल के मध्य में ईपीएफओ खातों की सीरत ही नहीं सूरत भी पूरी तरह बदल जाएगी। कर्मचारी भविष्य निधि खातों से जुड़ी तमाम समस्याओं, शिकायतों और चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए फिलहाल ईपीएफओ 2.0 सुधारों को लागू किया जा रहा है। दूसरे चरण के इस सुधार का सबसे बड़ा लक्ष्य ईपीएफओ खातों से जुड़ी त्रुटियों का समाधान कर इसके सदस्यों को अपने खाते से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण जानकारियों को एक क्लिक में मुहैया कराना है।

श्रम मंत्रालय के उच्चपदस्थ सूत्रों ने बताया कि ईपीएफओ 3.0 को लागू करने से पूर्व दूसरे चरण के सुधारों को तेजी से कार्यान्वित किया जा रहा है और इसी जनवरी-फरवरी में इसे पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्रालय ने इसके लिए एक विशेषज्ञ आइटी सलाहकार की नियुक्ति भी की है। ईपीएफओ 2.0 सुधारों का सबसे बड़ा लक्ष्य कर्मचारी भविष्य निधि खातों का कोर बैंकिंग खातों की तर्ज पर पूरी तरह केंद्रीयकृत करने का है।

**आसानी से कर सकेंगे अकाउंट एक्सेस**

अभी ईपीएफओ खाते के आंकड़े और ब्यौरे कई बार क्षेत्रीय कार्यालयों के स्तर पर ही रह जाने की शिकायतें आती हैं तो तबादले या नौकरी बदलने से जुड़े मामलों में कई बार खातों के समायोजन की शिकायतें सामने आती हैं। खातों का केंद्रीयकरण हो जाने के बाद सदस्यों को न केवल अपने अकाउंट सहजता से एक्सेस करने की सुविधा होगी बल्कि हर महीने के ईपीएफ अंशदान के आने से लेकर पेंशन फंड आदि के योगदान का ब्यौरा भी देखने को मिलेगा।

ईपीएफ खातों को बैंकिग की तरह सुविधाजनक बनाने के लिए श्रम मंत्रालय ने सुधारों के तीसरे चरण यानी ईपीएफओ 3.0 को इस साल जून-जुलाई तक कार्यान्वित करने का लक्ष्य तय किया है। इसमें कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सदस्यों के खातों को कोर बैंकिंग की तर्ज पर अपडेट कर दिया जाएगा और संचालन के लिए भी वैसी ही सुविधा दी जाएगी।

**ईपीएफ खातों के लिए आएगा खास ऐप**

मोबाइल बैंकिंग की तरह ईपीएफ खातों के लिए एक विशेष ऐप भी तैयार हो रहा है जिसके जरिए सदस्य अपने खाते में आने वाले मासिक योगदान, पेंशन फंड से लेकर पूर्व की नौकरियों के अंशदान आदि सबका ब्यौरा उन्हें अपनी मोबाइल पर भी उपलब्ध होगा। तीसरे चरण के इन सुधारों के तहत ही बैंक एटीएम की तरह सदस्यों को ईपीएफओ एटीएम कार्ड की सुविधा मिलेगी।

हालांकि इस एटीएम कार्ड के जरिए ईपीएफओ से निकासी वर्तमान नियमों और अधिकतम सीमा के दायरे में ही होगी। श्रम मंत्रालय के वरिष्ठ सूत्रों ने इस बारे में कहा कि वास्तव में ईपीएफओ 3.0 सुधार देश में सामाजिक सुरक्षा के इस सबसे बड़े संगठन के सदस्यों की अपनी ही जमा धनराशि के लिए इधर-उधर चक्कर लगाने के वर्तमान दौर को खत्म कर देगी।

# लोन मोरेटोरियम देता है EMI चुकाने से राहत, पर इन बातों का रखें ध्यान, नहीं तो हो जाएगा भारी नुकसान

परिवहन विशेष न्यूज

EMI moratorium लोन मोरेटोरियम एक अस्थायी राहत है जिसमें बैंक या वित्तीय संस्थान उधारकर्ता को कुछ समय के लिए ईएमआई चुकाने से से छूट देता है। यह राहत आमतौर पर आर्थिक संकट बीमारी या किसी अन्य असामान्य हालत में दी जाती है। आइए जानते हैं कि लोन मोरेटोरियम के फायदे और नुकसान क्या है और क्या आपको इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

**नई दिल्ली।** अगर आप किसी आर्थिक परेशानी में हैं और आपको पर्सनल लोन की EMI चुकाने में दिक्कत हो रही है, तो आप मोरेटोरियम सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे किस्त चुकाने से अस्थायी तौर पर राहत मिल जाती है। इसकी शुरुआत RBI ने कोरोना महामारी के दौरान की थी। उस समय बहुत से लोगों के पास कमाई कोई साधन नहीं था। वे अपने लोन की ईएमआई नहीं चुका पा रहे थे और कई लोग लोन पर डिफॉल्ट कर रहे थे। हालांकि, आपको लोन मोरेटोरियम सुविधा का लाभ अंतिम के विकल्प तौर पर करना चाहिए, क्योंकि इसके कुछ नुकसान भी हैं।

**लोन मोरेटोरियम क्या है?**

Moratorium का मतलब होता है कि किसी चीज को स्थगित करना यानी उस पर अस्थायी रोक लगाना। अगर पर्सनल लोन पर मोरेटोरियम की बात करें, तो इसका मतलब होता है कि आप लोन की EMI चुकाना कुछ समय के लिए बंद कर सकते हैं। इससे आपका लोन खत्म नहीं होता है, बल्कि कुछ समय के लिए स्थगित हो जाता है। इस सुविधा का मकसद नौकरी छूटने, कारोबार में नुकसान या किसी अन्य वित्तीय संकट के वक्त लोगों को राहत पहुंचाना है।

**लोन मोरेटोरियम के फायदे**

लोन मोरेटोरियम से वित्तीय संकट के समय कर्ज लेने वाले लोगों को राहत मिलती है। यह वित्तीय संकट कुदरती आपदा, नौकरी छूटने, कारोबार में नुकसान, मेडिकल इमरजेंसी या किसी अन्य वजह से आ सकता है। लोन मोरेटोरियम (Loan Moratorium) के दौरान मासिक किस्त देने की जरूरत नहीं होती है। इससे वित्तीय संकट से निपटने में मदद मिलती है। लोन मोरेटेरियम की वजह से लोन लेने वाला शख्स डिफॉल्ट होने से बच जाता है। साथ ही, EMI न चुकाने से उसके क्रेडिट स्कोर पर कोई भी नकारात्मक असर नहीं पड़ता।

**लोन मोरेटोरियम के नुकसान**

लोन मोरेटोरियम के दौरान ब्याज दर लागू रहती है। इसका मतलब है कि आपके लोन की रकम बढ़ती रहेगी। कर्ज लेने वाले शख्स को लोन मोरेटोरियम के दौरान अतिरिक्त ब्याज देना पड़ सकता है। इससे लोन की रकम बढ़ सकती है, जिससे उसका आर्थिक संकट और भी बुरा हो सकता है। इससे लोन चुकाने की अवधि भी बढ़ सकती है। इसका मतलब है कि कर्ज लेने वाले को अधिक समय तक लोन का भुगतान करना पड़ेगा। लोन मोरेटोरियम को आपकी क्रेडिट रिपोर्ट में दर्ज किया जाता है। इससे आगे चलकर लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

**लोन रिस्ट्रक्चरिंग बेहतर विकल्प**

आपको लोन मोरेटोरियम का इस्तेमाल तभी करना चाहिए, जब कोई और विकल्प न हो। यह बस अस्थायी राहत देता है और आखिर में आपका वित्तीय बोझ बढ़ने का खतरा रहता है। आपको लोन मोरेटोरियम के बजाय लोन रिस्ट्रक्चरिंग के लिए बैंक से बात करनी चाहिए। इसमें आप अपने बैंक को अपनी वित्तीय परेशानी के बारे में बता सकते हैं और उससे लोन की शर्तें आसान करने या ईएमआई कम करने की गुजारिश कर सकते हैं।

# आखिर क्यों खतरनाक गोला-बारूद खरीदने जा रही सरकार? जानिए क्या है केंद्र की प्लानिंग और कैसे होगा इस्तेमाल

केंद्र सरकार भारतीय सेना की वायु रक्षा क्षमता को मजबूत बनाने में जुट गई है। सरकार ने देश की कंपनियों से 23 मिमी गोला-बारूद के उत्पादन से जुड़ा ब्योरा मांगा है। हाल के युद्धों के विश्लेषण के बाद यह जानकारी सामने आई है कि वायु रक्षा प्लेटफॉर्म को तबाह करने में आत्मघाती ड्रोनों की भूमिका अहम रही है। अब सरकार इनके खिलाफ योजना बनाने में जुट गई है।

**नईदिल्ली।** भारतीय सेना की मौजूदा वायु रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए सरकार ने भारतीय कंपनियों से 23 मिमी एंटी-ड्रोन गोला-बारूद के उत्पादन के लिए जानकारी (आरएफआई) मांगी है। यह गोला-बारूद ड्रोन नष्ट करने के लिए मौजूदा जू 23 मिमी और शिल्का वेपन सिस्टम में इस्तेमाल किए जाएंगे और दुश्मन ड्रोन के पास पहुंचते ही फट जाएंगे, जिससे इनकी निशाने को नष्ट करने की संभावना बढ़ जाएगी।

**हमला करने वाले ड्रोन असरदार :** पहली जनवरी को जारी आरएफआई का मकसद मेक इन इंडिया के तहत सार्वजनिक क्षेत्र या निजी निर्माण इकाइयों की पहचान और चयन करना है। आरएफआई के अनुसार हाल की लड़ाइयों से पता चला है कि दुश्मन की वायु रक्षा को कमजोर करने और जमीन पर तैनात सेना के वायु रक्षा प्लेटफार्म पर सटीक निशाना लगाने में हमला करने वाले ड्रोन और खुद फट जाने वाले ड्रोन का काम असरदार रहा है।

**कैसे होते हैं सीओटीएस किस्म के ड्रोन ? :** सीओटीएस किस्म के ड्रोन आकार में छोटे, बचने की ज्यादा क्षमता, कम कीमत के साथ कम राडार क्रास सेक्शन वाले होते हैं और मौजूदा प्रणाली के गोला-बारूद से इन्हें गिराना चुनौती भरा है। इसलिए ऐसे गोला-बारूद की जरूरत है जो मौजूदा सिस्टम में काम करे। दोनों मौजूदा प्रणालियों में तेज रफ्तार एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम है, जो महत्वपूर्ण और कमजोर स्थानों पर तैनात हैं। इनमें 23 मिमी आर्मर पियर्सिंग इंसेंडरी ट्रेसर और हाई एक्सप्लोसिव इंसेंडरी ट्रेसर गोला-बारूद होता है। हालांकि, इन दोनों के लक्ष्य पर लगने की संभावना कम है क्योंकि इन्हें मैनुअल ढंग से चलाया जाता है और निशाने से टकराने के बाद ही गोला-बारूद फटता है। जबकि नए गोला-बारूद में ड्रोन के करीब पहुंचते ही या एक निर्धारित समय बाद फटने की क्षमता होनी चाहिए।

## इसी मैंने मे ओड़िशा कोंग्रेस अधख्य नियुक्त होंगे

**मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा**

**भूबनेश्वर :** नये पीसीसी अध्यक्ष इस महीने के अंत तक कार्यभार संभाल लेंगे। राज्य कांग्रेस का आयोजन एक से दो महीने के भीतर किया जाएगा। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जयदेव जेना ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता संगठित होकर लड़ाई के लिए मैदान में उतरेंगे।श्री जेना ने कहा कि ओडिशा में बीजद को नकार दिया गया है। भाजपा शासन करने में विफल रही है। इसलिए कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खुमाल्दे पहले ही निर्णय ले चुके हैं। कांग्रेस नेताओं को एकजुट होकर लड़ने की चेतावनी दी गई है। प्रदेश कांग्रेस को चलाने की जिम्मेदारी जिसे भी दी जाएगी, सभी नेता उसके साथ काम करेंगे। मैं अपनी ओर से यह भी वादा करता हूं कि कांग्रेस आलाकमान जिसे भी जिम्मेदारी देगा, उसके नेतृत्व में हम एकजुट होकर लड़ेंगे। हाईकमान ने ओडिशा कांग्रेस के बारे में विस्तृत जानकारी जारी की है। यह आपदा क्यों हो रही है, पार्टी क्यों हार रही है ? वे सब कुछ जानते हैं। पीसीसी उसी को जिम्मेदारी देगी जो टीम को आगे ले जा सके। तो जो भी पार्टी के खिलाफ काम करता है। श्री जेना ने चेतावनी दी है कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## पुरी में श्रद्धालुओं की गिनती शुरू, इस बार श्रद्धालुओं की संख्या ने तोड़ा रिकॉर्ड

**मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा**

**पुरि/भुबनेस्वर :** आज नए साल के अवसर पर पुरी में लाखों श्रद्धालु एकत्रित हुए हैं। कालिया के दर्शन के लिए आज पुरी में हजारों भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। पुरी प्रशासन ने इस भीड़ पर नजर रखने के लिए सख्त नियम बनाए हैं। सुरक्षा के लिए पुलिस की 60 प्लाटूनें तैनात की गई हैं।दोपहर एक बजे तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके थे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस श्रद्धा पर नजर रख रही है। इस बार श्रद्धालुओं की संख्या ने रिकार्ड तोड़ दिया। पुरी एसपी भीनीत अग्रवाल ने इस संबंध में जानकारी दी है। नये साल के उपलक्ष्य में मंदिर में भगवान शिव के दर्शन का सिलसिला पूरी रात चलता रहेगा। भीड़ को सिंहद्वार से प्रवेश करने तथा तीन अन्य द्वारों से बाहर निकलने की अनुमति होगी।

# डॉ एम एल भास्कर ने 300 बुजुर्गों में बाटी शाल

**परिवहन विशेष न्यूज**

– नव वर्ष पर आरडब्लयूए ने किया 300 लोगों को सम्मानित

**नई दिल्ली।** रेज़िडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन आई एंड जे ब्लॉक के अध्यक्ष डॉ एम एल भास्कर के द्वारा आज नववर्ष के शुभ अवसर पर जहांगीर पुरी वार्ड नं 18 में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के आदेशानुसार साठ साल के लगभग 300 बुजुर्गों को शाल वितरित की गई। जिसमें रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शौकीन, जयप्रकाश राणा, धर्मवीर यादव, अशोक यादव, एडवोकेट अखिलेश, विक्रम शुक्ला, सूरज भान, अशोक भास्कर, भैरो भाई, नाज प्रोपर्टी के के बोस भाई, अलाउद्दीन, रविंद्र गुप्ता, दीपक प्रजापति, भोले शंकर, आज़म भाई आसिम भाई के अलावा सभी क्षेत्रीय कांग्रेसी नेता सहित कई लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर डॉक्टर एम एल भास्कर ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई भी कार्य नहीं होता है, इसलिए सभी को समाज सेवा के क्षेत्र में आना चाहिए और बड़े बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। आज नव वर्ष के उपलक्ष में माननीय दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में लगभग 300 लोगों का सम्मान करने का अवसर हम सभी को मिला है। मैं सभी क्षेत्रवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देता हूं। इस मौके पर कई लोगों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

**परिवहन विशेष न्यूज**

जीडिमेटला स्थित सीरवी समाज आईमाता जी बडेर में काग परिवार चिंतल द्वारा आयोजित अतिथियों के सम्मान समारोह में कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य पदाधिकारियों आयोजक मांगीलाल , कालुराम ,भूराराम ,रामलाल भंवरलाल बाबूलाल, विनोद , बाबूलाल काग आखील भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश महासचिव सोहनलाल हाम्बड़, सीरवी समाज पारसीगुटा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सीरवी शिक्षा समिति पारसी गुटा अध्यक्ष लाबुराम पंवार, सलाहकार परसराम बर्फा, श्री आईजी सेवा संघ अध्यक्ष भंगाराम मुलेवा, गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सीरवी समाज संगा रेड्डी बडेर अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया, सीरवी समाज बडेर तुपरान अध्यक्ष ,व आईजी बाल संस्कार केन्द्र तुपरान सचिव लिखमाराम मुलेवा , सीरवी समाज मनीकोण्डा बडेर अध्यक्ष बाबूलाल भायल ,पूर्व महासभा महासचिव व जीडिमेटला बडेर पूर्व अध्यक्ष चेनाराम चोयल, प्रेम पंवार, भंवरलाल काग, रावतराम बर्फा , दुर्गाराम मुलेवा,सोहनलाल परिहार, अर्जुनलाल बर्फा,सन्तोष चोयल बाबूलाल मुलेवा, किशनसिंह राठौड़, भंवरलाल मुलेवा, जोराराम सोलंकी, मंगलराम पंवार, नारायणलाल आगलेचा,शेषाराम पंवार, अशोक हाम्बड़, मूलाराम पंवार, प्रकाश चोयल, मांगीलाल सोलंकी, शंकर लाल बर्फा, सोहनलाल हाम्बड़,किशनलाल राठौड़ ,चुतराराम सानपुरा, गोपाराम मुलेवा, रमेश मुलेवा,भुण्डाराम बर्फा, सुरेश मुलेवा, भुराराम सैणचा, हिम्मताराम पंवार , भुराराम,भेराराम,राजुराम, उदाराम, चेनाराम,नरेश मुलेवा,सुरेश दिलीप नरेश हेमंत अमित काग व समाज बंधु

# जिला कलक्टर नमित मेहता का शाहपुरा और बनेड़ा दौरा

पूर्व जिला शाहपुरा के कलेक्ट्रेट कार्यालय और बनेड़ा में उपखंड कार्यालय का किया निरीक्षण

**परिवहनविशेष अनूप कुमार शर्मा,** भीलवाड़ा जिला कलक्टर नमित मेहता गुरुवार को जिले के शाहपुरा और बनेड़ा क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान जिला कलक्टर ने पूर्व जिला शाहपुरा के कलेक्ट्रेट कार्यालय और बनेड़ा में उपखण्ड कार्यालय का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) ओपी मेहरा भी मौजूद रहे।

विभिन्न अनुभागों का का निरीक्षण कर रिकॉर्ड संधारण और स्थानांतरण को लेकर दिए निर्देश-

जिला कलक्टर मेहता ने पूर्व जिला शाहपुरा के कलेक्ट्रेट कार्यालय के निरीक्षण के दौरान न्याय अनुभाग, राजस्व, लेखा, एलआर सेक्शन, सहायता, संस्थापन, सामान्य, डीआरए सेक्शन, सतर्कता, आवक-जावक, निर्वाचन कक्ष का निरीक्षण कर अनुभाग प्रभारियों तथा कर्मचारियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सभी अनुभाग प्रभारियों को पत्रावलियों के उचित एवं व्यवस्थित संधारण और रिकॉर्ड के भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट में स्थानांतरण के संबंध में दिशा निर्देश प्रदान किए। मेहता ने इसके पश्चात बनेड़ा में उपखण्ड कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और उपखंड अधिकारी बनेड़ा को आमजन की समस्याओं, राजस्व मामलों सहित लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर नियमित सुनवाई करते हुए शीघ्र निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कार्यालय से संबंधित विभिन्न लंबित कार्यों के निस्तारण के बारे में विस्तृत चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की साफ-सफाई, विभिन्न दस्तावेजों की जांच, रख-रखाव की व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने रिकॉर्ड के सुव्यवस्थित संधारण के संबध में भी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अभिलेखों को पूरी तरह अपडेट रखने के साथ ही लंबित वाद और जन शिकायतों के निस्तारण में तेजी पर विशेष जोर दिया। साथ ही, उन्होंने राजस्व न्यायालय में दायर वाद के निर्णय किए जाने तथा राजस्व लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के भी निर्देश दिए।

## अपराधियों के खिलाफ सीपी अखिल के सफलतम कार्यकाल की वर्षगांठ का साक्षी बना कानपुर : दर्जनों गिरफ्तार

– घटनाओं के सटीक खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ देश में पहली बार पत्रकार रुपी अपराधी अवनीश गिरोह का भंडाफोड़ को लेकर चर्चा में रहा पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार का कार्यकाल

**सुनील बाजपेई**

**कानपुर।** यहां पुलिस कमिश्नरी का गठन अपराधियों के खिलाफ अपने इरादे के पूर्ण करने में सफल साबित हुआ है। इस बीच देश में पहली बार पत्रकार रूपी शातिर अपराधी गैंगस्टर अवनीश दीक्षित गिरोह के भंडाफोड़ समेत बड़ी संख्या में सटोरियों, जुआंड़ियों , बलात्कारियों, अपहरण कर्ताओं ,चोरों, लुटेरों ,राहजनों और वांक्षित इनामियों की गिरफ्तारी के साथ ही चोरी लूट का माल- नकदी ,तमंचे और कारतूस आदि की भी बरामदी की गई। बीते साल में अखिल कुमार की नेतृत्व कुशलता ने जान जोखिम में डालकर की गई मुठभेड़ में भी अनेक शातिरों को घायल कर जेल की हवा खिलाने में भी उल्लेखनीय और सराहनीय सफलता प्राप्त की। जिसने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में कानपुर को अव्वल भी साबित किया।

अपराधियों के खिलाफ संतोषजनक प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की हर सम्भव सहायता के मामले में इस पूर्णता का पूर्ण श्रेय भी यहां पुलिस कमिश्नर के रूप में नियुक्त चल रहे देश प्रदेश के कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली के वरिष्ठ आईपीएस अखिल कुमार की दूरदर्शिता पूर्ण व्यवहार कुशलता और कठोर परिश्रम वाले कुशल नेतृत्व को ही जाता है।

खास बात यह भी कि कानपुर को जुझारू पुलिस कमिश्नर के रूप में हर दृष्टिकोण से सफलतम आई पीएस एडीजी अखिल कुमार की पहली वर्षगांठ मनाने का भी सौभाग्य मिला है। बीते साल की 3 जनवरी को कानपुर के पुलिस कमिश्नर बनाए जाने के बाद योगी सरकार की मंशा पर खरे उतारते हुए कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ जनहित में सराहनीय सफलता का उनका क्रम लगातार जारी है।

इसी के साथ कानपुर के संदर्भ में बीता साल 2024 पत्रकारिता से अपराधियों के सफाए के लिए भी सदैव याद रखा जाएगा। जिसका पूर्ण श्रेय त्वरित निर्णय में अग्रणी पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की निडरता यानी अदम्य साहस, उनकी निष्पक्षता, उनकी पारदर्शिता और उनके जुझारू स्वभाव को जाता है। वह देश के पहले आईपीएस हैं, जिन्होंने पत्रकार रूपी अपराधी माफिया गिरोह अवनीश दीक्षित को बेनकाब करने जैसा पत्रकारिता की हित में सराहना की सीमा तोड़ने वाला कार्य किया है। याद रहे कि भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में पत्रकारिता की आड़ में हर तरह अपराध करने वाले इस तरह के शातिर माफिया गिरोह का भंडाफोड़ इसके पहले कभी नहीं किया गया।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक यही नहीं निर्दोष फ़ंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोक हित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने वाले वरिष्ठ आई पी एस अखिल कुमार ने अपराधियों के खिलाफ अबतक जिस तरह की सफल रणनीति अपनाई, उसके फलस्वरूप हर तरह के अपराधी, माफिया, चोर लुटेरे, राहजन और बलात्कारी आदि भी कानून के शिकंजे में फंसने से नहीं बच सके।

# नव वर्ष के आगमन में ट्रस्ट की महिलाओं ने किया वृक्षारोपण

**परिवहन विशेष न्यूज**

**नईदिल्ली।** अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट की महिला टीम ने नव वर्ष 2025 के आने के आगमन में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए कई जगह वृक्षारोपण किया । ट्रस्ट की सचिव विमलेश देवी का मानना है कि पर्यावरण दिवस पर हम सभी पौधे लगाते हैं लेकिन हर विशेष मौके पर हम सभी का एक दो पौधे अवश्य लगाने चाहिए तभी तो हमारी पृथ्वी दुल्हन की तरह हरी भरी बनी रहेगी। हमें ऑक्सीजन भी अधिक से अधिक मात्रा में मिलेगी । वातावरण शुद्ध बना रहेगा दूषित वायु से बचे रहेंगे। अधिक पौधे लगाने से बरसात भी अधिक मात्रा में होगी। पर्यावरण का संतुलन बना रहेगा। इसलिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं वह उनकी अच्छी तरह से देख रेख करके पेड़ पौधों को सुरक्षित रखें। पेड़ पौधों से हमें छाया फल फूल ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में मिलती है इसलिए सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करें। एक वृक्ष 10 पुत्र समान माना जाता है। पेड़ पृथ्वी व पर्यावरण को सुरक्षित रखने में विशेष महत्व रखते हैं। यह धरती के मूल निवासी और हमारे अस्तित्व की मुख्य आवश्यकता है। हम सब को ट्रस्ट के संस्थापक डॉ ह्रदयेश कुमार को भी बहुत बहुत हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देते हैं कि उन्होंने अपने आप को समाज हित में समर्पित कर एक बहुत बड़ा मंच दिया है जिसमें हम इस इस नेक काम को करने में सक्षम हैं और हमेशा ही समाज हित में समर्पित हो कर कार्य करते रहेंगे

इसी विचारधारा को लेकर अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट की महिलाओं ने फरीदाबाद सैक्टर 3 पार्क व सोसाइटी में और भी अन्य कई जगह पौधे लगाए। नव वर्ष अर्थात 2025 का शुभ आरंभ महिलाओं ने पेड़ों के माध्यम से ही किया। पर्यावरण सुरक्षित के लिए पेड़ हैं जरूरी, तभी रहेगी सुरक्षित हमारी भावी पीढ़ी।

## नया साल सावलिया पारस प्रभु के संग मनाया।

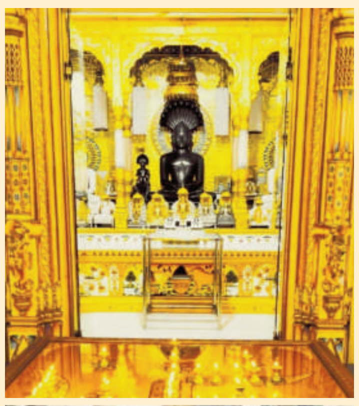

तीन लोक के नाथ इन्दौर के सबसे प्रचीनतम दिगम्बर जैन मंदिर नसिया जी के मूलनायक भगवान पारस नाथ की भक्ति मे सभी भक्त जनों झूम झूम के नाचें ।।जैन भजनों की धून पर इन्दौर के युवा भजन गायक अंश जैन के सानिध्य में सुरमधुर भजनों की सुंदर प्रस्तुत दी गई ।पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जबरी बाग़ नसिया जी इन्दौर में देर रात तक भक्ताम्बर जी का पाठ किया गया। सभी ने वर्ष 2025 की अगवानी पूर्ण भक्ति भाव से की खासकर युवा वर्ग भी शमिल हुए । इस अवसर समाज के प्रकाशचंद शास्त्री, हाईकोर्ट के सिनियर एडवोकेट वीर कुमार जैन, महेन्द कुमार जैन, दीपक जैन, राजेश जैन, राजेन्द्र जैन , सचिन जैन, आदि सभी समाजजन शमिल हुए। यह जानकारी मिडिया प्रभारी हरिहर सिंह चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

## बागोर के लाल ने किया कमाल।

-आंध्रप्रदेश और तेलंगाना राज्य में लहराया अपना परचम।

-वेद अध्ययन में हुई प्रतिस्पर्धा में भाग लेकर पाया प्रथम स्थान।

**परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा**

भीलवाड़ा जिले के बागोर निवासी संस्कृत वेद अध्ययनरत छात्र युवराज योगेंद्र शर्मा ने तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित हुई राज्य स्तरीय वेद अध्ययन प्रतिस्पर्धा में भाग लेकर आंध्रप्रदेश व तेलंगाना राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने कुल के साथ ही बागोर ग्राम और जिले के साथ-साथ राजस्थान राज्य का भी नाम रौशन किया हैं। जो कि बहुत ही गौरवमयी बात भी हैं।

बागोर निवासी पत्रकार विष्णु विवेक शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनका पुत्र युवराज योगेंद्र शास्त्री तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरूपति से प्रोफेसर डॉंक्टर टी उमेश भट्ट के सानिध्य में आचार्य अध्ययन कर रहा हैं।

शर्मा ने बताया कि श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरूपति के प्रोफेसर डॉंक्टर टी उमेश भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति में 30 और 31 दिसंबर 2024 को आयोजित हुई राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा में मीमांसा विभाग का छात्र युवराज योगेंद्र शर्मा ने मीमांसा शलाकास्पर्धा में भाग लेते हुए आंध्रप्रदेश व तेलंगाना राज्य के अन्य वेद छात्रों को पीछे छौड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं।

प्रोफेसर डॉंक्टर टी उमेश भट्ट ने कहाँ की केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के तहत चलने वाली इस 62वीं अखिल भारतीय संस्कृत प्रतियोगिता के तहत तिरुपति में राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हुई आन्ध्रप्रदेश एवं तेलंगाना द्विराज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्धा में प्राचीन वैदिक शास्त्रमीमांसा दर्शनम्का शलाका स्पर्धा में छात्र युवराज शर्मा जो कि तिरुपती स्थित श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय का मीमांसा विभाग में अध्ययनरत छात्र हैं।

शर्मा ने अपने ही अध्ययनरत मीमांसा शास्त्र विषय की शलाका स्पर्धा में भाग लेते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर के लिए भी चयन हुआ हैं। जो आगामी फरवरी-मार्च माह में हरिद्वार में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेगा।

श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉंक्टर टी उमेश भट्ट (वेदाङ्ग एवं शास्त्र संकाय अध्यक्ष) ने बताया कि यह घोषणा करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही हैं कि हमारे छात्रों ने राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मे आयोजित हुई स्पर्धा में भाग लेकर हमारे विश्वविद्यालय का नाम भी रौशन किया हैं।

इसी तरह इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में यहाँ के विश्वविद्यालय के कुल 9 छात्रों ने इस स्पर्धा में भाग लिया और छात्रों द्वारा 9 पुरस्कार प्राप्त करते हुए अपने विश्वविद्यालय को भी सम्मान दिलाया हैं जो कि वैदिक विश्वविद्यालय के लिए भी एक बहुत ही गौरवमयी स्मृति हैं। उन्होंने बताया की सुभाषितकण्ठपाठ, पुराणइतिहास, मीमांसाभाषण एवं मीमांसाशलाका स्पर्धाओं मे भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह वेदभाष्यभाषण, धर्मशास्त्रभाषण, श्लोकअन्त्याक्षरी एवं शास्त्रियस्फुर्तिस्पर्धा प्रश्नोत्तरी में द्वितीय स्थान और किरातार्जुनीयम् में तृतीय स्थान प्राप्त कर 9 पुरस्कार भी प्राप्त किये। वही इस स्पर्धा में जिन छात्रों का अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली स्पर्धा में चयन हुआ हैं उनको उज्जलवल भविष्य की कामना के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी जीत दर्ज कराकर आने के लिये विश्वविद्यालय परिवार द्वारा आशीर्वाद सहित शुभकामनाएं भी दी गई।

# श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर विशेष आयोजन

**परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा**

**भीलवाड़ा ।** 6 जनवरी 2025 को सिक्ख पंथ के दसवें गुरू श्री गुरू गोबिंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) हर्षोल्लास से मनाया जाएगा।

गुरूद्वारा साहिब सिन्धुनगर में प्रबंधक कमेटी एवं समूह संगत की मीटिंग में प्रकाश पर्व के विभिन्न आयोजन तय किए गए।

गुरूद्वारा सचिव ऋषिपाल सिंह ने बताया कि इस अवसर पर 4 जनवरी दोपहर 2 बजे गुरूद्वारा साहिब सिन्धुनगर से विशाल नगर कीर्तन (शोभायात्रा) निकाला जाएगा। नगर कीर्तन में पांच प्यारों की अगुवाई में श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी महाराज की सवारी भी होगी। संगत गुरबाणी कीर्तन करते हुए और सेवा का संदेश देते हुए साथ चलेगी।

नगर कीर्तन सिन्धुनगर में आरंभ होकर सिटी कोतवाली, नगर परिषद्, मुरली विलास रोड़, स्टेशन चौराहा, स्टेशन रोड़, बालाजी मार्केट, सूचना केन्द्र चौराहा, भोपाल क्लब से मुड़कर सिंघल हॉस्पिटल, महावीर पार्क से शाम 6 बजे तक पुनः गुरूद्वारा साहिब पहुंचेगा। 4 जनवरी प्रातः श्री अखंड पाठ साहिब की आरंभता होगी, 5 जनवरी - गुरूद्वारा साहिब में साफ-सफाई की सेवा एवं लंगर तैयार करने की सेवा की जाएगी।

कोषाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह ने बताया कि 6 जनवरी - प्रकाश पर्व पर प्रातः 05.30 बजे से श्री आसा की वार के कीर्तन एवं लंगर तैयार करने की सेवा आरंभ होगी।

ज्ञानी करनैल सिंह जी और ज्ञानी सुखबीर सिंह जी गुरबाणी कीर्तन द्वारा संगत को निहाल करेंगे।

इस अवसर पर दिल्ली से कीर्तनी जत्था , भाई कुलदीप सिंह भी कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं संगत को गुरबाणी कीर्तन द्वारा निहाल करेगें। दोपहर 12.30 बजे से गुरू का लंगर अटूट वितरित होगा। दोपहर 2 बजे सामूहिक अरदास के उपरान्त दीवान की समाप्ति होगी

गुरूद्वारा साहिब के अध्यक्ष इन्द्रपाल सिंह सोनी ने बताया कि गुरू गोबिंद जी की पवित्र आगमन स्थली बागौर साहिब में प्रकाश पर्व रविवार 19 जनवरी को श्रद्धा एवं उत्साह से मनाया जाएगा, जिसमें आस-पास के कई शहरों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होगें।

गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं से कार्यक्रम में शामिल होने की विनती की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023